वर्ष-32, अंक- 08, पृष्ठ-12 | कार्तिक शुक्ल पक्ष 01, संवत 2082 | डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
बुधवार
22 अक्टूबर 2025

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

मूल्य 2 रु.

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 12

एक नजर

सिमडेगा में एनसीबी की कार्रवाई, 420 किलो गांजा के साथ तस्कर गिरफ्तार

सिमडेगा। सिमडेगा में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 420 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। टीम ने सिमडेगा-रांची हाईवे (एनएच-143) पर कोलेबिरा के चकरिबंधा साहू पेट्रोल पंप के समीप छापेमारी कर गांजा बरामद किया। जानकारी के अनुसार, एक वाहन (ट्राली) में केबिन के ऊपर बॉक्स बनाकर गांजा तस्करी की जा रही थी। साहू पेट्रोल पंप के पास पीछा करते हुए एनसीबी की टीम ने वाहन को रोका और तलाशी ली, जिसमें गांजा पकड़ा गया। टीम ने वाहन (नंबर एचआर 73बी 4929) को जब्त कर एक तस्कर को गिरफ्तार कर लिया है। एनसीबी की टीम मामले की जांच में जुट गई है। तस्कर से पूछताछ की जा रही है।

महागठबंधन में दरार : बिहार चुनाव नहीं लड़ेगा झामुमो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कैबिनेट मंत्री सुदिव्य कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि झामुमो ने यह फैसला सहयोगी राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस की सियासी साजिश की वजह से लिया है। क्योंकि महागठबंधन में शामिल होने के बावजूद उसे सीटों से वंचित रखा गया। मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो एक्स पर शेयर किया और लिखा- "झारखंड मुक्ति मोर्चा ने हमेशा गठबंधन धर्म का परम कर्तव्य निभाया है, लेकिन आगामी बिहार विधानसभा चुनाव में झारखंडी हितों और झारखंडी चेतना के साथ विश्वासघात हुआ है और हम झारखंड के लोग इसे भूलेंगे नहीं। हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि झारखंड मुक्ति मोर्चा एक बड़ी ताकत है, तथा झारखंड के लोगों और देश के आदिवासियों की मजबूत आवाज है। इस आवाज को दबाने की कोशिश की गई है जिसका प्रतिकार होगा।

- झारखंड में भी कांग्रेस-आरजेडी गठबंधन पर झामुमो करेगी समीक्षा

झामुमो के वरिष्ठ नेता सुदिव्य कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनकी पार्टी झारखंड में कांग्रेस और राजद के साथ गठबंधन की समीक्षा करेगी और इस 'अपमान' का करारा जवाब देगी।

- झामुमो ने अकेले बिहार चुनाव लड़ने का किया था फैसला

हेमंत सोरेन नीत झामुमो ने दो दिन पहले कहा था कि वह बिहार में अकेले चुनाव लड़ेगी और छह विधानसभा क्षेत्रों में अपने उम्मीदवार उतारेगी क्योंकि 'महागठबंधन' में सीट बंटवारे पर बातचीत विफल हो गई है। झामुमो ने शनिवार को घोषणा की थी कि वह चकाई, धमदाहा, कटोरिया, मनिहारी, जमुई और पीरपैंती सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जहां 11 नवंबर को दूसरे चरण में मतदान होना है।

शेष पेज 11 पर..

कांग्रेस पार्टी कभी किसी को धोखा नहीं देती है: राकेश सिन्हा

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए खुद को बिहार विधानसभा चुनाव से अलग कर लिया है। जेएमएम ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। इस पर कांग्रेस नेता राकेश सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस पर आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं? कांग्रेस ने कभी धोखा नहीं दिया है। पार्टी हमेशा गठबंधन को मजबूत करने के प्रयास में लगी रहती है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा एक स्वाभाविक सहयोगी है और स्वाभाविक रूप से उसे बिहार में सीटें मिलनी चाहिए थीं। हालांकि, क्या परिस्थितियां उत्पन्न हुईं और क्या स्थितियां विकसित हुईं, यह केवल शीर्ष नेतृत्व ही बता सकता है, चाहे वह राष्ट्रीय जनता दल का हो या झारखंड मुक्ति मोर्चा का। राजद नेताओं से चर्चा भी हुई। झामुमो एक मजबूत गठबंधन साझेदार है। वह बिहार में चुनाव लड़ना चाहता था और उसे सीटें मिलनी चाहिए थीं। गठबंधन की मजबूती का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गठबंधन के लिए त्याग करती रही है। हम चाहते हैं कि गठबंधन पूरी मजबूती के साथ तैयार हो।

शेष पेज 11 पर..

राजद ने मंत्री सुदिव्य सोनू के बयान पर जताई आपत्ति

रांची। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने कांग्रेस और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर धोखा देने का आरोप लगाते हुए खुद को बिहार विधानसभा चुनाव से अलग कर लिया है। जेएमएम ने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया है। इस पर कांग्रेस नेता राकेश सिन्हा ने कहा कि कांग्रेस पर आरोप क्यों लगाए जा रहे हैं? कांग्रेस ने कभी धोखा नहीं दिया है। पार्टी हमेशा गठबंधन को मजबूत करने के प्रयास में लगी रहती है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि झारखंड मुक्ति मोर्चा एक स्वाभाविक सहयोगी है और स्वाभाविक रूप से उसे बिहार में सीटें मिलनी चाहिए थीं। हालांकि, क्या परिस्थितियां उत्पन्न हुईं और क्या स्थितियां विकसित हुईं, यह केवल शीर्ष नेतृत्व ही बता सकता है, चाहे वह राष्ट्रीय जनता दल का हो या झारखंड मुक्ति मोर्चा का। राजद नेताओं से चर्चा भी हुई। झामुमो एक मजबूत गठबंधन साझेदार है। वह बिहार में चुनाव लड़ना चाहता था और उसे सीटें मिलनी चाहिए थीं। गठबंधन की मजबूती का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी हमेशा गठबंधन के लिए त्याग करती रही है।

गढ़वा विधायक का स्वास्थ्य बिगड़ा, दिल्ली में भर्ती

- ब्लड प्रेशर और हाई शुगर से प्रभावित विधायक के उपचार में सुधार

गढ़वा। गढ़वा-रंका विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी की तबियत अचानक खराब हो गई, जिसके कारण उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली के एक बड़े अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दीपावली के दिन ही विधायक ने स्वयं अपने सोशल मीडिया पर स्वास्थ्य खराब होने की जानकारी दी, जिसके बाद क्षेत्रवासियों, पार्टी कार्यकर्ताओं और शुभचिंतकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की।विधायक के प्रतिनिधि विवेकानंद तिवारी ने बताया कि ब्लड प्रेशर और हाई शुगर के कारण उनकी तबियत बिगड़ी। चिकित्सकों ने उसके स्वास्थ्य में सुधार की जानकारी दी है और उपचार जारी है।इस बीच गढ़वा के विपक्षी नेता और कार्यकर्ताओं ने भी सोशल मीडिया के माध्यम से सत्येंद्रनाथ तिवारी के स्वास्थ्य लाभ की कामना की है।

व्हाट्सएप से सीधे जुड़ें

1994 से अनवरत हम आपके लिए समाचारों को प्रमुखता की नीति पर कार्य करते रहे हैं। इसे और सुगम बनाने के लिए एक विशेष व्हाट्सएप नंबर **72094 53444** पर आप सीधे अपनी परखी हुई सच्ची खबर फोटो सहित संक्षेप में भेज सकते हैं। आपत्तिजनक बातें भेजने पर आइटी एक्ट के अंतर्गत कार्रवाई हो सकती है। यदि आपको अखबार की प्रति नहीं मिल पा रही है या विज्ञापन देना चाहते हैं तो इस नंबर पर **72094 03444** संपर्क करें।

गढ़वा बैंक डकैती के 21 वर्ष पुराने मामले में राजद उम्मीदवार को जेल

- नामांकन के बाद सासाराम से राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साह की गिरफ्तारी

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। थाना क्षेत्र के चर्चित वर्ष 2004 के बैंक डकैती कांड में नामजद अभियुक्त एवं रोहतास जिले के सासाराम विधानसभा से राजद प्रत्याशी सत्येंद्र साह को बिहार पुलिस ने गिरफ्तार कर सोमवार को गढ़वा लाया। पुलिस का यह काफिला लगभग 10 गाड़ियों के साथ गढ़वा पहुंचा, जहां सदर थाना पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। सत्येंद्र साह पर गढ़वा शहर के चिरौंजिया मोड़ स्थित बैंक की राशि लूटने का आरोप है। इस मामले में वह लंबे समय से फरार चल रहा था, और इस डकैती मामले में उसके खिलाफ न्यायालय से स्थायी वारंट (लाल वारंट) जारी था।रोहतास के एसडीपीओ-2 कुमार वैभव ने बताया कि सत्येंद्र साह को नामांकन के बाद गिरफ्तार किया गया और उन्हें न्यायिक हिरासत में गढ़वा भेजा गया। सत्येंद्र साह के खिलाफ विभिन्न थानों में लूट, डकैती, आर्म्स एक्ट और धमकी समेत 20 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें वह या तो फरार था या

शेष पेज 11 पर...

आज / कल

चौथी सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप रांची में 24 से

सात देशों के एथलीट लेंगे हिस्सा

- उपायुक्त ने फुटबॉल स्टेडियम में चल रही तैयारियों का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची आगामी दिनों में एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजन का केंद्र बनने जा रही है। चौथी सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2025 का आयोजन 24 से 26 अक्टूबर तक बिरसा मुण्डा फुटबॉल स्टेडियम में प्रस्तावित है। इस प्रतियोगिता में दक्षिण एशियाई देशों भारत, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, भूटान और अफगानिस्तान के शीर्ष एथलीट हिस्सा लेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन को लेकर जिला प्रशासन एवं खेल विभाग की ओर से तैयारियां जारी हैं। मंगलवार को उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री द्वारा स्टेडियम परिसर पहुंचकर तैयारियों का विस्तृत निरीक्षण किया गया। साथ में निदेशक, खेलकूद एवं युवा कार्य शेखर जमुआर, वरीय पुलिस अधीक्षक राकेश रंजन, अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) राजेश्वर नाथ आलोक, अनुमंडल पदाधिकारी सदर उत्कर्ष कुमार, सिविल सर्जन, जिला नजारत उपसमाहर्त्ता, जिला परिवहन पदाधिकारी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी, जिला खेल पदाधिकारी, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण विभाग, नगर निगम अधिकारी, विद्युत विभाग, स्वास्थ्य विभाग, परिवहन विभाग सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन करेंगे उद्घाटन

रांची। सैफ एथलेटिक्स चैंपियनशिप 24 अक्तूबर से रांची में रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन 24 अक्तूबर को यहां मोरहाबादी स्थित बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम में चौथी दक्षिण एशियाई (सैफ) सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 का उद्घाटन करेंगे। भारत सहित छह देशों के लगभग 300 एथलीट और 150 तकनीकी स्टाफ इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में भाग लेने आएंगे।

- निरीक्षण के दौरान प्रमुख बिंदुओं की समीक्षा

निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने आयोजन से संबंधित सुरक्षा व्यवस्था, ट्रैफिक नियंत्रण, पार्किंग व्यवस्था, खिलाड़ियों के आवास एवं परिवहन व्यवस्था, चिकित्सा सुविधा, दर्शकों के प्रवेश एवं निकास द्वार, आपातकालीन सेवाओं, सफाई व्यवस्था, जलापूर्ति, बिजली आपूर्ति तथा मीडिया प्रबंधन आदि सभी बिंदुओं की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण कर लिए जाएँ ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

- खिलाड़ियों के आवास एवं परिवहन

उपायुक्त ने खिलाड़ियों और अधिकारियों के लिए सुरक्षित, स्वच्छ एवं आरामदायक आवास व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला परिवहन पदाधिकारी को एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन और होटल से स्टेडियम तक विशेष वाहनों की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया।

- चिकित्सा एवं आपातकालीन सुविधा

स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्टेडियम परिसर में 24×7 मेडिकल यूनिट, एम्बुलेंस और फर्स्ट एड सेंटर की व्यवस्था की जा रही है। रिम्स, सदर अस्पताल में आपातकालीन बेड एवं एंबुलेंस आरक्षित रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

- सफाई, पेयजल एवं बिजली व्यवस्था

मंजूनाथ भजंत्री ने नगर निगम के संबंधित पदाधिकारी को परिसर की सफाई, कचरा निष्पादन, पेयजल आपूर्ति और शौचालयों की नियमित निगरानी का निर्देश दिया गया। विद्युत विभाग को बैकअप जनरेटर, हाई-मास्ट लाइटिंग और पावर सप्लाई की निरंतरता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। ट्रैक एंड फील्ड, इलेक्ट्रॉनिक टाइमिंग सिस्टम, डिजिटल स्कोर बोर्ड, मीडिया गैलरी, वीआईपी एरिया एवं खिलाड़ी वार्मअप जोन हेतु की जा रही तैयारियों का निरीक्षण करते हुए उपायुक्त श्री मंजूनाथ भजन्त्री द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। आयोजन के दौरान राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। इसके लिए मीडिया सेंटर, लाइव फीड सिस्टम, हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्टिविटी आदि की व्यवस्था हेतु भी आवश्यक निर्देश दिए गए।

शेष पेज 11 पर..

17 जिलों में 24 को गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट

रांची। झारखंड के 17 जिलों में 24 अक्टूबर को कहीं-कहीं गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया है। यह जानकारी मौसम विभाग ने मंगलवार को दी। विभाग के अनुसार राज्य के जिन जिलों में गर्जन और आकाशीय बिजली गिरने की आशंका है इनमें उत्तरी-पूर्वी हिस्से (देवघर, दुमका, गिरिडीह, पाकुड़, गोड्डा, जामताड़ा, साहिबगंज) को छोड़कर शेष सभी जिले शामिल हैं। राजधानी रांची सहित आसपास के इलाकों में मंगलवार को सुबह से मौसम साफ रहा और ठंड का एहसास हुआ। दिन चढ़ने के बाद धूप में तल्खी महसूस हुई। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान देवघर में 7 डिग्री और सबसे कम तापमान गुमला में 16 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। रांची में अधिकतम तापमान 30.2 डिग्री, बोकारो में 32.1 और चाईबासा में अधिकतम तापमान 32.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

दीपावली की रात बेड़ो में दो की हत्या

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। थाना क्षेत्र के मुड़ामु गांव स्थित अखड़ा एवं घाघरा टिकराटोली जंगल में दो अलग-अलग लोगों की हत्या कर दी गई। मुडामु गांव में रात्रि लगभग दो बजे इसी गांव के पूर्व अपराधकर्मी 42 वर्षीय सोमा उरांव की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक के पिता फगुवा उरांव ने बताया कि दीपावली की रात गांव के हीं अखड़ा में जुआ खेल रहे थे। तभी लगभग 2 बजे रात में एक अपराधी दोनो हाथो में पिस्टल लहराते आया और सटा कर दना-दन कई गोली मार दिया जिसे घटना स्थल पर ही मौत गई। तभी गोली चलते ही अखाड़ा में जुआ खेल रहे सभी लोग भाग खड़े हुए। हत्या की घटना के बाद जुआ खेल रहे युवक भाग निकले। दहशत व्याप्त हो गया। इधर सूचना मिलने पर डीएसपी अशोक कुमार राम पुलिस निरीक्षक उत्तम कुमार उपाध्याय, थाना प्रभारी सुजीत कुमार उरांव, पुलिस पदाधिकारी व फोरेंसिक जांच टीम की टीम के साथ साथ घटना स्थल पर पहुंचे। घटना के संदर्भ में डीएसपी अशोक कुमार राम व सर्किल इंस्पेक्टर उत्तम कुमार उपाध्याय ने बताया कि मृतक

शेष पेज 11 पर...

इंडिया

छठ त्योहार की धार्मिकता से परे कुछ बातें अध्यात्म की

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

एकमात्र भारत ऐसा देश है जहां सबसे अधिक धार्मिक सांस्कृतिक विविधता भी है और एकता भी और पर्व-त्योहार और संस्कृति वहां रहनेवाले या पर्यटकों तक को प्रभावित करते हैं भले उनका मूल राज्य कुछ भी हो ! चैत्र शुक्ल पक्ष षष्ठी और कार्तिक शुक्ल पक्ष षष्ठी को मनाए जाने वाले छठ पर्व को मान्यता के अनुसार भगवान कृष्ण के पुत्र शांब ने कुष्ट रोग से मुक्ति के लिए चिकित्सा विशेषज्ञ शाकद्वीपीय मग ब्राह्मणों के निर्देशानुसार बारह राशियों के अनुसार ओलार्क (उलार) दुल्हिन बाजार, पटना,कोणार्क उड़ीसा देवार्क (देव) औरंगाबाद पुण्यार्क पण्डारक औगार्क औगारी,लोलार्क-काशी, मार्कण्डे यार्क कन्दाहा,सहरसा,कटलार्क कटारमल उत्तराखंड बालार्क बड़गांव,चानार्क चंद्रभागा नदी के किनारे,मोढ़ेरार्क गुजरात में पुष्पावती नदी के किनारे, आदित्यार्क (पाकिस्तान) के पंजाब प्रांत के चिनाब नदी के किनारे ऐसे ही इलाज कराया था । बिहार के औरंगाबाद (मगध) में बहुत बड़ी संख्या में मग ब्राह्मणों की उपस्थिति को इसी से जोड़कर देखा जाता है । एक और मान्यता के अनुसार महाभारत काल में जब पांडव अपना सारा राजपाट जुए में हार गए, तब द्रौपदी ने छठ व्रत किया था। एक मान्यता है कि छठ पूजा की शुरुआत सूर्य पुत्र कर्ण ने की थी। एक मान्यता के अनुसार, ऐतिहासिक नगरी मुंगेर में रावण वध के बाद पाप से मुक्ति के लिए मुग्दल ऋषि के राम और सीता को दिए निर्देशानुसार सीता ने छह दिनों तक रह कर छठ पूजा की थी।पौराणिक मान्यताओं के अनुसार, कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी के सूर्यास्त और सप्तमी के सूर्योदय के मध्य वेदमाता गायत्री का जन्म हुआ था।प्रकृति के षष्ठ अंश से उत्पन्न षष्ठी माता बालकों की रक्षा करने वाले विष्णु भगवान द्वारा रची माया हैं। बालक के जन्म के छठे दिन छठी मैया की पूजा-अर्चना की जाती है, जिससे बच्चे के ग्रह-गोचर शांत हो जाएं और जिंदगी में किसी प्रकार का कष्ट नहीं आए। इस मान्यता के तहत ही इस तिथि को षष्ठी देवी का व्रत होने लगा।सबसे सादगी से मनाया जाने वाला छठ महापर्व बिहार, झारखंड और उत्तर भारत से अब विश्वव्यापी हो गया है ।धार्मिक भेदभाव, ऊंच-नीच, जात-पात भूलकर सभी एक साथ इसे मनाते हैं। किसी भी लोक परंपरा में ऐसा नहीं है। सूर्य, जो रोशनी और जीवन के प्रमुख स्रोत हैं और ईश्वर के रूप में जो रोज सुबह दिखाई देते हैं उनकी उपासना की जाती है। जनजातीय समुदाय भी चंद्रमा के साथ सूर्य

एआई जेनरेटेड

को पूजता है । कई सारे धर्मों में सूर्य देव उपासना के केंद्र में रहे हैं। ऐसी संस्कृति और सभ्यताओं में पेरू के इंका, प्राचीन जॉर्डन के नेबेटियन्स और जापान के शिंटोइज्म जैसे पंथ और सभ्यताएं शामिल है। नेबेटियन्स ने जॉर्डन में तो सूर्य के सम्मान में पेट्रा नामक शहर भी बसाया था। दक्षिण अमेरिका में इंका सभ्यता के लिए सबसे महत्वपूर्ण देवताओं में से एक सूर्य देवता थे। इंका वास्तुकला का अधिकांश भाग सूर्य की पूजा के लिए डिज़ाइन और निर्मित किया गया है। इसमें विभिन्न स्थानों पर सूर्य की स्थिति (अयनांत) को चिह्नित करने के लिए स्तंभ बनाए गए हैं। इन धार्मिक मान्यताओं के गूढ को समझने की जरूरत है ।विश्वव्यापी सूर्योपासना का अर्थ यह हुआ कि लोगों ने अपने अनुभव से पाया कि सूर्य के बिना मानव का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। भारत के सभी पर्व त्योहारों के पीछे वैज्ञानिकता है, उल्लास के पर्व होली में हल्दी या प्राकृतिक पदार्थों से बने रंग और गुलाल सर्दी के मौसम के बाद शरीर में होने वाले संक्रमण को दूर कर देते थे । दशहरा के दस दिनों का उपवास शरीर के अंदर के विकारों या दूषित पदार्थों को हटाकर अंदर से स्वस्थ कर देता है । आयुर्वेद और प्राकृतिक चिकित्सा पद्धति में इसकी मान्यता है । दिवाली घरों की तो छठ सरोवरों की सफाई का त्योहार है । छठ में या देवत्थान (देवठान) में मौसमी फलों या प्राकृतिक उत्पादों को प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाता है ताकि कृषि का पेड़ पौधों का महत्व बना रहे। छठ में बड़े से बड़े लोग अहंकार त्याग कर जिस विनम्रता और भक्ति भाव छठी मइया की सेवा करते हैं और हर कार्य बेहिचक करते हैं वही भाव सनातन ही नहीं सभी धर्मों का मूल है ।जब संविधान नहीं बना था तब धर्म को ही संविधान की मान्यता थी और आज भी लोग बहुत सी धार्मिक बातों या निर्देशों को सहजता से मान लेते हैं जबकि सामान्य निर्देशों की अवहेलना करते हैं ।

हास्य कलाकार असरानी का निधन

84 साल की उम्र में ली अंतिम सांस

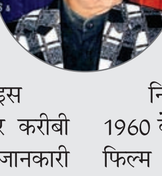

मुंबई(आईएएनएस)। प्रसिद्ध हास्य अभिनेता गोवर्धन असरानी का सोमवार शाम को निधन हो गया। उन्होंने 84 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार भी शाम को सांताक्रूज श्मशान घाट पर किया गया। इस मौके पर परिजन और करीबी लोग ही मौजूद थे। जानकारी सामने आई कि गोवर्धन असरानी की सेहत ठीक नहीं थी। वे पिछले करीब पांच दिन से अस्पताल में थे और सोमवार शाम को जुहू के आरोग्य निधि अस्पताल में उनका निधन हो गया। असरानी भारतीय सिनेमा के सबसे लंबे समय तक सक्रिय हास्य कलाकारों में से एक थे। पांच दशकों से अधिक के अपने करियर में उन्होंने 350 से अधिक फिल्मों में काम किया। उन्होंने फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई), पुणे से एक्टिंग सीखी और अपने हुनर को निखारा। इसके बाद उन्होंने 1960 के दशक के मध्य में हिंदी फिल्म जगत में प्रवेश किया। हालांकि, उन्होंने गंभीर और सहायक भूमिकाओं से शुरुआत की, लेकिन असरानी की हास्य प्रतिभा जल्द ही उभरकर सामने आई। 1970 और 1980 के दशक में वह हिंदी सिनेमा का एक प्रमुख चेहरा बन गए, जहां उन्होंने अक्सर प्यारे मूर्ख

शेष पेज 11 पर...

दीपावली पर प्राचीन प्रसिद्ध देवी शक्ति पीठ में दिखा आस्था का संगम

- देवी शक्ति पीठ में श्रद्धा का महापर्व दीपावली पर उमड़े भक्त

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। दीपावली के पावन अवसर पर प्राचीन प्रसिद्ध देवी शक्ति पीठ हैदरनगर में आस्था और भक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला। सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें माता के दर्शन के लिए उमड़ पड़ीं। वहीं धनतेरस के मौके पर खरीदे गए छोटे बड़े वाहनों की पूजा अर्चना की भी कतार लगी रही। चारों ओर दीपों की जगमगाहट और माता रानी के जयकारों की गूंज से पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। पूजा-अर्चना का मुख्य अनुष्ठान महंत सुरेन्द्र दस त्यागी और पुजारी पंडित अमित पाण्डेय के सान्निध्य में विधि-विधान से संपन्न कराया गया। इस मौके पर सपरिवार सामाजिक युवा कार्यकर्ता अंकू सिंह राणा सहित कई भक्तों ने माता के चरणों में दीप प्रज्वलित कर परिवार की सुख -समृद्धि, शांति और कल्याण की प्रार्थना की। पंडित अमित पाण्डेय द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ परंपरागत रुप में वाहनों की पूजा कराई। श्रद्धालुओं ने अपने दोपहिया और चार पहिया वाहनों पर तिलक लगाकर नारियल व पुष्प अर्पित कर सुरक्षित यात्रा की कामना की। मंदिर परिसर को दीपों, रंगीन झालरों और पुष्प सज्जा से भव्य रुप में सजाये जाने से पूरा क्षेत्र आलोकित हो उठा है। भक्तों ने कहा कि हर वर्ष दीपावली पर माता के दरबार में पूजा-अर्चना करने से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, शांति और समृद्धि का संचार होता है।

हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्रों में हर्षोल्लास से मनी दीपावली पर्व, लक्ष्मी व गणेश की प्रतिमा रखकर की गई पूजा

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल क्षेत्र में दीपों का पर्व दीपावली पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। अनुमंडल क्षेत्र के हुसैनाबाद प्रखंड मुख्यालयों व ग्रामीण क्षेत्रों में परंपरागत तरीके से दीपावली पर दीप जलाए गए। पूजा अर्चना की गई। दंगवार के ग्रामीणों ने दंगवार बस स्टेंड में भी मां लक्ष्मी व गणेश की पूजा अर्चना की गई। मौके पूजा कमेटी के अध्यक्ष श्रीकांत कुमार, सचिव गणेश कुमार सदस्य दीपक कुमार,संतोष मेहता, सुनील मेहता व पंचायत के मुखिया अमरेंद्र ठाकुर भी मौजूद थे। कई जगहों पर ग्रामीण क्षेत्रों में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। इधर, हुसैनाबाद नगर पंचायत के राम बिगहा नहर मोड़, गम्हरीया, मोहमदाबाद, दंगवार, मिलन बांध, संत रैदास नगर आदि कई जगहों पर मिट्टी के दीए जलाए गए। नगर पंचायतवासियों ने कहा कि दीपावली दीपों का पर्व है, किंतु लोग दीप न जलाकर चाईनीज लाईट आदि का इस्तेमाल कर देश की आर्थिक व सांस्कृतिक परंपरा को मिट्टी में मिला रहे है। हम सब युवाओं को एक जुट होकर देश की पुरानी संस्कृति को बचाने के लिए आगे आना होगा। इधर शहर में पूरे रात दुकान खोलकर दीपावली की पूजा वैदिक मंत्रोच्चारण कर किया। जिसमें प्रकाश अग्रवाल,संतोष सोनी, उदय सोनी,अजय सोनी,दीना सोनी, संजय सोनी, पप्पू सोनी, मोहन सोनी, जीतेंद्र प्रसाद सोनी, कृष्ण मुरारी अग्रवाल,पवन अग्रवाल सहित कई लोगों ने अपने-अपने प्रतिष्ठानों में पूजा अर्चना की।

पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनी दीपावली, खुब बिके पटाखे व लड्डू

रंग-रोगन व रोशनी से जगमग हुई काली मंदिर

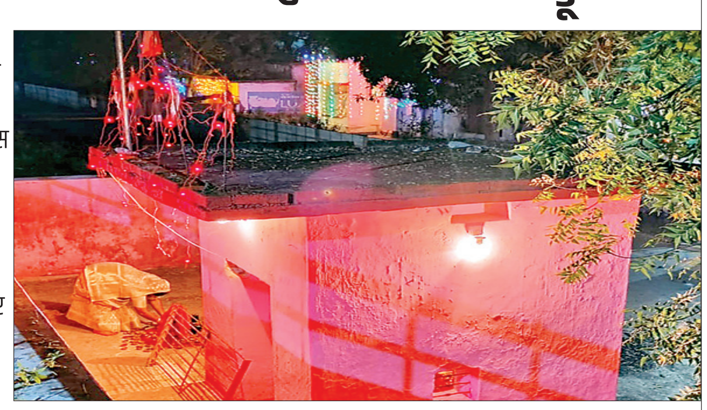

मोहम्मदगंज। माता लक्ष्मी व भगवान गणेश की आराधना के साथ प्रकाशोत्सव का महान पर्व दीपावली सोमवार की रात पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। इसे लेकर दिन भर खरीदारी के लिए दैनिक बाजार में चहल-पहल बना रहा। इस दौरान लक्ष्मी-गणेश मूर्ति, कैलेंडर, दीया, कलश, लड्डु, फल, पूजन सामाग्री और पटाखे की खुब बिक्री हुई। शाम ढलते ही घरों व प्रतिष्ठानों में पूजा-पाठ से वातावरण भक्तिमय बन गया। जबकि मिट्टी के दीए और इलेक्ट्रानिक बल्ब की लड़ियों की रोशनी से घर-आंगन और प्रतिष्ठान प्रकाशमान और आतिशबाजी से देर रात तक वातावरण गूंजायमान होता रहा। वहीं, रेल परिसर स्थित काली मंदिर रंगाई-पुताई के साथ इलेक्ट्रानिक लड़ियों व बल्ब की रोशनी से जगमग होती रही। इस काम को अंजाम देने में पुजारी शिवलाल प्रसाद के अलावा रामजन्म राम, जगत लाल और विकास चंद्रवंशी ने महत्वपूर्ण योगदान दिए। जबकि इसमें श्रद्धालु रेणु देवी का बड़ा सहयोग बताया गया। इस मंदिर के साथ ही देवीधाम, ठाकुरबाड़ी और महादेव-विश्वकर्मा मंदिर सहित अन्य धार्मिक स्थलों पर दीपदान व पूजा-पाठ कर आस्था का प्रकटीकरण किया गया।

झरिवा गांव में लक्ष्मी पूजन पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

मोहम्मदगंज। स्थानीय पंचायत अंतर्गत झरिवा गांव में सोमवार की रात प्रगति क्लब के तत्वावधान में लक्ष्मी पूजन के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्घाटन फीता काटकर सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र में सक्रिय डॉ. आरसी मेहता ने किया। इस दौरान उन्होंने धन लाभ प्राप्त कर घर-परिवार के कल्याण के लिए मेहनत करने की जरूरत पर बल देते हुए कहा पूजा-पाठ से मन को केवल शांति मिलती है। धनोपार्जन के लिए श्रम साधना जरूरी है। उन्होंने ऐसे मौकों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन को आपसी प्रेम और सौहार्द्र बनाए रखने में सहायक व मनोरंजन का साधन बताते हुए कहा कि इससे स्थानीय स्तर पर युवा वर्ग को कला प्रतिभा को निखारने का अवसर मिलता है। इस दिशा में क्लब का प्रयास सराहनीय कदम है। इस मौके पर पंसस ममता देवी, क्लब के अध्यक्ष पंकज के अलावा पप्पू चंद्रवंशी, ओम प्रकाश मेहता, पंकज मेहता, धर्मेंद्र मेहता, उपेंद्र मेहता और अजय मेहता सहित अन्य कई ग्रामीण शामिल थे। कार्यक्रम का संचालन गुड्डू पासवान ने किया।

कार्तिक व सुभद्रा का अटूट प्रेम का प्रतीक है भैया दूज त्योहार : पं. कुंडल तिवारी

हैदरनगर। पौराणिक कथा अनुसार सूर्य पुत्र यमदेव अपनी बहन यमुना के काफी आग्रह करने पर भी व्यस्तता से आ नहीं पाते थे। लेकिन अचानक यमलोक से धरती पर अपनी बहन यमुना के घर कार्तिक शुक्ल पक्ष की द्वितीय को मथुरा में पधारे थे। बहन यमुना भैया यमदेव के आगमन पर बहुत प्रसन्न होकर माथे पर टीका लगाकर विधिवत स्वागत सत्कार कर नाना प्रकार की व्यंजन से भोजन कराया। इस संबध में वयोवृद्ध विद्वान पंडित कुंडल तिवारी ने बताया कि बहन यमुना की प्यार और सत्कार को देख यमदेव काफी प्रसन्न होकर बहन यमुना को वरदान दिया कि जो कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया को अपनी बहन के घर भोजन कर बहन को प्रसन्न करेगा उसे अकाल मृत्यु नही होगी। साथ ही उन्हें सुख समृद्धि व दीर्घायु प्राप्त होगी। उन्होंने कहा कि द्वापर में श्री कृष्ण ने कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी को राक्षस नरकासुर का वध कर कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया तिथी को अपनी बहन सुभद्रा के घर पधारे थे। बहन सुभद्रा काफी प्रसन्न होकर उनकी सेवा सत्कार कर भोजन कराकर विदा किया इससे बहन भाई का विशेष त्योहार भैया दूज मनाई जाने लगी। उन्होंने कहा कि इस वर्ष कार्तिक शुक्ल पक्ष द्वितीया 23 अक्टूबर दिन गुरुवार को मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि सूर्यदेव की दो पत्नियों संज्ञा और छाया से कुल दस संतानें थी। जिसमें संज्ञा से वैवस्वतमनु, यमराज, यमुना और अश्विनी कुमार द्वय, रेवन्त जबकि छाया से शनिदेव, तपती, भद्रा (विष्ठि) और सावर्णिमनु संतान थे।

जानलेवा हमले के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

पंडवा। थाना पुलिस ने एक गंभीर मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए जानलेवा हमले के आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।मामला पड़वा थाना क्षेत्र के कजरी गांव का है, जहां वादी संजय सिंह (उम्र 45 वर्ष, पिता स्व. राजनंदन सिंह) एवं उनके परिवार के अन्य सदस्यों पर आरोपी निखिल कुमार सिंह (उम्र 28 वर्ष, पिता स्व. सच्चिदानंद सिंह, निवासी कजरी) ने धारदार हथियार से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस संबंध में थाना पड़वा में कांड संख्या–80/2025, दिनांक 20 अक्टूबर 2025 को दर्ज किया गया था।पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अनुसंधान के क्रम में आरोपी निखिल कुमार सिंह को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। घटना में प्रयुक्त हथियार एक कुल्हाड़ी को पुलिस ने जब्त कर लिया है। पुलिस मामले की आगे की जांच में जुटी हुई है।

पारिवारिक विवाद में फांसी लगाकर अधेड़ ने की आत्महत्या

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के देवरी ओपी क्षेत्र के सपही गांव में एक अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना दीपावली की रात सोमवार की बतायी जाती है। मृतक की पहचान सपही गांव निवासी चंद्रदेव मेहता का 43 वर्षीय पुत्र सतेंद्र मेहता के रूप हुई है। फांसी पर लटका देख परिजनों ने तत्काल उसे हुसैनाबाद अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने उसे देखने के बाद मृत घोषित कर दिया। इस घटना की सूचना मिलते ही देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार दल बल के साथ उक्त गांव में पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पंचनामा बनाने के बाद पोस्टमार्म कराने के बाद शव को उसके परिजनों को सौंप दी। ओपी प्रभारी ने बताया की परिजनों द्वारा अब तक कोई लिखित आवेदन नहीं दिया गया है , पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हकीकत सामने आएगी, हालांकि गांव के लोग भी घटना का कारण पारिवारिक विवाद बता रहें हैं। प्रथम दृष्टया पुलिस भी इसे आत्महत्या मान रही हैं।

साड़ी के फंदे में झुलकर महिला ने की आत्महत्या

मोहम्मदगंज। थाना क्षेत्र के गोला पत्थर गांव में बुधवार की दोपहर लाल बिहारी रजवार की पत्नी गुलाबी देवी (40) ने गले में साड़ी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना की जानकारी पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भेज दिया। थाना प्रभारी नारायण सोरेन ने बताया कि परिजन के आवेदन पर यूडी केस दर्ज कर पूरे मामले की जांच जारी है।

शहीद की क्षतिग्रस्त प्रतिमा पर दी गई श्रद्धांजलि, ग्रामीणों में आक्रोश

नीलांबर पीतांबरपुर। पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर पलामू जिले के बसौरा गांव में सीआरपीएफ जवानों और ग्रामीणों ने शहीद जितेंद्र सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। शहीद की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने शहीद के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनकी वीरता को याद किया। वहीं इस सम्मान के साथ एक गंभीर उपेक्षा भी सामने आई। शहीद जितेंद्र सिंह की प्रतिमा काफी समय से क्षतिग्रस्त अवस्था में है, बावजूद इसके श्रद्धांजलि कार्यक्रम इसी टूटी हुई प्रतिमा के समक्ष आयोजित किया गया। ग्रामीणों ने इस बात पर गहरा रोष व्यक्त किया और कहा कि वर्षों से प्रतिमा की मरम्मत या सौंदर्यीकरण को लेकर कोई प्रयास नहीं किया गया है।

पुलिस स्मृति दिवस पर जैप-8 लेस्लीगंज में दी गई श्रद्धांजलि

हमारी वर्दी सिर्फ एक वर्दी नहीं यह हमारा कर्तव्य, धर्म : कमांडेंट

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। पुलिस शहीद संस्मरण दिवस को लेकर लेस्लीगंज स्थित जैप-8 बटालियन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन मंगलवार को किया गया। इस अवसर पर उन वीर जवानों को याद किया गया। जिन्होंने देश की आंतरिक सुरक्षा, शांति व्यवस्था और कानून-व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अपने प्राणों की आहूति दी। पुलिस स्मृति दिवस हर वर्ष 21 अक्टूबर को मनाया जाता है। यह दिन वर्ष 1959 में लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स इलाके में चीन के सैनिकों द्वारा किए गए हमले में शहीद हुए 10 केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के जवानों की याद में शुरू किया गया था। तभी से यह परंपरा बन गई कि इस दिन पूरे देश की पुलिस और अर्धसैनिक बल अपने शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। जैप-8 बटालियन परिसर में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जैप 8 बटालियन के समादेष्टा मूमल राजपुरोहित एवं वरीय पुलिस उपाधीक्षक मनजरूल होदा, पुलिस उपाधीक्षक डेविड ए दोडराय, पुलिस निरीक्षक बंधन उरांव सहित झारखंड सशस्त्र पुलिस बल जैप 8 के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान शोक ध्वनि बजाई गई और दो मिनट का मौन रखकर शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। मौके पर मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में कहा कि जैप बटालियन सहित राज्य की पुलिस फोर्स ने समय-समय पर अपने अदम्य साहस और बलिदान से राज्य में शांति बहाल की है। हम उन सभी वीर जवानों को नमन करते हैं, जिन्होंने देश की रक्षा में अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिसकर्मियों की ड्यूटी आमतौर पर खामोश रहती है, लेकिन उनका योगदान देश की नींव को मजबूत करता है। आज के दिन हम अपने सभी शहीद भाइयों को और उनके परिवारों को याद करते हैं ताकि उन्हें साहस मिले और उन्होंने जो बलिदान दिया उसकी प्रेरणा से हम दूसरे लोगों को प्रेरित कर सके। उनको याद करते हुए हम यह भी समझते हैं कि हमारी वर्दी सिर्फ एक वर्दी नहीं यह हमारा कर्तव्य, धर्म है । यह हमें याद दिलाता है कि हम किसी की सेवा कर रहे हैं। वहीं इस आयोजन ने केवल शहीदों के बलिदान को यादगार बनाया, बल्कि वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों को भी देशसेवा के लिए प्रेरित भी किया। यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि हमारे सुरक्षा बल हर दिन अपने प्राणों की बाजी लगाकर हमें सुरक्षित रखने का कार्य करते हैं, और हमें उनके इस त्याग को कभी नहीं भूलना चाहिए।

देवरी ओपी पुलिस ने 4 सौ किलो अवैध महुआ को किया नष्ट

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद में दीपावली के दिन देवरी ओपी पुलिस की अवैध जावा महुआ शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई हैं। देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि क्षेत्र में महुआ शराब बनाने व बेचने का अवैध धंधा चल रहा है। वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए गांव देवरी कला पूर्णाडीह और बलिविगहा में गांव के सोन नदी के तटीय क्षेत्रों में पुलिस ने छापेमारी कर तीन जगहों पर करीब 400 किलोग्राम जावा महुआ,9 लीटर महुआ शराब और बनाने का उपकरण को नष्ट किया गया है। इसकी कीमत करीब 22,225 रूपये आकी गई हैं। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेग। इस छापेमारी अभियान में देवरी ओपी प्रभारी बबलू कुमार के अलावा कई पुलिस बल के जवान शामिल थे।

करारिया में नाबालिग का शव बरामद, जांच में जुटी पुलिस

मोहम्मदगंज। थाना क्षेत्र के करारिया गांव में मुस्तफा अंसारी की 16 वर्षीया पुत्री स्नेहा परवीन का घर में ही फंदे से लटका हुआ शव पुलिस ने बरामद किया है। घटना की सूचना पर एसआई शेख मोहम्मद अमानुल्लाह ने सदलबल पहुंचकर पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल हुसैनाबाद भेज दिया। प्रभारी थाना प्रभारी सुबीर किस्कू ने बताया पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही नाबालिग की मौत के कारणों का पता चल सकेगा। फिलहाल, घटना की जांच चल रही है।

नपं के शशि शेखर सुमन ने नये कार्यपालक पदाधिकारी के पद पर दिया योगदान

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। नगर पंचायत कार्यालय में मंगलवार को नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी के रूप में शशि शेखर सुमन ने अपना योगदान दिया। इसके पूर्व वे चास नगर निगम में सहायक नगर आयुक्त के पद पर थे। उल्लेखनीय है कि हुसैनाबाद नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी के अतिरिक्त प्रभार में हुसैनाबाद एसडीएम ओमप्रकाश गुप्ता थे, नगर विकास व आवास विभाग के द्वारा यहां स्थाई रूप से कार्यपालक पदाधिकारी का पद स्थापना की है। यहां पद रिक्त होने के कारण नपं का विकास कार्य अवरुद्ध हो रहा था। यहां के लोगों को क्षेत्र में विकास योजनाओं का सुचारू रूप से निष्पादित किया जाएगा। उन्होंने योगदान देने के बाद जपला छठपोखरा घाट का निरीक्षण किया और सफाई कर्मचारियों को साफ सफाई का निर्देश दिया। उनके योगदान देने के बाद नगर पंचायत कार्यालय के कर्मियों बुके देकर स्वागत किया।

वार्ड 6 छठ घाट पर जलमीनार व हाईमास्ट लाइट का मरम्मत कार्य लटका

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। पलामू जिला के हुसैनाबाद नगर पंचायत क्षेत्र के वार्ड 6 में दीपावली और छठ महापर्व को लेकर साफ-सफाई व रौशनी सहित कई व्यवस्थाएं करने के निर्देश दिए गए थे। कुछ दिनों पूर्व नगर पंचायत कार्यालय में पदाधिकारियों, पूर्व जनप्रतिनिधियों और नगर पंचायत प्रशासन की बैठक हुई थी, जिसमें शहर में कूड़ा कचरा व नालियों की साफ-सफाई, नहर मोड़ जमुहारी माई छठ घाट पर जलमीनार और हाई मास्टलाइट की मरम्मत के साथ अन्य जरूरी कार्यों पर चर्चा की गई थी। परंतु बैठक में लिए गए निर्णयों के बावजूद अभी तक संबंधित कार्य पूरे नहीं किए जा सके हैं। वार्ड 6 के पूर्व पार्षद अजय प्रसाद गुप्ता ने बताया कि नहर मोड़ छठ घाट पर हाई मास्क लाइट और जलमीनार अभी भी खराब स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि वार्ड की सड़कों पर नालियों का पानी जमा है और नालियों में कूड़ा-कचरा पड़ा हुआ है, जिससे इलाके की सफाई प्रभावित हो रही है। पूर्व पार्षद ने नगर पंचायत प्रशासन से आग्रह किया है कि दीपावली और छठ पूजा को ध्यान में रखते हुए इन समस्याओं का समाधान शीघ्र किया जाए, ताकि छठ महापर्व करने वाले व्रतियों को किसी प्रकार की परेशानियों का सामना न करना पड़े। नगर पंचायत ने इस संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि अभी हुसैनाबाद शहर के सभी वार्डो व मुख्य सड़कों पर नई लाइट लगाई जा रही है और नहर मोड़ छठ घाट के पास हाई मास्क लाइट को छठ पूजा से पहले ठीक करा दिया जाएगा।

आस्था — भीतरपांती गांव में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया गाय डाढ़ पर्व

पारंपरिक व सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की अनूठी पहल

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। प्राचीन परंपरा और संस्कृति के तहत हर साल की तरह दीपावली की अगली सुबह ग्वाल और पशुपालक समाज की ओर से मंगलवार को अनूठा पर्व गाय डाढ भितरपांती गांव में बाबा वीर कुंवरनाथ मंदिर परिसर में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। जिसमें पारंपरिक वाद्य यंत्र ढोल-सिंघा और आधुनिक बैंड-बाजा के बीच विशेष तरीके से पूजा-अर्चना की गई। इसे देखने के साथ ही इस पर्व के प्रति श्रद्धा के प्रकटीकरण को लेकर आसपास के अलावा दूरदराज के भी सैकड़ों ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। इस दौरान प्राचीन परंपरा के अनुसार विशेष पूजा-पाठ और अर्चना के बीच बकरों की बलि का अनुष्ठान पूरे विधि-विधान से संपन्न हुआ। इस पर्व के संबंध में बुजुर्ग बताते हैं कि यह सदियों पुरानी परंपरा का हिस्सा है। जिसमें इस दिन बकरे की बलि देने की रस्म श्रद्धा और आस्था के साथ निभाई जाती है। उनका मानना है कि इस परंपरा से गांव में सुख- शांति और समृद्धि के साथ ही पशुधन की वृद्धि होती है।

गो-माता व जय वीरनाथ के जयकारे से वातावरण गुंजायमान

इस पूजा-पाठ के दौरान पूरा वातावरण गो माता की जय और जय वीर कुंवरनाथ बाबा के जयघोष से गूंजायमान होता रहा। इस आयोजन के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी मृत्युंजय पांडेय ने पूजा-अर्चना में सम्मिलित होते हुए कहा कि गाय डाढ़ जैसा पर्व हमारी संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का जीवंत प्रतीक है। नई पीढ़ी को भी इन परंपराओं से जुड़ना चाहिए। ताकि हमारी लोक आस्था और सांस्कृतिक पहचान संरक्षित और सशक्त बनी रहे। पूरे आयोजन की तैयारी और सफल बनाने में विशेष रूप से रट्टू यादव, सुखाड़ी यादव, कुलदीप यादव, सत्येंद्र यादव, ददन यादव, अवधेश पासवान व अवधेश यादव सहित कई युवाओं का सराहनीय योगदान बताया गया। जिन्होंने इसकी तैयारियां कई दिनों पहले से शुरू कर दी थी।

सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण बनाए रखना सबका फर्ज : गोपाल

इस अवसर पर पंचायत के मुखिया सुदर्शन पासवान और सामाजिक कार्यकर्ता गोपाल प्रजापति विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ऐसे पर्व न केवल हमारी धार्मिक परंपरा और लोक संस्कृति को जीवित रखते हैं, बल्कि सामाजिक एकता, भाईचारे और सहयोग की भावना को भी मजबूत करते हैं। जिसमें पूजा-अर्चना के बाद सामूहिक प्रसाद वितरण में सभी समाज के लोग एक साथ सम्मिलित और गांव की महिलाएं व युवा भी इसमें बढ़-चढ़कर योगदान दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस पर्व की महत्ता को अक्षुण बनाए रखने के लिए आने वाले वर्षों में इसे और अधिक भव्य रूप दिया जाना चाहिए। ताकि नई पीढ़ी अपनी इस लोक परंपरा और धार्मिक विरासत से और गहराई से जुड़ सके। कई अन्य गांव से इसके विलुप्तप्राय होने के बावजूद इस भीतरपांती गांव में इस सांस्कृतिक पहचान,सामाजिक एकता और आस्था की शक्ति को जीवंत प्रतीक बनाए रखना सराहनीय कदम है।

सुधीर चंद्रवंशी ने किया विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण

ऊंटारी रोड़। दीपावली के शुभ अवसर पर विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न पंचायतों में मां लक्ष्मी पूजा का आयोजन धूमधाम से किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के प्रमुख सामाजिक और राजनीतिक प्रतिनिधियों ने पूजा पंडालों का भ्रमण किया और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेकर लोगों को शुभकामनाएं दीं। नावा, विश्रामपुर और ऊटारी रोड प्रखंड के कई गांवों में आयोजित इस पर्व में श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में विश्रामपुर विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी सुधीर कुमार चंद्रवंशी शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न पूजा पंडालों में नाट्य मंच का फीता काटकर शुभारंभ किया और लोगों को दीपावली की हार्दिक बधाई दी। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे विषयों पर विशेष रूप से जोर दिया और कहा कि “समाज के विकास के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य सबसे मजबूत आधार हैं, जिन पर एक सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

पुलिस संस्मरण दिवस पर पलामू में शहीदों को नमन

आईजी व एसपी ने वीर जवानों की अमर गाथा को किया सलाम

- परिजनों से मिले और हरसंभव मदद का भरोसा दिया

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर मंगलवार को पलामू जिला पुलिस लाइन परिसर में एक गरिमामय समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पलामू रेंज के जोनल आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा और पुलिस अधीक्षक रीष्मा रमेशन ने देश की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था की रक्षा के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पण से हुई, जहां आईजी और एसपी ने शहीदों के आदर्श, साहस और कर्तव्यपरायणता को नमन किया। इसके बाद दो मिनट का मौन रखकर सभी उपस्थित पुलिसकर्मियों ने उन वीरों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने राष्ट्र की सेवा में अपने प्राण न्योछावर किए। आईजी शैलेन्द्र कुमार सिन्हा ने अपने संदेश में कहा कि शहीद पुलिसकर्मी हमारे गौरव हैं, जिनकी वीरता और समर्पण हमें राष्ट्रहित में दृढ़ता के साथ कार्य करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि पुलिस बल की असली ताकत उसकी एकजुटता और सेवा भावना में निहित है। वहीं एसपी रीष्मा रमेशन ने कहा कि पलामू पुलिस अपने शहीदों के परिवारों के साथ हमेशा खड़ी रहेगी। उन्होंने शहीद परिवारों से आत्मीय भेंट कर उनके सुख-दुख को साझा किया तथा आश्वासन दिया कि किसी भी परिस्थिति में प्रशासन उनके साथ रहेगा। कार्यक्रम में एसडीपीओ मणिभूषण प्रसाद, डीएसपी राजीव रंजन, डीएसपी राजेश कुमार समेत जिले के वरिष्ठ अधिकारी, जवान एवं शहीदों के परिजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने राष्ट्रसेवा के प्रति समर्पण और शहीदों की अमर गाथा को याद करते हुए पुलिस बल की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

पलामू में भ्रष्टाचार चरम पर : त्रिपाठी

- पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र, पुलिस पर अपराधियों को संरक्षण देने का लगाया आरोप

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। पूर्व मंत्री के.एन. त्रिपाठी ने पलामू जिले में लगातार बढ़ रहे अपराध और भ्रष्टाचार के मामलों को लेकर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जिले में कानून व्यवस्था की समीक्षा और स्थिति पर अंकुश लगाने की मांग की है।

त्रिपाठी ने परिसदन में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि पिछले एक महीने में पलामू में करीब एक दर्जन हत्याएं हो चुकी हैं। चोरी और लूट की घटनाओं में भी लगातार वृद्धि हो रही है, जिससे आम नागरिकों में भय और असुरक्षा का माहौल है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपराधी पुलिस के संरक्षण में घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और पुलिस प्रशासन मूकदर्शक बना हुआ है।

पूर्व मंत्री ने आरोप लगाया कि पुलिस की देखरेख में अवैध बालू की तस्करी खुलेआम जारी है, जबकि आम लोग निर्माण कार्य के लिए बालू के अभाव से जूझ रहे हैं। उन्होंने यहां तक कहा कि थानों में मनमाने ढंग से पैसों की वसूली की जा रही है, जो गंभीर भ्रष्टाचार का संकेत है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि स्थिति की उच्चस्तरीय जांच कर अपराध और भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं। इस मौके पर शत्रुघ्न शत्रु, रामाशीष पांडेय, प्रेमदेव सिंह, जावेद खान, जिशान खान और रंजन दुबे सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एमएमसीएच के नए ओपीडी में ट्रॉली-व्हीलचेयर गायब, मरीजों को गोद में उठाकर ला रहे परिजन

- बुनियादी सुविधाओं के अभाव से नाराज मरीज, प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग
- मरीजों ने कहा:-एमएमसीएच जैसे बड़े अस्पताल में इस तरह की मूलभूत सुविधाओं का अभाव शर्मनाक है

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल (एमएमसीएच) के एएनएम भवन में संचालित नए ओपीडी में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी देखने को मिल रही है। यहां न तो ट्रॉली मैन तैनात हैं और न ही ट्रॉली एवं व्हीलचेयर की व्यवस्था है। इससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।प्रतिदिन सैकड़ों मरीज इलाज के लिए नए ओपीडी भवन में पहुंचते हैं, लेकिन गंभीर रूप से बीमार और वृद्ध मरीजों को अस्पताल के अंदर तक ले जाने में परिजनों को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है। ट्रॉली और व्हीलचेयर के अभाव में लोग मरीजों को गोद या सहारा देकर खुद ही ओपीडी तक पहुंचा रहे हैं। इस स्थिति को लेकर मरीजों और परिजनों में गहरी नाराजगी है। मंगलवार को चैनपुर के बराव से आए प्रवीण कुमार ने बताया कि उनकी मां लखमनी देवी (50) का पैर टूटा हुआ है। इलाज के बाद व्हीलचेयर नहीं मिलने के कारण उन्हें कंधे का सहारा देकर ले जाना पड़ा। बाद में एक व्यक्ति ने मदद करते हुए अपनी मोटरसाइकिल से महिला को मुख्य सड़क तक छोड़ा। अन्य मरीजों ने कहा कि एमएमसीएच जैसे बड़े अस्पताल में इस तरह की मूलभूत सुविधाओं का अभाव शर्मनाक है। जानकारी के अनुसार अस्पताल में 12 स्ट्रेचर मैन की आवश्यकता है, जबकि फिलहाल केवल 9 कार्यरत हैं। इनमें से कुछ इमरजेंसी में तथा कुछ नए भवन में तैनात हैं, जबकि ओपीडी भवन में एक भी व्यक्ति नहीं है।अस्पताल प्रबंधक सुमित श्रीवास्तव ने बताया कि आर्थोपेडिक विभाग होने के कारण स्ट्रेचर अक्सर ओपीडी में रखे जाते हैं, लेकिन लोग उन्हें मनचाही जगह छोड़ देते हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल अधीक्षक से बात कर ट्रॉली मैन की भर्ती या तैनाती की जाएगी।

हॉस्पिटल से बाहर निकल रही महिला को नहीं मिला व्हीलचेयर

स्वतंत्रता सेनानियों के शिलापट्ट पर दीप प्रज्वलित कर दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दीपावली के अवसर पर पुराने ब्लॉक परिसर स्थित स्वतंत्रता सेनानियों के शिलापट्ट पर उनके वंशजों एवं मेदिनीनगर के प्रबुद्ध लोगों ने दीप प्रज्वलित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर वातावरण देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो उठा।इस आयोजन की पहल राकेश कुमार सिंह उर्फ मंगल सिंह, महासचिव डाल्टनगंज चेंबर ऑफ कॉमर्स, तथा अध्यक्ष डॉ. विनोद उदयपुरी (स्वतंत्रता सेनानी के वंशज) के नेतृत्व में पिछले कई हफ्तों से चल रही थी। परिमल प्रसून्न और उनके सहयोगियों ने स्थल की साफ-सफाई और सौंदर्यीकरण का कार्य अत्यंत समर्पण के साथ पूरा किया। उनकी मेहनत से यह ऐतिहासिक स्थल अब आकर्षक रूप में निखर उठा है।श्रद्धांजलि कार्यक्रम में स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, वरिष्ठ नागरिक मंच के अध्यक्ष विजयनंदन सरस्वती, सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव (स्वतंत्रता सेनानी के वंशज), नवल तुलस्यान, प्रेम भसीन, शर्मिला वर्मा, विवेक वर्मा (सचिव, वरदान चैरिटेबल ट्रस्ट), साकेत सौरभ, चिन्मय राज (सचिव, डाल्टनगंज चेंबर ऑफ कॉमर्स), प्रभात अग्रवाल (राजेश्वर अग्रवाल के पौत्र), संजीव शर्मा, दीपक सिंह, जयशंकर श्रीवास्तव, मनीष भिवानिया, अनूप कुमार, ब्रजेश शुक्ला सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।'पलामू के क्रांतिकारी' पुस्तक के लेखक प्रभात मिश्र सुमन ने अवसर पर कहा कि अक्टूबर महीना पलामू की स्वतंत्रता आंदोलन यात्रा में विशेष महत्व रखता है।

संत मरियम विद्यालय में दीपों की रौनक, छात्रावास में घर जैसा माहौल

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दीपावली के पावन अवसर पर संत मरियम विद्यालय में छात्रावास के बच्चों के बीच रंगीन दीपावली उत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्रावास के बच्चों ने अपने आवास को दीपमाला और रंगोली से सजाया, जिससे पूरा परिसर रोशनी और उल्लास से जगमगा उठा।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पलामू जिला के अपर समाहर्ता कुंदन कुमार थे। उन्होंने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और दीपावली पर्व के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि "आपकी पढ़ाई और लगन ही आपको उस ऊंचाई तक ले जाएगी जहां लोग आपके स्वागत में दीप सजाएंगे।"विद्यालय प्रशासन की ओर से मुख्य अतिथि का स्वागत अंगवस्त्र व मिट्टी के बर्तन भेंट कर किया गया तथा मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दी गईं।

दीपों की रोशनी में नहाया शहर व गांव, धूमधाम से मनी दीपावली

मेदिनीनगर। दीपों का महापर्व दीपावली मंगलवार को पूरे उल्लास, उमंग और श्रद्धा के साथ मेदिनीनगर शहर और आस-पास के गांवों में धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही लोगों में उत्साह का माहौल था। घरों और आंगनों की सफाई के बाद महिलाओं ने रंगोली बनाकर दीप सजाए और शाम होते ही दीपों एवं झालरों की जगमग रोशनी ने पूरे नगर को दुल्हन सी सजा दिया। मंदिरों, बाजारों, थानों, कार्यालयों और घरों में दीयों की रौशनी और रंगीन झालरों की चमक देखते ही बन रही थी। बच्चों में आतिशबाजी का विशेष उत्साह था। हर गली-मोहल्ला और चौक-चौराहे से पटाखों की गूंज और हंसी की आवाजें सुनाई दे रही थीं। वहीं बड़े-बुजुर्ग और महिलाएं घरों में लक्ष्मी-गणेश की पूजा-अर्चना में लीन रहीं। पूजा के बाद परिवारों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपोत्सव की शुभकामनाएं दीं।शहर के प्रमुख बाजारों रेडमा चौक, छह मुहान चौक, सुदाना रोड, बाईपास रोड और पांच मुहान चौक में दीपावली की रौनक चरम पर रही। मिठाइयों, दीयों, सजावटी लाइटों, पटाखों और उपहारों की खूब बिक्री हुई। व्यापारियों के चेहरे पर संतोष झलक रहा था, क्योंकि इस वर्ष की दीपावली ने बिक्री के पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। शहर के हनुमान मंदिर, शिव मंदिर, दुर्गा मंदिर और काली मंदिर में देर रात तक भक्तों की भीड़ लगी रही। श्रद्धालुओं ने मां लक्ष्मी और भगवान गणेश से सुख, समृद्धि और शांति की कामना की।त्योहार को लेकर जिला प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क दिखा। सुरक्षा व्यवस्था के लिए शहर में पुलिस पेट्रोलिंग जारी रही, वहीं अग्निशमन दल हर समय तैयार रहा। प्रशासन की ओर से शिवाजी मैदान में अस्थायी पटाखा स्टॉल लगाए गए, ताकि लोग सुरक्षित रूप से आतिशबाजी का आनंद ले सकें।

छत्तरपुर में टेंपो-बाइक की टक्कर में एक की मौत, एक घायल

- दीपावली की रात एनएच-98 रामगढ़ मोड़ पर हुआ हादसा, टेंपो चालक फरार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। छत्तरपुर थाना क्षेत्र के रामगढ़ गांव स्थित एनएच-98 शिव मंदिर के पास सोमवार (दीपावली) की देर रात हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद टेंपो चालक मौके से फरार हो गया।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बाइक और टेंपो के बीच आमने-सामने की टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर गिर पड़े। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को तत्काल अनुमंडलीय अस्पताल छत्तरपुर पहुंचाया गया, जहां उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने एमएमसीएच रेफर कर दिया। डॉक्टरों ने वहां एक को मृत घोषित कर दिया।मृतक की पहचान गहरिया गांव निवासी राकेश कुमार यादव के रूप में हुई है। घायल का नाम सुरेंद्र यादव है, जो बरहटवा (नबीनगर, बिहार) का रहने वाला है। जानकारी के अनुसार, राकेश अपने बहनोई सुरेंद्र के साथ लंगूराहा स्थित नाना के घर गया था और वापसी के दौरान यह हादसा हुआ। परिजनों ने बताया कि राकेश एक निजी कंपनी में कार्यरत था और दीपावली मनाने घर आया हुआ था।छत्तरपुर थाना प्रभारी प्रशांत सिन्हा ने बताया कि दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई है, घायल को एमएमसीएच में इलाज के लिए भेजा गया है। टेंपो चालक फरार है, घटना की जांच चल रही है।

सभी छठ घाटों की सफाई हो, खुले में मांस बिक्री पर रोक लगे : आशीष भारद्वाज

- नगर आयुक्त को ज्ञापन सौंपकर समाजसेवी ने की छठ पर्व की पवित्रता बनाए रखने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दीपावली समाप्त होते ही छठ महापर्व की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बाजारों में छठ के साज-सामान की खरीदारी तेज है। इसी बीच युवा समाजसेवी आशीष भारद्वाज ने नगर आयुक्त जावेद हुसैन से मुलाकात कर उन्हें ज्ञापन सौंपते हुए छठ घाटों की स्वच्छता और खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की।आशीष भारद्वाज ने बताया कि छठ हमारे आस्था का सबसे पावन पर्व है। इस अवसर पर लोग विदेशों से भी अपने घर लौटकर व्रत करते हैं। ऐसे में छठ घाटों की सफाई सुनिश्चित होना और घाटों की पवित्रता बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि महिलाएं दंडवत करते हुए घाट तक जाती हैं, इसलिए वहाँ की साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए।उन्होंने नगर निगम से कोयल नदी के दोनों तट — शाहपुर घाट और गिरवर स्कूल घाट, अमानत नदी के सिंगरा घाट, सूर्य मंदिर घाट, बिस्फुटा घाट तथा चैनपुर क्षेत्र के सभी घाटों की तत्काल सफाई कराने की मांग की। साथ ही त्योहार के दौरान खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाने की अपील की ताकि उत्सव की पवित्रता बनी रहे।आशीष भारद्वाज ने यह भी कहा कि शाहपुर पुल के पास पुलिस चौकी के बगल में बने गहरे गड्ढे को तुरंत भरा जाए, क्योंकि छठ के समय वहां बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।नगर आयुक्त जावेद हुसैन ने उन्हें विश्वास दिलाया कि नगर निगम सक्रिय रूप से सभी घाटों की सफाई समेत आवश्यक कार्य शीघ्र पूर्ण करेगा ताकि श्रद्धालुओं को किसी असुविधा का सामना न करना पड़े।

पांच पीढ़ियों से चली आ रही गाय डाढ़ परंपरा संपन्न, गोवर्धन पूजा पर उमड़ा जनसैलाब

- यादव समाज की अनूठी लोक परंपरा में श्रद्धा, उत्साह और जनभागीदारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। दीपावली के दूसरे दिन गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर छत्तरपुर प्रखंड के खनवा गांव में यादव समाज के तत्वावधान में पांच पीढ़ियों से चली आ रही पारंपरिक गाय डाढ़ परंपरा पूरे विधि-विधान और उत्साह के साथ संपन्न हुई। ग्रामीणों और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ इस अनूठे आयोजन की साक्षी बनी।यादव समाज के वरिष्ठ सदस्य श्याम किशोर यादव ने बताया कि यह परंपरा आजादी से पहले से ही चली आ रही है और यह यादव समाज की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान का प्रतीक है। कार्यक्रम की शुरुआत गोवर्धन पूजा के साथ हुई, जिसमें ग्रामीणों ने गाय-गोरूओं के साथ भगवान गोवर्धन की सामूहिक पूजा की।

इसके बाद आयोजन का मुख्य आकर्षण गाय डाढ़ परंपरा रही। इस परंपरा के तहत सैकड़ों गायों के झुंड को एक जगह इकट्ठा किया जाता है। झुंड के बीच में एक सिंघईला खसी (बकरा) छोड़ा जाता है, जबकि ग्रामीण अपने-अपने बछड़ों को पकड़े रहते हैं। बछड़ों के अलग होने से चिंतित गायें स्वाभाविक रूप से आक्रामक हो जाते हैं। जिससे यह दृश्य अत्यंत दर्शनीय बन जाता है। गाय डाढ़ की यह परंपरा न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि ग्रामीण जीवन, पशुपालन और प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता का जीवंत उदाहरण भी प्रस्तुत करती है।लोक मान्यता के अनुसार, गोवर्धन पूजा के दिन किसी भी गाय को दूध नहीं निकला जाता है। कहा जाता है कि इस दिन गायों को विश्राम और आनंद देने की परंपरा वर्षों से कायम है।आयोजन को सफल बनाने में श्याम किशोर यादव, मुखराम यादव, गोपी यादव, जितेंद्र यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों और युवाओं का योगदान सराहनीय रहा।

गोल्ड मेडलिस्ट रंजन यादव को मिला सम्मान

महाविद्यालय परिवार ने प्रशस्ति-पत्र व स्मृति-चिह्न देकर बढ़ाया छात्रों का मनोबल

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। शहीद भगत सिंह इंटर कॉलेज, जपला के प्रांगण में मंगलवार को एक विशेष समारोह आयोजित कर हिंदी विषय के गोल्ड मेडलिस्ट रंजन कुमार यादव का सम्मान किया गया। समारोह में प्राचार्य प्रेमनाथ सर, डॉ. अनिल कुमार सिंह, शिक्षक मुन्ना सिंह सहित सभी शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।कार्यक्रम के दौरान रंजन कुमार यादव को महाविद्यालय परिवार की ओर से प्रशस्ति-पत्र और सम्मान प्रतीक भेंट किया गया। उनके सम्मान में सभी शिक्षकों और विद्यार्थियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से स्वागत किया।प्राचार्य ने कहा कि रंजन कुमार यादव जैसे परिश्रमी और प्रतिभाशाली विद्यार्थी न केवल महाविद्यालय, बल्कि पूरे क्षेत्र के गौरव हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे छात्रों की सफलता दूसरों को प्रेरणा देती है। डॉ. अनिल कुमार सिंह ने रंजन की सफलता को निरंतर मेहनत और अनुशासन का परिणाम बताया।

छठ पर्व पर आस्था के सागर में डूब जाता है नारायण वन

संतान सुख की कामना लेकर पांच राज्यों से पहुंचते हैं श्रद्धालु, छठ व्रत में उमड़ती है अद्भुत श्रद्धा व विश्वास

बिट्टू सिंह

1956 में यहां सूर्य व चंद्रमा की मूर्तियां स्थापित की गईं थीं, तब से होती है सूर्य भगवान की पूजा

केतार (गढ़वा)। गढ़वा जिला मुख्यालय से लगभग 60 किलोमीटर उत्तर स्थित केतार प्रखंड का नारायण वन सूर्य मंदिर न केवल झारखंड, बल्कि बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है। विशेषकर कार्तिक छठ पूजा के दौरान यहां हजारों भक्त सूर्य उपासना के लिए आते हैं। नहाय-खाय से ही श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो जाता है और छठ के दिन नारायण वन का विशाल क्षेत्र श्रद्धामयी जनसागर में परिवर्तित हो जाता है।यहां श्रद्धालु टेंट लगाकर रात्रि भर भगवान सूर्य की आराधना करते हैं। पूरा परिसर रोशनी से जगमगा उठता है, मानो स्वयं प्रकृति भक्तों की भावनाओं में सहभागी हो। मंदिर विकास समिति और प्रशासन ने श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए ट्रैफिक, पेयजल, स्वास्थ्य, पार्किंग, प्रकाश और स्नान की विशेष व्यवस्था की है।स्थानीय मान्यता के अनुसार, प्राचीन काल में यह स्थान भुतगड़वा कहलाता था। कहा जाता है कि कृष्णानंद ब्रह्मचारी को स्वप्न में जलकुंड के पास दबे हुए दो दिव्य स्वरूप दिखाई दिए। खुदाई में सूर्य देव की आकृतियों की खोज के बाद यहां पूजा आरंभ हुई।यहां की आस्था है कि निसंतान दंपति यदि सच्चे मन से छठ व्रत करते हैं तो उन्हें संतान सुख की प्राप्ति होती है। 1956 में यहां सूर्य और चंद्रमा की मूर्तियां स्थापित की गईं, जो अब भव्य रथनुमा मंदिर का रूप ले चुकी हैं।नारायण वन की वादियां, हरियाली और शांत वातावरण श्रद्धालुओं को आकर्षित करते हैं। कार्तिक छठ के समय यहां 40 से 50 हजार श्रद्धालु एकत्र होते हैं और तीन दिवसीय मेला इस भव्य आयोजन की शोभा बढ़ाता है। मंदिर विकास समिति के अध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने बताया कि इस बार भी श्रद्धालुओं के स्वागत की तैयारी पूरी तत्परता से की जा रही है।

मिट्टी के घर में लगी आग, लाखों का हुआ नुकसान

श्री बंशीधर नगर। थाना क्षेत्र के कोइन्दी गांव निवासी बलराम भुइयां के मिट्टी के मकान में सोमवार रात करीब आठ बजे आग लग गई, जिसमें लाखों रुपये की संपत्ति जलकर खाक हो गई। इस घटना ने पूरे गांव की दिवाली की खुशियां मातम में बदल दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दिवाली का पर्व मनाने में पूरा परिवार व्यस्त था। घर में दीये और पटाखों की रौशनी के बीच कोई यह कल्पना भी नहीं कर सकता था कि अगले ही पल सब कुछ तबाह हो जाएगा। अचानक घर में आग लग गई और तेज लपटों ने देखते ही देखते पूरे मकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ ही मिनटों में घर में रखे कपड़े, अनाज, बर्तन, फर्नीचर और जरूरी कागजात सब कुछ जलकर राख हो गए। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग को अलर्ट किया गया। फायर ब्रिगेड की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और ग्रामीणों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। हालांकि तब तक पूरा घर जल चुका था। पीड़ित बलराम भुइयां ने बताया कि इस हादसे में उन्हें लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से आर्थिक सहायता की मांग की है, ताकि वे अपने परिवार के साथ जीवन को दोबारा पटरी पर ला सकें। स्थानीय प्रशासन ने घटना की जानकारी मिलते ही राहत और मदद का आश्वासन दिया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल सका है। ग्रामीणों का कहना है कि मिट्टी के मकान में इस तरह आग लगना रहस्य का विषय है। दिवाली की रात घटी इस हृदयविदारक घटना ने पूरे कोइन्दी गांव को गमगीन कर दिया है।

लक्ष्मी पूजा पर किया गया महाप्रसाद का वितरण

भवनाथपुर। युवा क्लब (खरौंधी मोड) लक्ष्मी पूजा का कार्यक्रम बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। माता लक्ष्मी के पट खुलने के साथ महाप्रसाद का वितरण का शुभारंभ वरुण बिहारी यादव सुरेश गुप्ता और सोनू गुप्ता के हाथों किया गया। इस पूजा कमेटी के अध्यक्ष रवि कुमार सचिन, रमाकांत कुमार, कोषाध्यक्ष रंजीत कुमार, संचालक सिद्धार्थ गुप्ता, सदस्य गोलू गुप्ता, सदस्य ओम कुमार, सदस्य श्रीकांत कुमार, सदस्य पीयूष कुमार गुप्ता और सदस्य कमलेश कुमार है। काफी संख्या में श्रद्धालु माता लक्ष्मी के दर्शन किए और महा प्रसाद ग्रहण किया।

विधायक ने किया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन

कांडी। विश्रामपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने सोमवार को दीपावली के अवसर पर कांडी प्रखंड अंतर्गत खुठेरिया पंचायत के भरतपहाड़ी गांव में लगे नए ट्रांसफार्मर का पूजा अर्चना और फीता काटकर उद्घाटन किया। खुठेरीया पंचायत के भरतपहाड़ी गांव के अहीर टोली में 40 घर और सन्नी गांव में 7 घर बिजली विहीन थे। विधायक ने ट्रांसफार्मर का मेन स्विच ऑन कर बिजली देने का कार्य पूर्ण किया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए विधायक नरेश प्रसाद सिंह ने कहा कि विश्रामपुर विधान सभा क्षेत्र के जिस भी गांव या टोला में विद्युतीकरण नहीं हुआ है और जहां बोर, कुवा, नदी, नाहर की सुविधा हो वहां तार, पोल लगाकर के जल्द ही बिजली मुहैया कराया जाएगा। कांडी प्रखंड में बचे शेष अन्य पंचायत में जल्द से जल्द विद्युत का कार्य पूर्ण करने का निर्देश संवेदक को दिया। मौके पर खुटहेरिया पंचायत की मुखिया अनीता देवी, उप मुखिया सह विधायक प्रतिनिधि आतिश सिंह, शिवपुर मुखिया अरुण राम, लमारी पंचायत मुखिया प्रतिनिधि रिंकू सिंह, राकेश कुमार सिंह, शंभू नाथ सिंह, पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि,पप्पू मेहरा, नंदू यादव, पिंटू यादव सत्येंद्र यादव उपेंद्र यादव संतोष कुमार, संतोष कुमार राम, सहित सैकड़ों की संख्या में लोगों उपस्थित थे।

छठ घाट पर तैयारियां अंतिम चरण में

कांडी। प्रखंड मुख्यालय स्थित पोखरा के बीचों-बीच भगवान भाष्कर का एक विशाल मंदिर है। छठ महापर्व के लिए यह काफी उपयुक्त स्थल है, यहां गढ़वा, पलामू के अलावे झारखंड के विभिन्न जिलों से छठ व्रती काफी संख्या में पहुंचते है। छठ पूजा समिति के अध्यक्ष कृष्णा बारी ने बताया कि इस वर्ष पोखरा इस्थित छठ घाट पर और भी अच्छी व्यवस्था की गई है। यहां 15 दिनों से समिति द्वारा लगातार स्वच्छता अभियान चलाकर साफ सफाई कराई जा रही है। सारी तैयारियां अब अंतिम चरण में है। उन्होंने छठ व्रतियों से मीडिया के माध्यम से आग्रह करते हुए कहा कि यहां के पवित्र धरती पर स्वच्छ वातावरण में छठी मइया की उपासना हेतु अवश्य पधारे समिति के सभी पदाधिकारी आपकी सेवा में तत्परता के साथ खड़े है और आपके आगमन पर समिति आपका स्वागत करेगी। साथ ही उन्होंने बताया कि छठ महापर्व को लेकर सुप्रसिद्ध कथावाचक पंडित कुंज बिहारी शुक्ल भी पधारेंगे। जिनके द्वारा श्रद्धालुओं को प्रवाचन श्रवण करने का भी अवसर प्रदान होगा। प्रवचन कार्यक्रम 24 अक्टूबर से 28 अक्टूबर तक चलेगा। यह कार्यक्रम प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगा। मौके पर छठ पूजा समिति रविरंजन कुमार उर्फ टिंकू, सचिव पंकज कुमार, उपसचिव अनूप राम, कोषाध्यक्ष गोरख, उपकोषाध्यक्ष जयप्रकाश सोनी व बाबूलाल प्रसाद, प्रदीप प्रसाद, उदय राम, विजय राम, छोटू कुमार, गोल्डेन कुमार, ओमप्रकाश, भोला प्रसाद, प्रमोद प्रसाद, दिव्य प्रकाश, विकास चौरसिया, सुनील मेहता, शशि कुमार, सत्येंद्र सोनी, सुनील प्रसाद, साकेत सोनी सहित अन्य सदस्य भी उपस्थित थे।

समाजसेवी ने झांकी कार्यक्रम का किया उद्घाटन

केतार (गढ़वा)। लक्ष्मी पूजा के पावन अवसर पर पाचाडुमर गांव में एक भव्य झांकी कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समाजसेवी पंकज सिंह ने फिता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस आयोजन के दौरान गांव में विशेष उत्साह और उल्लास का माहौल देखा गया। कार्यक्रम के उद्घाटन के बाद समाजसेवी पंकज सिंह ने अपने संबोधन में कहा, कि लक्ष्मी पूजा केवल एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन में समृद्धि, खुशहाली और सकारात्मकता लाने का समय है। इस अवसर पर हमें अपने आस-पास के लोगों के साथ मिलकर प्रेम और भाईचारे की भावना को मजबूत करना चाहिए। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों ने राधा- कृष्ण और विभिन्न सांस्कृतिक झांकियां प्रस्तुत की, जो दर्शकों द्वारा खूब सराही गईं। इन झांकियों ने धार्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि को जीवित किया, और दर्शकों का मन मोह लिया।गांव के गणमान्य व्यक्तियों और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया और लक्ष्मी पूजा के अवसर को धूमधाम से मनाया। इस भव्य आयोजन के माध्यम से गांव में सामाजिक एकता और धार्मिक सौहार्द को बढ़ावा दिया गया, जिससे पूरे गांव में खुशियों और भाईचारे का माहौल बना।

डंडई के करके गांव में कुएं से मिला नवविवाहित महिला का शव

- **मृतिका के पिता बोले, शादी के बाद से ही दहेज के लिए किया जा रहा था प्रताड़ित**

नवीन मेल संवाददाता

न्याय के लिए डंडई थाने में आवेदन देने जाते मृतिका के परिजन

डंडई। थाना क्षेत्र के करके गांव में मंगलवार को एक नव विवाहित महिला का शव कुएं से बरामद किया गया है । शव की पहचान उसी गांव निवासी अजय राम, पिता स्वर्गीय विनोद राम की पत्नी कविता कुमारी के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया है और मामले की जांच कर रही है। मामले में मृतिका के पिता उमेश राम ने बेटी के ससुराल वालों पर दहेज को लेकर हत्या करने का आरोप लगाया है। पिता का कहना है कि बेटी कविता कुमारी का शादी मई 2024 में हिंदू रीति रिवाज के साथ धूमधाम से खुशी राजी से अजय राम पिता विनोद राम के साथ किया था। परंतु शादी के बाद से ही दहेज के लिए परिवार के सभी सदस्यों के द्वारा प्रताड़ित किया जाने लगा। दहेज का डिमांड पूरा नहीं करने पर मेरी बेटी कविता कुमारी को अजय राम,सतीश राम,दशमी देवी तथा रीना देवी के द्वारा मेरी बेटी का हत्या कर दिया गया। साक्ष्य छुपाने के उद्देश्य से शव को अपने ही घर के पास के एक कुएं में फेक दिया गया। हम लोगों को मनगढ़ंत बात उन लोगों के द्वारा बोला गया कि आपकी बेटी गुम हो गई है। पीड़ित पिता ने कहा कि मेरी बेटी की ससुराल वालों ने हत्या कर दिया है। अपनी बेटी की न्याय के लिए थाने में लिखित आवेदन दिया हूं। साथ ही उक्त सभी हत्या में संलिप्त लोगों पर उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग किया है । मामले में थाना प्रभारी अनिमेष शांतिकारी ने कहा कि थाना क्षेत्र के करके गांव से एक महिला का शव बरामद हुई है। शव को देखने से प्रतीत हो रहा है कि घटा दो-तीन दिन पूर्व की है। मृतिका की बॉडी सड़ा हुआ था। मृतिका के पिता ने उसके ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है जिसका आवेदन प्राप्त हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है, फिलहाल बॉडी को पोस्टमार्टम के लिए गढ़वा भेज दिया है।

पुलिस संस्मरण दिवस पर गढ़वा में शहीदों को नमन

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। पुलिस संस्मरण दिवस के अवसर पर मंगलवार को पुलिस केंद्र गढ़वा स्थित शहीद स्थल पर समारोहपूर्वक परेड का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम उन वीर पुलिसकर्मियों की स्मृति को समर्पित था, जिन्होंने अपने कर्तव्य निर्वहन के दौरान सर्वोच्च बलिदान दिया।कार्यक्रम की शुरुआत अभिभाषण एवं सभी शहीद पुलिसकर्मियों के नामों के वाचन से हुई। इसके बाद जवानों ने शहीदों के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर प्रस्तुत किया तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। पुलिस अधीक्षक गढ़वा ने इस अवसर पर सभी अधिकारियों और जवानों के साथ मिलकर शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित की। एसपी ने कार्यक्रम में उपस्थित शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया और उनकी समस्याओं को संवेदनशीलता पूर्वक सुना। इस दौरान उन्होंने भरोसा दिलाया कि गढ़वा पुलिस सदैव शहीद परिवारों के साथ खड़ी है तथा हरसंभव सहायता प्रदान करेगी।समारोह के अंत में पुलिस अधीक्षक ने शहीद परिवारों के साथ सामूहिक फोटोग्राफी कर यह संदेश दिया कि पुलिस सिर्फ एक संगठन नहीं, बल्कि एक परिवार है जिसमें सबकी सहभागिता समान रूप से महत्वपूर्ण है।

लक्ष्मी पूजा पर सगमा में भव्य देवी जागरण, श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़

नवीन मेल संवाददाता

सगमा। प्रखंड मुख्यालय स्थित शिशु मंदिर परिसर में श्री राधे-राधे पूजा समिति संघ के तत्वावधान में लक्ष्मी पूजा के पावन अवसर पर भव्य देवी जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि झामुमो नेता व भोजपुर गढ़ प्रमुख दीपक प्रताप देव, सांसद प्रतिनिधि राजेंद्र यादव, समाजसेवी योगेंद्र यादव, उप प्रमुख अर्जुन पासवान, मुखिया तेजलाल राम,उपमुखिया मंगलेश यादव तथा झामुमो पंचायत अध्यक्ष राजेश कुमार यादव ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। अतिथियों का स्वागत समिति के सदस्यों द्वारा माला पहनाकर और गुलदस्ता भेंट कर किया गया। झामुमो नेता दीपक प्रताप देव ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से समाज में भाईचारा और सांस्कृतिक चेतना बढ़ती है। यह कार्यक्रम न केवल श्रद्धा का प्रतीक है, बल्कि हमारी परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का भी माध्यम है। उन्होंने समिति के प्रयासों की सराहना की और कहा कि युवा पीढ़ी को भी ऐसे आयोजनों में भाग लेकर संस्कृति से जुड़ना चाहिए। इस अवसर पर क्षेत्र के लोकप्रिय भोजपुरी गायक धनंजय लाल यादव ने अपने सुमधुर भक्ति गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उनके गीत "का भाव बा तोहार चुनरी के हो" पर श्रद्धालु झूम उठे। रातभर देवी भक्ति के गीतों की गूंज से वातावरण भक्तिमय बना रहा और श्रद्धालु माता रानी की आराधना में लीन दिखाई दिए। कार्यक्रम में पूर्व मुखिया नारायणदास यादव, विनय यादव, रमेश यादव, अजय यादव, जयगोपाल यादव, कटहर पंचायत समिति सदस्य प्रतिनिधि पवन कुमार समेत कई सामाजिक कार्यकर्ता भी मौजूद रहे। पूजा समिति के पदाधिकारी, जिनमें अध्यक्ष विपुल यादव,अंजीत यादव सत्यप्रकाश यादव,अमित कुमार, जयंत कुमार यादव,राकेश कुमार यादव,फुलेन्द्र यादव,चितरंजन यादव, प्रीतम यादव,चंद्रकांत कुमार यादव शशि प्रकाश यादव सहित समिति के सभी सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।

उपायुक्त दिनेश यादव ने सुनी आम लोगों की समस्याएं

जनसुनवाई में भूमि विवाद, आवास, पेंशन, मुआवजा व रोजगार से जुड़े कई मामले आए सामने

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। उपायुक्त दिनेश यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे फरियादियों ने राशन, पेंशन, भूमि विवाद, आवास, मुआवजा, अतिक्रमण, रोजगार सृजन, बकाया मजदूरी और योजनाओं के लाभ से संबंधित अपनी शिकायतें उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सभी शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए मौके पर ही संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।कांडी प्रखंड के सरकोनी निवासी राजेंद्र राम ने आवेदन देकर अपने ही गांव के कुछ दबंग व्यक्तियों पर उनकी खेती योग्य भूमि पर जबरन कब्जा और फसल नष्ट करने का आरोप लगाया। उन्होंने भूमि से संबंधित सभी कागजात प्रस्तुत किए। उपायुक्त ने अंचल अधिकारी कांडी को जांच कर कार्रवाई का निर्देश दिया।भवनाथपुर प्रखंड की अधौरा निवासी लीलावती देवी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण के लिए स्वीकृत पंचायत बदलने का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि पूर्व स्वीकृत पंचायत की भूमि विवादित है, इसलिए उन्होंने अन्य पंचायत में भूमि खरीदी है। उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी भवनाथपुर को कार्रवाई करने को कहा।सदर प्रखंड के तिलदाग निवासी वीरेंद्र साव ने शिकायत की कि उनके भाइयों ने हिस्से की जमीन उनकी जानकारी के बिना बेच दी और खरीदार उन्हें उनकी भूमि से बेदखल कर रहा है। उपायुक्त ने एलआरडीसी को जांच कर उचित कदम उठाने का आदेश दिया।सदर प्रखंड के ही संघत मोहल्ला निवासी लखन प्रसाद कश्यप ने 20 वर्ष पूर्व खरीदी गई भूमि पर दबंग तत्वों द्वारा निर्माण कार्य में बाधा डालने की शिकायत की। उपायुक्त ने अंचल अधिकारी गढ़वा को जांच कर कार्रवाई करने का निर्देश दिया।कल्याणपुर के विश्वकर्मा टोली के ग्रामीणों ने बताया कि गांव में बिजली के तार जर्जर हो चुके हैं, जिससे मवेशी करंट की चपेट में आ रहे हैं। ग्रामीणों ने नए तार लगाने की मांग की। मेराल प्रखंड के हासनदाग निवासी भिखारी चौधरी ने बताया कि वज्रपात से बहू की मृत्यु के बाद परिवार आर्थिक संकट से जूझ रहा है। उन्होंने राशन कार्ड, इंदिरा आवास, गैस चूल्हा और बोरिंग सुविधा की मांग की।कार्यक्रम में उपायुक्त ने कहा कि आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए जिले और प्रखंड स्तर पर प्रत्येक सप्ताह मंगलवार और शुक्रवार को जनसुनवाई आयोजित की जाती है। लोग अपनी समस्याएं सीधे अधिकारियों के समक्ष रखकर समाधान प्राप्त करें।

खरौंधी प्रखंड क्षेत्र दीपोत्सव की रोशनी में नहाया

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। (गढ़वा) खरौंधी प्रखंड मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में सोमवार को दीपावली का पर्व हर्षोल्लास और धार्मिक आस्था के साथ मनाया गया। सुबह से ही लोगों में उत्साह का माहौल देखा गया। घरों, गलियों और बाजारों में सजावट की गई और शाम होते ही पूरा क्षेत्र रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। लोगों ने पारंपरिक तरीके से माता लक्ष्मी और भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर समृद्धि की कामना की। कई जगहों पर श्रद्धालुओं द्वारा माता लक्ष्मी की भव्य मूर्ति स्थापित कर विधिवत पूजा-अर्चना की गई, जहां बड़ी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही। बच्चों ने आतिशबाजी और पटाखों से वातावरण को आनंदमय बना दिया, वहीं महिलाओं और युवतियों ने रंगोली बनाकर घरों की शोभा बढ़ाई। मोबाइल, सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से शुभकामनाएं दी गईं।शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी रवि कुमार केशरी के नेतृत्व में पुलिस बल तैनात रहा, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय घटना न हो। श्रद्धालुओं ने देवी मंदिरों में दीप प्रज्वलित कर सुख-समृद्धि की प्रार्थना की।प्रखंड के मझिगावां, राजी, सुंडी, खरौंधी, करिवाडीह, चंदनी, सिसरी, अरंगी और कूपा पंचायतों में दीपोत्सव का उल्लास देखने लायक रहा।

खजुरी में सांस्कृतिक कार्यक्रम से जगमगाई दिवाली

भगवान श्रीकृष्ण, राम-सीता व हनुमान की लीलाओं ने मोहा दर्शकों का मन

नवीन मेल संवाददाता

मझिआंव। नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत वार्ड संख्या 12 ग्राम खजुरी में प्रकाश पर्व दिवाली के शुभ अवसर पर भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पंचायत की निवर्तमान अध्यक्ष सुमित्रा देवी ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की शुरुआत में प्रयागराज से आए धर्मप्रेमी कलाकारों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं, सुदामा चरित्र, राम-सीता विवाह और कृष्ण लीला पर आधारित एक से बढ़कर एक झांकियां प्रस्तुत की। मनमोहक अभिनय और भावपूर्ण संगीत के माध्यम से मंच सजीव हो उठा। वहीं मंच पर हनुमान जी के विशाल रूप में प्रस्तुत कलाकार ने जब अपना पराक्रम दिखाया तो पूरा पंडाल जय श्रीराम के जयघोष से गूंज उठा। दर्शक झूम उठे और तालियों की गड़गड़ाहट से पूरा माहौल भक्तिमय हो गया। कार्यक्रम की एक खास झलक उस समय देखने को मिली जब गोपियों की भूमिका निभा रही बालिकाओं ने मंच पर सुंदर नृत्य प्रस्तुत किया और निवर्तमान अध्यक्ष सुमित्रा देवी को प्रतीक स्वरूप चूड़ियां पहनाकर सम्मानित किया। इसी क्रम में भगवान शंकर की भूमिका निभाने वाले कलाकार ने भभूत से लिपटे हुए अग्नि के बीच नृत्य किया और डमरू की थाप पर हर हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान मंच संचालक ने बताया कि इस तरह के आयोजन से भारतीय संस्कृति और परंपरा को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का उद्देश्य है। दर्शकों ने कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक आयोजन से गांव में भक्ति, आनंद और एकता का माहौल बनता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्थानीय ग्रामीणों के साथ-साथ नगर पंचायत के कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। अंत में आयोजकों ने सभी कलाकारों और अतिथियों का आभार व्यक्त करते हुए दिवाली की शुभकामनाएं दीं। संस्कृति कार्यक्रम के दौरान भारत कुशवाहा, अशोक शाह, प्रमोद पाल समेत बुद्धिजीवी और हजारों दर्शक उपस्थित थे।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड सरकार
कार्यालय, जिला कृषि पदाधिकारी, पलामू

सूचना

पलामू जिला अंतर्गत कार्यरत सभी FPOs को सूचित किया जाता है कि कृषि निदेशालय, झारखण्ड, रॉंची के द्वारा योग्य किसान उत्पादक संगठन (FPOs) से Grant to FPOs Scheme का लाभ / अनुदान प्राप्त करने हेतु ऑनलाईन आवेदन की मांग की गई है।

आवेदन हेतु पात्रता निम्नवत है :–

- ✓ FPO must be registered under the Companies (Amendment) Act, 2020 (Chapter XXIA) or the Jharkhand Co-operative Societies Act.
- ✓ Minimum 100 shareholder farmers with equity shareholding of Rs. 2.00 lakh.
- ✓ Minimum turnover of Rs. 10.00 lakhs in the last three financial years (not less than Rs. 3.00 lakhs in any year).
- ✓ Audited balance sheets, PAN/TAN/GST, and ITR fillings for the last three years.
- ✓ At least five office bearers and an active current bank account.
- ✓ FPO must be willing to enter into an MoU with the Government of Jharkhand.

योग्य FPOs राज्य सरकार के FPO Scheme Portal – *https://jhfpo.jharkhand.gov.in/Registration* पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

PR 364594 Agriculture (25-26)_D — जिला कृषि पदाधिकारी, पलामू

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना
(नोटिस)

नाम– (1) मिथलेश कुमार सिंह उर्फ बबलु सिंह, पिता–शिवलाल सिंह, सा0–चिनियॉं, टोला–पुनवाडीह, थाना–चिनियॉं, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड आपको सूचित किया जाता है कि आप रंका थाना कांड सं0–95 / 2025 दिनांक–22.07.2025 धारा–64, 89, 352, 351(2), 351(3), 115(2), बी0एन0एस0 के प्राथमिकी अभियुक्त हैं। आप उक्त काण्ड में अबतक फिरार चल रहे है। आपके विरुद्ध दिनांक–09.10.2025 को माननीय न्यायालय, श्रीमती अनुलिका कुमार, प्रथम श्रेणी, न्यायिक दण्डाधिकारी, गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के द्वारा इश्तिहार निर्गत किया गया है। दिनांक–12.10.2025 को आपके घर पर उक्त इश्तिहार का विधिवत तामिला किया गया है। परन्तु आप अपने घर से फिरार है। उक्त इश्तिहार में आपको दिनांक–17.11.2025 तक माननीय न्यायालय, श्रीमती अनुलिका कुमार, प्रथम श्रेणी, न्यायिक दण्डाधिकारी, गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया है। अतः आपको सूचित किया जाता है कि आप दिनांक– 17.11.2025 तक माननीय न्यायालय श्रीमती अनुलिका कुमार, प्रथम श्रेणी, न्यायिक दण्डाधिकारी, गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पण करना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 364601 Police(25-26).D

उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने किया लातेहार के छठ घाटों का निरीक्षण, बोले-

छठ महापर्व जनआस्था का प्रतीक, श्रद्धा के साथ संपन्न कराना प्रशासन की प्राथमिकता

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। नगर क्षेत्र के चटनाही, डुरुआ छठ घाट का उपयुक्त ओर एसपी ने निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में घाटों पर चल रहे सफाई कार्य, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सुरक्षा प्रबंध तथा यातायात व्यवस्था का अवलोकन किया गया। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि सभी घाटों की साफ-सफाई, चेंजिंग रूम निर्माण, बेरिकेडिंग, डेंजर जोन की पहचान, विद्युत व्यवस्था और पहुंच पथ की मरम्मती समय पर पूरी की जाए। संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि छठ व्रतियों एवं श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी तैयारियां समय पर पूर्ण कर ली जाए। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को घाटों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, अस्थायी नियंत्रण कक्ष स्थापित करने और आपदा-प्रबंधन टीम को मुस्तैद रखने का निर्देश दिया। पुलिस अधीक्षक ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती तथा यातायात प्रबंधन को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उपायुक्त ने कहा कि छठ महापर्व जनआस्था का प्रतीक है, इसे शांति एवं श्रद्धा के साथ संपन्न कराना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सभी घाटों पर सुरक्षा की दृष्टि से विशेष गश्ती दल एवं निगरानी टीम तैनात रहेगी। इस मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, नगर प्रशासक, नगर पंचायत लातेहार राजीव रंजन, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, अंचल अधिकारी लातेहार, थाना प्रभारी, संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

शहीद स्मारक व सुभाष पार्क में शहीदों के नाम एक दिया जलाया गया

नवीन मेल संवाददाता

सिमरिया (चतरा)। सिमरिया प्रेस क्लब द्वारा सिमरिया चौक स्थित सुभाष पार्क में और भूतपूर्व सैनिकों द्वारा डाडी चौक स्थित शहीद राजेश शाह के स्मारक पर दीपावली की रात एक दीप शहीदों के नाम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कश्मीर में शहीद राजेश शाह के पिता शिवनारायण साहु, बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद, थाना प्रभारी सूर्य प्रताप सिंह, जिप सदस्य देवनंदन साहु, पूर्व जिप सदस्य जयप्रकाश सिंह, पूर्व सैनिक मोहन कुमार, मोहम्मद फारूक, सलीम अख्तर, रमन साहू, मो. अख्तर सहित काफी संख्या में प्रबुद्ध नागरिक, जनप्रतिनिधि, पुलिस पदाधिकारी और आस-पास की महिलाएं शामिल होकर एक दीप शहीद सैनिक की याद में जलाये। वहीं सिमरिया प्रखंड मुख्यालय स्थित सुभाष पार्क में कार्यक्रम संपन्न होने के बाद भी देर रात तक लोग दीप दान करने के लिए आते रहे। सिमरिया सुभाष पार्क की स्थापना इस वर्ष एसडीओ सनी राज, एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल, बीडीओ चंद्रदेव प्रसाद और सीओ गौरव कुमार राय के प्रयास से पूर्ण हुआ है। पार्क बनने के बाद उसमें सुभाष चंद्र बोस की भव्य प्रतिमा स्थापित की गई है। यह प्रतिमा सिमरिया चौक की शान है।

23 को मनाया जायगा शहीद चिंतामणि यादव का शहादत दिवस

चतरा। जिले के हंटरगंज प्रखंड के प्रसिद्ध समाजसेवी शहीद चिंतामणि यादव की 22वीं पुण्यतिथि 23 अक्टूबर को ऐतिहासिक रूप से मनाई जाएगी। जिसकी तैयारी पूरे जोर-शोर सेकी जा रही है। कार्यक्रम का आयोजन शहीद चिंतामणि यादव के पैतृक गांव स्थित सेलवार प्राथमिक विद्यालय में किया जाएगा। जिसकी तैयारी स्वर्गीय चिंतामणि यादव शोक सभा आयोजन समिति के द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम में बिहार-झारखंड के कई बड़े राजनीतिक दलों के नेता और प्रशासनिक विभाग के पदाधिकारी शामिल होंगे। कार्यक्रम आयोजन में मुख्य भूमिका जीतू यादव और तिलहेत मुखिया प्रतिनिधि रामजी यादव उर्फ रामबाबू निभा रहे हैं। रामबाबू ने बताया कि इस बार का आयोजन विशेष होगा, उन्होंने बताया कि पिछले 21 वर्षों से स्वर्गीय चिंतामणि यादव का शहादत दिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कार्यक्रम को ऐतिहासिक बनाने में स्वर्गीय चिंतामणि यादव शोकसभा आयोजन समिति के सदस्य शामिल हैं।

जोगियाडीह में सोहराय जतरा आज

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित बिरसा खेल मैदान जोगियाडीह मैदान में पारंपरिक सोहराय जतरा का आयोजन आज है। यह आयोजन स्थानीय ग्रामीणों की सहभागिता से होती रही है ।कार्यक्रम की शुरुआत आज दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे तक होगी, जिसमें स्थानीय भोगता-उरांव समुदाय के पारंपरिक गीत, संगीत और नृत्य की मनमोहक प्रस्तुतियां दी जाएगी। वहीं, रात्रि 10 बजे से प्रातः 5 बजे तक झारखंडी ठेठ भाषा में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है, जिसमें लोक कलाकार अपनी कला से दर्शकों को झारखंडी संस्कृति की झलक दिखाएंगे। सोहराय जतरा समिति, जोगियाडीह के अध्यक्ष प्रेम गंझु ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि वे सपरिवार उपस्थित होकर इस पारंपरिक आयोजन की सफलता में भागीदार बनें। उन्होंने कहा कि आपका आगमन ही हमारी सफलता का मूल कारण बनेगा।कार्यक्रम को लेकर पूरे गांव में उत्साह का माहौल है। जिसकी तैयारी समिति द्वारा पूरी की जा चुकी है। अध्यक्ष प्रेम गंझू ने कहा की यह आयोजन न केवल मनोरंजन का माध्यम होगा बल्कि झारखंड की लोकसंस्कृति को सहेजने का एक महत्वपूर्ण प्रयास भी साबित होगा। कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोग पहुंच कर कार्यक्रम का लुफ्त उठाएं।

महुआडांड़ में धूमधाम से मनाया गया दिवाली

महुआडांड़। प्रखंड में इस वर्ष दिवाली का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास, श्रद्धा और पारंपरिक रीति-रिवाज़ों के साथ मनाया गया। ग्रामीणों ने इस पावन अवसर को सामाजिक एकता और धार्मिक आस्था के प्रतीक के रूप में मनाया। सुबह से ही गांव में दिवाली की तैयारियां चरम पर थीं। घर-घर में लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियों की स्थापना की गई और सायंकाल विशेष पूजा-अर्चना की गई। मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पुजारियों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ सामूहिक पूजा का आयोजन किया गया गांव के हर कोने को दीयों, झालरों और रंगोली से सजाया गया था। महिलाओं और बच्चियों ने रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाई और घरों को साफ़-सुथरा कर सजाया। ग्रामीणों ने पारंपरिक वस्त्र पहनकर एक-दूसरे को बधाइयां दीं और मिठाइयों का आदान-प्रदान किया पटाखों की गूंज और रौशनी से पूरा इलाका जगमगा उठा। युवाओं ने भी आतिशबाजी का आनंद उठाया और समूहों में इकट्ठा होकर पारंपरिक गीत गाए। कई स्थानों पर छोटे स्तर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया, जिसमें लोकगीत, नृत्य और भजन संध्या शामिल रही। ग्रामीणों ने मिलकर आयोजन में भाग लिया और यह सुनिश्चित किया कि परंपरा और संस्कृति दोनों को जीवित रखा जाए। त्योहार को शांतिपूर्ण और सुरक्षित ढंग से मनाने के लिए स्थानीय प्रशासन और पुलिस बल मुस्तैद रहा।

तेतरियाखांड कोलियरी में कोयला लदा ट्रक पलटा,हताहत की कोई बात नहीं

बालूमाथ। थाना क्षेत्र अंतर्गत सीसीएल राजहरा परियोजना के तेतरियाखाड कोलियरी परिसर में मंगलवार को एक कोयला लदा ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में चालक बाल-बाल बच गया।मिली जानकारी के अनुसार ट्रक कोलियरी से कोयला ले कर बाहर निकल रहा था, इसी दौरान अचानक वाहन का ब्रेक फेल हो गया। चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया, जिससे ट्रक अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हालांकि हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। घटना की सूचना मिलते ही कोलियरी प्रबंधन और पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेकर आवश्यक दिशा निर्देश दिया।

हाइवा के धक्के से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल

बालूमाथ। पुलिस अनुमंडल क्षेत्र में कोयला वाहनों का अनियंत्रित परिचालन थमने का नाम नहीं ले रहा है।सोमवार को एक तेज रफ्तार हाईवे ने रांची चतरा मुख्य मार्ग नंबर 22 पर बरनी ग्राम के पास एक बाइक सवार को अपने चपेट में ले लिया। बताया जाता है कि व्यक्ति बालूमाथ बाजार से बाइक द्वारा घर फूलसू जा रहा था, उसी दौरान एक तेज रफ्तार हाईवा ने बाइक में सवार दो युवक मोहम्मद जाहिद एवं मोहम्मद मनौव्वर को धक्का मार घायल कर दिया। जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज के बाद डॉक्टर ने रिम्स रेफर कर दिया ।दोनों युवक का सिर फूट गया है एवं हाथ टूट गई है। सहित शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटे आई हैं।

लक्ष्मी पूजा पर सांसकृतिक कार्यक्रम का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

कान्हाचट्टी (चतरा)। कान्हाचट्टी प्रखंड के तुलबुल पंचायत के जसपुर, कंदरी व सरैया गांव में लक्ष्मी पूजा के अवसर पर रंगा रंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन समाजसेवी सह मुखिया प्रतिनिधि कंचन देवी, शिक्षक नरेश कुमार पासवान और सुभाष चंद्र पासवान ने संयुक्त रूप से विधिवत फीता काट कर किया। ज्ञात हो कि शिक्षक द्वारा हर वर्ष ऐसे ऐतिहासिक कार्यक्रम अपने पंचायत में करवाने और गरीब व बेसहारा परिवार के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का अवश्वासन दिया था। उसी के अनुरुप वैसे बच्चों को निःशुल्क शिक्षा देने का कार्य भी किया और आज इनके द्वारा निःशुल्क शिक्षा पा कर कई युवा देश और राज्य में सरकारी पद पर नियुक्त हो देश की सेवा में लगे हुए हैं। मौके पर राजेंद्र यादव, नकुल यादव, गंगो शर्मा, गोविन्द यादव, संतोष यादव, सिकंदर सिंह खेरवार, ओमप्रकाश शर्मा, रामसेवक सिंह, अजीत यादव, पवन कुमार, आशीष कुमार, प्यारे पासवान, केदार पासवान, सुधीर पासवान, लालधारी ठाकुर, सुषमा देवी, धनेश्वर यादव, अशोक यादव, महावीर मंडल, विजय सिंह, सतेंद्र यादव, परमेश्वर शर्मा, अनिल कुमार यादव व पंचायत के तमाम महिलाएं तथा ग्रामीण जनता उपस्थित थे।

विधि-विधान पूर्वक हुई मां काली व माता लक्ष्मी की हुई पूजा

नवीन मेल संवाददाता

चतरा/पत्थलगडा। सोमवार को निशा काल मध्य रात्रि में मां काली की पूजा अर्चना विधि विधान पूर्वक जिला मुख्याल के अलावे पत्थलगडा सहित विभिन्न प्रखंडों के कई पूजा पंडालों व स्थायी काली मंदिरों में की गई। वहीं विभिन्न पूजा पंड़ालों व घरों में माता लक्ष्मी व भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। जिला मुख्यालय में काली मंदिर, जोरी काली मंदिर, पत्थलगडा के चोथा काली मंदिर के अलावे इटखोरी व पत्थलगडा प्रखंड मुख्यालय में क्लबों द्वारा भी पंडाल का निर्माण कर माता की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की गई। पत्थलगडा प्रखंड मुख्यालय स्थित गांधी चौक में शांति क्लब पत्थलगडा द्वारा पंडाल का निर्माण कर माता काली की प्रतिमा स्थापित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। दुसरी ओर दीपावली व काली पूजा पर हंटरगंज प्रखंड के पहाडी पर अवस्थित मां कुलेश्वरी मंदिर, इटखोरी के मां भद्रकाली मंदिर व पत्थलगडा के लेंबोइया पहाड़ी पर अवस्थित देवी स्थान में भी भक्तों द्वारा विशेष पूजा अर्चना की गई। इटखोरी के भदुली में माता भद्रकाली की पूजा महालक्ष्मी के रुप की गई। वहीं पत्थलगड़ा प्रखंड के बेलहर गांव में लक्ष्मी पूजा समिति द्वारा भव्य पंडाल का निर्माण कर माता लक्ष्मी व भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित कर पूरे भक्ति भाव से पूजा अर्चना में जुटे रहे। बेलहर में पूजा के दूसरे दिन संध्या में स्थानीय बच्चों के द्वारा डांडिया नृत्य व सांकृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस व आयोजन को सफल बनाने में पूजा समिति के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

लातेहार में पुलिस स्मृति दिवस पर शहीदों को नमन

एसपी कुमार गौरव ने शहीद स्मारक पर अर्पित की पुष्पांजलि

- **वीर जवानों के परिजनों को किया सम्मानित, नक्सलियों को आत्मसमर्पण की दी चेतावनी**

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर मंगलवार को लातेहार पुलिस लाइन परिसर में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान एसपी कुमार गौरव ने देश की रक्षा और कानून-व्यवस्था कायम रखने के दौरान शहीद हुए वीर पुलिसकर्मियों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।कार्यक्रम की शुरुआत अमर जवान स्मारक पर पुष्पचक्र एवं पुष्पांजलि अर्पण से हुई। एसपी कुमार गौरव ने शहीदों के नाम का स्मरण करते हुए कहा कि राष्ट्र की रक्षा में जिन वीर सपूतों ने अपना जीवन बलिदान किया है, उनका योगदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि पुलिस स्मृति दिवस केवल श्रद्धांजलि का अवसर नहीं है, बल्कि यह दिन हमारे कर्तव्य एवं बलिदान की भावना को सशक्त बनाने का प्रतीक है।इस अवसर पर पुलिस उपाधीक्षक, सार्जेंट मेजर, पुलिस मेंस एसोसिएशन के पदाधिकारी, समेत बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों ने अनुशासन एवं सम्मानपूर्वक शहीदों को सलामी दी। कार्यक्रम में उपस्थित वीर जवानों के परिजनों को पुलिस प्रशासन की ओर से सम्मानित किया गया और शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन धारण किया गया।शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद एसपी कुमार गौरव ने कहा कि लातेहार पुलिस शहीदों के परिवारों की हरसंभव मदद के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि जो भी नक्सली अब भी भटके हुए हैं, वे सरकार द्वारा दी जा रही नई पुनर्वास नीति के अंतर्गत आत्मसमर्पण करें।अन्यथा सामना होने पर पुलिस कड़ी कार्रवाई से पीछे नहीं हटेगी।पुलिस स्मृति दिवस का यह समारोह शहीदों के त्याग, साहस और कर्तव्यनिष्ठा को याद करने के साथ ही समाज में शांति और कानून व्यवस्था के प्रति पुलिस की अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक बन गया।

दीपों का उत्सव लातेहार में के हर्सोल्लास साथ मनाई गई

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। जिला मुख्यालय सहित पूरे जिले भर में दीपावली हर्षोल्लास से मनायी गयी। लातेहार में दीपावली पर्व को लेकर चारों और उत्साह और हर्ष का माहौल देखा गया। पूरा लातेहार जिला मुख्यालय रोशनी से नहा उठी थी। घरों में दीये जले, बाहर बच्चों ने फुलझड़ियां और पटाखे छोड़े। सोमवार को अहले सुबह तक लोगों ने जमकर पटाखे फोड़ दीपावली मनायी। दिपावली को लेकर लोगों ने घरों को आकर्षक रंग बिरंगी लाइट एवं फूल सहित बैलून से सजाया था। जिले के घर-घर, गलियों और बाजारों में दीयों की लौ से उजाला फैल गया। लोगों ने अपने घरों, दुकानों और प्रतिष्ठानों को रंग-बिरंगी झालरों और दीपों से सजाया। बच्चों में पटाखे और आतिशबाजी को लेकर खास उत्साह देखा गया। शहर के प्रमुख चौक-चौराहों को भी आकर्षक तरीके से सजाया गया था। मिठाई की दुकानों में भीड़ लगी रही, वहीं लोगों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर दीपावली की शुभकामनाएं दे देते देखे गए। स्थानीय बाजारों में रौनक चरम पर रही और देर रात तक लोगों की आवाजाही बनी रही। पुलिस प्रशासन ने भी शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए विशेष गश्ती की व्यवस्था की है। संपूर्ण जिले में दीपावली का पर्व उल्लास और भाईचारे के माहौल में मनाया गया।

चंदवा में हर्सोल्लास के साथ मनाई गई दीपावली

चंदवा। प्रखंड के शहर समेत ग्रामीण क्षेत्रों में दीपोत्सव का त्योहार दीपावली सोमवार को पूरे हर्सोउल्लास के साथ संपन्न हो गया। दीपावली के अवसर पर लोगों ने अपने अपने घरों और प्रतिष्ठानों में विध्नहरन भगवान गणेश व धन की देवी लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना की और अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। दीपावली को लेकर पूरा शहर रंग बिरंगी रौशनी से जगमगा रहा था। पर्व को लेकर शहर में दिनभर चहल पहल रही। गणेश और लक्ष्मी जी की प्रतिमा बेचने वालों के दुकानों और पटाखा दुकानों में काफी भीड़ देखी गई। दीपावली की रात लोगों ने जमकर आतिशबाजी भी की।

तेज रफ्तार कार बिजली के खंभे से टकराई, बाल-बाल बचे लोग

चंदवा। थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदवा-मालहन-मैकलुस्कीगंज मार्ग पर मंगलवार की दोपहर बाद एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से जा टकराई। कार व बिजली का खंभा भी क्षतिग्रस्त हो गया। कार में सवार लोगों को मामूली चोंटे आई है जिनका प्राथमिक इलाज मैकलुस्कीगंज में किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार मैकलुस्कीगंज से नेतरहाट की ओर जा रही थी तभी चंदवा थाना क्षेत्र के काली गांव के समीप यह हादसा हो गया। सूचना मिलते ही चंदवा पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, लोहरदगा।
(समाज कल्याण)
अल्पकालीन निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष–2025–26 में राज्य योजनान्तर्गत ऑगनवाड़ी केन्द्रों के 03 से 06 वर्ष के बच्चों को शीतकाल में नियमित उपस्थिति सुनिश्चित कराए जाने के उद्देश्य से गर्म पोशाक हुडी(Winter Uniform Hoodie) उपलब्ध कराने हेतु प्राप्त आवंटन से लोहरदगा जिला अन्तर्गत 05 बाल विकास परियोजनाओं के 760 ऑगनवाड़ी केन्द्रों में आपूर्ति हेतु इच्छुक अधिकृत प्रतिष्ठान/संस्थान/निर्माता से मुहरबन्द लिफाफे (तकनीकी एवम् वित्तीय बीड अलग–अलग) में निविदा आमंत्रित की जाती है।

निविदादाता द्वारा तकनीकी बीड एवम् वित्तीय बीड अलग–अलग मुहरबन्द लिफाफे में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी, लोहरदगा के कार्यालय में दिनांक 06.11.2025 पूर्वाहन 11:30 बजे तक निविदा जमा करेंगे तथा निविदा उसी दिन 03:30 बजे अपराहन् समाहरणालय सभा कक्ष मेंजिला क्रय समिति के समक्ष निविदा खोली जाएगी।

निविदा में तकनीकी बीड एवम् वित्तीय बीड अलग–अलग मुहरबन्द लिफाफे में जमा करना होगा जिस पर निविदादाताओं कानाम पता माबाईल संख्या स्पष्ट रूप में इन्द्राजहो, तकनीकी रूप से सफल निविदादाताओं का ही वित्तीय बीड खोला जायेगा।

सम्बन्धित नियम एवं शर्तेलोहरदगाजिले के वेबसाइट lohardaga.nic.in तथा जिला समाज कल्याण कार्यालय, लोहरदगा के सूचना पटठ पर भी देखा जा सकता है।

आदेशानुसार
जिला समाज कल्याण पदाधिकारी,लोहरदगा।

PR 364557 Lohardaga (25-206)D

संस्मरण दिवस

पुलिस संस्मरण दिवस पर शहीद पुलिस कर्मियों को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

एसपी समेत जिले के वरीय पुलिस पदाधिकारी हुए शामिल

नवीन मेल संवाददाता

चतरा। 21 अक्टूबर को पूरे देश के साथ चतरा जिले में भी पुलिस संस्मरण दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पुलिस कप्तान सुमित कुमार अग्रवाल, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संदीप सुमन, वरीय पुलिस अधिकारी, थाना प्रभारी एवं जवान शामिल हुए। इस अवसर पर सभी शहीद पुलिस कर्मियों को पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान पुलिस कप्तान ने कहा कि इस वर्ष अब तक पूरे भारत में 191 पुलिस बल के जवान और पदाधिकारियों ने मातृभूमि की रक्षा करते हुए वीरगति प्राप्त की। उनके अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और बलिदान की स्मृति में इस दिवस को पूरे देश की पुलिस संस्थाएं श्रद्धांजलि दिवस के रूप में मनाती हैं। इस अवसर पर शहीद पुलिस कर्मियों की वीरता को याद करते हुए उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई तथा वर्तमान पुलिस बल को प्रेरणा दी गई कि वे देश की सुरक्षा, जनता की सेवा और कानून-व्यवस्था की रक्षा में सदैव तत्पर रहें। शहीद विनय भारती पार्क और पुलिस केन्द्र, चतरा में औपचारिक समारोह कर शहीदों के परिजनों का सम्मान एवं पुलिस बल द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दीया गया और सभी लोग बारी बारी से शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। पुलिस कप्तान ने कहा कि शहीद पुलिस कर्मी हमारे प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने देश की एकता और अखंडता की रक्षा के लिए अपने प्राण को न्योछावर कर जान की आहुति दी है, उस लकीर को कभी धूमिल नहीं होने देंगे।

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Office of the Gumla Nagar Parishad, Gumla

Very Short Term E-procurement Tender Notice
E-Tender NIT No: GML/NP/08/2025-26 (Civic Amenities and Urban Transportation)

S.N./ Group No.	Name of work	BOQ value of work in Rs	Earnest Money	Cost of Documents Online (In Rs) Non-Refundable	Period of completion in months
1	Construction of 10 Seater Community Toilet in Lohardaga Road Bus Depo under Gumla Nagar Parishad, Gumla	34,20,200.00	68,500.00	10,000.00	03 Month
2	Construction of culvert & PCC road from Yakshma Centre to Sheema Kumari house at Shakti Nagar Ward No 02	17,77,245.00	35,600.00	5,000.00	03 Month
	Total :	51,97,445.00			

1	Procurement Officer	Executive Officer, Nagar Parishad, Gumla.
2	Date of tender published on website	31.10.2025 (at 10.00 AM)
3	Place of opening tender	Nagar Parishad, Gumla.
4	Availability of tender online biding	31.10.2025 (at 10:00 AM) to 07.11.2025 (at 05:00 PM)
5	Date & time of opening bid	08.11.2025 (at 11:00 AM)
6	Mode of Submission of bid	E-tendering (http://jharkhandtenders.gov.in)

नोट :– 1. केवल ई–निविदा स्वीकार की जायेगी।
2. निविदा की शर्तें व अन्य जानकारी http://jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है।

प्रशासक
नगर परिषद, गुमला।

PR 364606 (District) 25-26 (D)

दीवाली पर खूब फूटे पटाखे, रोशनी से जगमगाया शहर

आतिशबाजी से गूंजता रहा वातावरण

लोहरदगा। दीपावली पर हुई आतिशबाजी से पूरा वातावरण गूंज रहा था। दीपावली की रात छोटे-छोटे बच्चों के साथ युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की। लक्ष्मी-गणेश की वंदना के बाद आतिशबाजी का दौर शुरु हुआ, जो रात 10 बजे के बाद तक पटाखों की गूंज से वातावरण को गुंजायमान कर दिया। सरकार के आदेश के बावजूद रात 10 बजे के बाद भी शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में पटाखों की आवाज सुनाई दी। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में हर ओर दीपावली की खुशियां छाई हुई थी।

- महालक्ष्मी व महाकाली पूजा की रही धूम, देर रात तक हुई आतिशबाजी
- सुख-समृद्धि की कामना के साथ जिलेवासियों ने दीपावली का त्योहार मनाया

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। दीपावली का त्योहार जिले के शहरी एवं ग्रामीण इलाकों में श्रद्धा, उमंग, उल्लास और परंपरागत तरीके से मनाया गया। घर और बाजार दीए और झालरों से जगमगाते रहे। लोगों ने दीपावली के त्योहार का पूरा आनंद लिया। घरों, मंदिरों, प्रतिष्ठानों और पूजा-पंडालों में धन-वैभव की प्रार्थना को लेकर लक्ष्मी-गणेश की पूजा हुई। प्रकाश पर्व दीपावली पर उल्लास छाया रहा। सतरंगी छटा बिखरी रही। विभिन्न प्रतिष्ठानों व घरों में भगवान गणेश व मां लक्ष्मी की पूजा कर भक्तों ने धन-वैभव की प्रार्थना की। सोमवार शाम से देर रात्रि तक आतिशबाजी होती रही। आसमान आतिशबाजी की रंगों से रंगीन हो रहे थी। शाम से ही बच्चें पटाखें छोड़ना शुरु कर दिए थे। हर घर में दीपावली को गणेश लक्ष्मी की पूजा सुबह से ही शुरु हो गई थी। दीपावली के निमित लोगों ने घरों में साफ-सफाई कर भगवान लक्ष्मी-गणेश की आराधना-उपासना की तैयारी में जुट गए थे। चारों तरफ दीयों की रौषनी से जगमगा रही थी। दीपावली के मौके पर लोगों ने जमकर खरीददारी की। बच्चों ने भी खूब पटाखें खरीदें। बाजार में पटाखों की बिक्री खूब हुई। दीपावली पर्व को लेकर लोगों ने अपने-अपने घरों और प्रतिष्ठानों को लाइटिंग और फूल माला से सजाया था।सुख-समृद्धि की कामना के साथ जिलेवासियों ने दीपावली का त्योहार मनाया। शहर के मुख्य पथ के अलावा गली-मुहल्लों, दुकानों, प्रतिष्ठानों, घरों में मिट्टी के दीये जगमगा रहे थे। दीपावली पर हर घर रौशन नजर आ रहा था। लोगों ने पूरे उत्साह के साथ दीपोत्सव का आनंद लिया। मिठाई के दुकानों में भी रौनक थी। लोग तरह तरह की मिठाइयां खरीद रहे थे। मिठाईयों की दुकानों में रौनक ला दी। काजू बर्फी, लड्डू, पेड़ा, मोतिचुर के लड्डू, मिल्क सेक आदि मिठाईयों ने बाजार में रौनक लाई। मिटटी से निर्मित पारंपरिक दीयों की भी खूब बिक्री हुई। लोगों का मिठाई खाने और खिलाने का सिलसिला शुरु था। सुबह से उपहार देकर एक दूसरे को त्योहार की बधाई देने का सिलसिला देर रात्रि तक चला। काली पूजा और लक्ष्मी पूजा स्थानीय स्तर पर दीपावली के दौरान लक्ष्मी पूजा और काली पूजा शहरी क्षेत्र से ग्रामीण इलाकों तक पूरी की गई। शहर के हटिया गार्डेन काली मंदिर, पावरगंज दुर्गाबाड़ी काली मंदिर, वीर शिवाजी चौक दुर्गा मंदिर, निंगनी काली मंदिर, नवाड़ीपारा काली पूजा समिति समेत सदर प्रखंड के निंगनी में विशेष काली पूजा दीपावली का विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। काली मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना की गई। पूजा पंडालों में की गई आकर्षक विद्युत साज-सज्जा लोगों को आकर्षित कर रही थी।

सेन्हा में दीप जलाकर मनाई गई दीपावली का त्योहार

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र में दीपावली का त्यौहार हर्षोल्लास व उमंग के साथ खुशी खुशी मनाया गया। दीपों का त्योहार दीपावली में युवा और बच्चों ने जमकर आतिशबाजी की। घरों की साफ सफाई कर माता लक्ष्मी और भगवान गणेश जी की पूजा अर्चना करने के पश्चात दीप जलाकर अंधकार को मिटाने का प्रयास किया गया। जिसे सभी लोगों द्वारा उमंग और उल्लास के साथ दीपावली पर्व मनाया गया। प्रखंड मुख्यालय से लेकर ग्रामीण क्षेत्र रोशनी से जगमगाया हुआ थावहीं लोगों ने मिट्टी का दीपक व झालर, सहित अन्य सजावट के सामानों से घरों को दुल्हन की तरह सजाया था। शाम होते ही मां लक्ष्मी व भगवान श्री गणेश का पूजन कर प्रसाद वितरण करने पश्चात खुशी खुशी दीपावली का पर्व मनाया गया। देर रात तक युवाओं ने पर्व पर जमकर आतिशबाजी की। दीपावली के अवसर पर सोमवार को सुबह से ही दुकानों पर मिठाइयों की जमकर खरीदारी हुई। दीपावली का पर्व को लेकर बाजारों में भारी भीड़ रही। प्रखंड मुख्यालय स्थित चौक में ज्यादा भीड़ होने के कारण जाम की स्थिति बनी रही।हालांकि दीपावली का त्यौहार को लेकर पुलिस प्रशासन भी सतर्क नजर आई।वही बच्चे बुजुर्ग और युवाओं में उत्साह दिखाई दिया। लोगों ने आतिशबाजी का खूब मजा लिया। बच्चे,महिलाओं व पुरूषों ने खूब पटाखे फोड़े। लोगों ने परिवार के साथ मिलकर खूब मस्ती की और त्योहार का लुत्फ उठाया।सुरक्षा को लेकर पुलिस द्वारा प्रखंड में चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी।सभी जगह पुलिस बल तैनात किए गया था। दीपावली पर लगभग दस लाख से अधिक के पटाखे जलाए गये।और लाखों का दीपक,झालर और अन्य सजावट का समानों की बिक्री हुई। दीपावली के दूसरे दिन ग्रामीण क्षेत्र में सोहराय पर्व के रूप में गोबंशीय पशु सहित पालतू मवेशियों को नहला-धुला कर पूजा अर्चना की गई। इस दिन को बंसी पशु एवं पालतू अन्य मवेशियों को नया अनाजों का मिश्रण प्रसाद स्वरुप पका कर विशेष प्रसाद के रूप में खिलाया जाता है। इसके साथ ही दिवाली के दूसरे दिन माँ काली का पूजन किया गया। तथा तीसरे दिन भाई दूज, चित्र गुप्त पूजा और गोवर्धन पूजा पूरी श्रद्धा के साथ मनाई गई। पंडित व आचार्यो ने गोवर्धन का महत्व बताते हुए कहा कि इंद्र के क्रोध को शांत करने के लिए भगवान कृष्ण ने जब गोवर्धन पर्वत को अपनी अंगुली पर उठा लिया और उसके नीचे सभी ब्रजवासियों ने इंद्र के प्रकोप से बचने के लिए शरण ली। जिसे देव राज इंद्र ने लज्जित होकर भगवान का शरण में आ कर पूजा अर्चना की गई। उसी दिन से लोग अपने सामर्थ्य के अनुसार 56 प्रकार के व्यंजन बनाकर गोवर्धन को भोग लगाते है और प्रसाद वितरित करते है। रात को गो से गोवर्धन का उपवर्धन करवाया जाता है। जिसके लिये गोवर्धन पर्व को भी उत्सव के रूप में मनाया जाता है।

भंडरा में दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया

भंडरा। प्रखंड क्षेत्र में दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। दीपों के इस त्योहार पर युवाओं ने जमकर आतिशबाजी की। घरों में दीप जलाकर पर्व को मनाया गया। पूरा प्रखंड रोशनी से नहाया हुआ था। लोगों ने अपने घरों को दुल्हन की तरफ सजाया हुआ था। शाम के समय में लक्ष्मी व श्री गणेश का पूजन कर पर्व मनाया। देर रात तक युवाओं ने पर्व पर जमकर आतिशबाजी की। वहीं सुबह से ही दुकानों पर मिठाइयों की जमकर खरीदारी की गई। बाजारों में पर्व को लेकर भारी भीड़ रही। ज्यादा भीड़ होने के कारण जाम की स्थिति बनी रही। हालांकि पुलिस भी पर्व को लेकर सतर्क नजर आई। इसके साथ-साथ लोगों में उत्साह सा दिखाई दिया। लोगों ने आतिशबाजी का खूब मजा लिया। बच्चे, महिलाओं व पुरूषों ने खूब पटाखे फोड़े। लोगों ने परिवार के साथ मिलकर खूब मस्ती की और त्योहार का लुत्फ उठाया। सुरक्षा को लेकर पुलिस द्वारा प्रखंड में चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। प्रखंड के भंडरा, चट्टी, सेमरा, मसमानो में पुलिस बल तैनात किए गए थे। दीपावली पर अनुमान के अनुसार लगभग दस लाख से अधिक के पटाखे जलाए गए।

कल भाई-बहन के परस्पर प्रेम व स्नेह का प्रतीक भैया-दूज

नवीन मेल संवाददाता

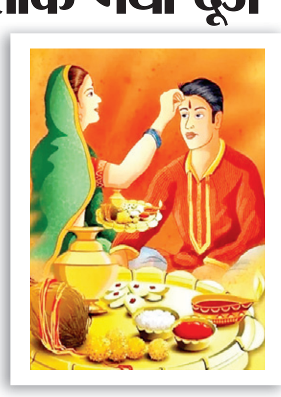

लोहरदगा। रक्षा बंधन की तरह ही देशभर में भाई-बहन के परस्पर प्रेम और स्नेह का प्रतीक भैया दूज का पर्व दिवाली के बाद कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। पंडित रामाधार पाठक के मुताबिक, पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास की शुक्ल द्वितीया तिथि को मनाई जाएगी। बताया जाता है कि भैया-दूज हिन्दू धर्म का सबसे पवित्र भाई-बहिन का त्यौहार माना जाता है। यही वजह है कि भाई-बहन के रिश्ते को प्यार की डोर से मजबूत करने के लिए यह त्यौहार जोर-शोर से मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाई की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती हैं और उनकी मंगलकामना करते हुए उनका तिलक करती हैं। इसके बाद ही बहनें अपने भाई के साथ भोजन ग्रहण करती हैं। यह परंपरा आज से नहीं बल्कि सदियों से चली आ रही है ।

कैसे मनाया जाता है भैया दूज : भाई दूज के दिन भाइयों को सुबह चांद का दर्शन करना चाहिए और उसके बाद यमुना के जल से स्नान करने के बाद और अगर यमुना का जल नहीं है तो ताजे जल से स्नान करे लें। इसके बाद भाई को अपनी बहन के घर जाना चाहिए और वहां बहन के हाथों से बना हुआ भोजन खाना चाहिए। इसके बाद बहन को भाई को भोजन करवाकर, उनका तिलक करना चाहिए और आरती करनी चाहिए। इसके साथ ही भाई को अपनी सामर्थता के मुताबिक बहन को उपहार भेंट करना चाहिए।

भाई दूज की पूजा विधि : भाई दूज पर बहनें अपने भाइयों को चौकी पर बिठाकर उनकी पूजा करती हैं, उन पर चावल डालती हैं। उनके माथे पर टीका करती हैं। फूल, पान, सुपारी तथा मुद्रा रखकर धीरे से पानी छोड़ते हुए मंत्र पढ़ती हैं। साथ ही हाथ पर कलावा बांधती हैं और उनको मिठाई खिलाती हैं। यमराज के नाम से दीपक जलाती है और उसे घर की दहलीज के बाहर रखती हैं। भाइयों के हाथ में श्रीफल (नारियल) देकर बहनें भाई की लंबी उम्र की कामना करती हैं। भाई बहनों के चरण स्पर्श कर कुछ उपहार भी भेंट करते हैं।

क्या है भैया दूज से जुड़ी कथा : पौराणिक कथाओं के अनुसार भगवान सूर्य की पत्नी छाया ने अपनी कोख से दो बच्चों को जन्म दिया, जिन्हें यमुना और यमराज के नाम से जाना गया। दोनों भाई-बहन में बहुत स्नेह था। यमुना अक्सर यमराज से कहा करती थीं कि वह उनके घर आए और भोजन करें, लेकिन यमराज कभी नहीं गए। एक बार फिर बहन यमुना के आग्रह पर यमराज ने फैसला किया कि वह उनके घर जाएंगे। यमराज ने जिस दिन जाने का फैसला किया, वह कार्तिक मास की द्वितीया तिथि थी। यमराज ने जाते वक्त यमलोक में जितने जीव कष्ट भोग रहे थे, सभी को छोड़ दिया। यमराज ने बहन यमुना के घर भोजन किया। प्रसन्न होकर उन्होंने यमुना से वर मांगने को कहा। बहन यमुना ने वर मांगते हुए कहा कि आज के दिन जो बहन अपने भाई का आदर-सत्कार करके उसका टीका करे, उसे आपका भय न हो। यमराज ने भी यह वरदार यमुना को दे दिया। इसी दिन से यह परंपरा सदियों से चली आ रही है।

निंगनी गांव में श्रद्धालुओं की है गहरी आस्था, काली पूजा में शामिल हुए एसपी सादिक अनवर रिजवी

मनोकामना पूरी होने पर बकरे की बाली देने व दंडवत प्रणाम करने की है विधान

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। सदर क्षेत्र के निंगनी गांव स्थित प्राचीन काली बाड़ी मंदिर परिसर में सोमवार और मंगलवार की मध्यरात्रि लगभग 12 बजे मां काली की भव्य पूजा-अर्चना प्रारंभ हुई, जो मंगलवार की सुबह करीब 4 बजे पूरे वैदिक रीति-रिवाज के साथ सम्पन्न हुई। इस मंदिर में वर्ष 1982 से लगातार मां काली की पूजा होती आ रही है। यहां दशकों से चली आ रही इस परंपरा के तहत श्रद्धालु माता की आराधना करते हैं। कहा जाता है कि मां काली की कृपा से हर मनोकामना पूर्ण होती है इसलिए हर वर्ष हजारों श्रद्धालु यहां पहुंचकर अपनी अटूट आस्था व्यक्त करते हैं। स्थानीय मान्यता के अनुसार जब भी किसी भक्त की मन्नत पूरी होती है तो वह अपने घर से मंदिर तक टंडवत करते हुए पहुंचता है। मंदिर में आने वाले श्रद्धालु मनोकामना पूरी होने पर बकरे की बली देने का विधान निभाते हैं और दंडवत भगवती दरबार में हाजिरी देते हैं। यह पूजा की अनूठी परंपरा मानी जाती है। पूजा-अनुष्ठान का संचालन मंदिर के पुरोहितों ने विधिवत किया। पूजा से पूर्व जय मां काली पूजा समिति के आजीवन संरक्षक डॉ टी साहू, एसपी सादिक अनवर रिजवी और अध्यक्ष राजेश कुमार साहू ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर धार्मिक कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान पूरा वातावरण जय मां काली के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। हजारों की संख्या में श्रद्धालु मां काली के दर्शन हेतु पहुंचे और परिवार व समाज की सुख-शांति की कामना की। संरक्षक डॉ टी साहू ने इस अवसर पर कहा कि मां काली की कृपा से यह स्थल वर्षों से श्रद्धा और विश्वास का प्रतीक बना हुआ है। 1982 से आरंभ हुई यह पूजा अब पूरे क्षेत्र की आस्था का केंद्र बन चुकी है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक एकता और भाईचारे का संदेश भी देता है। हर वर्ष यहां की भक्ति और अनुशासन देखकर गर्व महसूस होता है। पूरे आयोजन को सफल बनाने में जय मां काली पूजा समिति निंगनी की अहम भूमिका रही। समिति में आजीवन संरक्षक डॉ टी साहू, अध्यक्ष राजेश कुमार साहू, उपाध्यक्ष विजय कुमार साहू, सचिव नीरज कुमार साहू, सह सचिव संदीप साहू, कोषाध्यक्ष नरेश साहू, सह कोषाध्यक्ष बजरंग साहू तथा संरक्षक मंडल के सदस्य मुकेश साहू, कृष्ण प्रसाद साहू, रामसागर साहू, गौतम साहू, नीरज साहू, बजरंग साहू और राजमोहन साहू शामिल रहे।श्रद्धालुओं की भारी भीड़ और जय मां काली के जयकारों से संपूर्ण परिसर भक्तिमय वातावरण में डूबा रहा।

कुडू पुलिस की कार्रवाई, अवैध हथियार के साथ युवक गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। पुलिस अधीक्षक सादिक अनवर रिजवी के निर्देश पर कुडू थाना पुलिस ने सोमवार की रात बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान जसीम पवरिया पिता स्व। गफ्फार पवरिया, ग्राम चेटर, थाना कुडू, जिला लोहरदगा के रूप में की गई है। छापेमारी के दौरान आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने उसके घर से एक लोहे का देशी कट्टा (लकड़ी के बट सहित), दो जीवित कारतूस, एक धूल-मिट्टी लगा खोखा तथा तीन पीस 12 बोर का कारतूस बरामद किया। पुलिस ने इस संबंध में कुडू थाना कांड संख्या 110/25, दिनांक 20.10.25, धारा 25(1-बी)ए/26 शस्त्र अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी किसी आपराधिक वारदात को अंजाम देने की फिराक में अवैध हथियार के साथ क्षेत्र में घूम रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए थाना प्रभारी मनोज कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। टीम ने त्वरित छापेमारी कर आरोपी को पकड़ लिया। छापेमारी दल में शामिल अधिकारी एवं जवान में थाना प्रभारी मनोज कुमार, सहायक उपनिरीक्षक राम कुमार ठाकुर, हवलदार जलेश्वर सहार, आरक्षी वैभव नारायण मिर्धा, चौकीदार घनश्याम यादव एवं अन्य सशस्त्र बल शामिल थे। कुडू पुलिस की यह कार्रवाई जिले में अवैध हथियार रखने वालों एवं असामाजिक तत्वों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान की एक कड़ी है।

बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर : एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर पर दो बाक्साइट ट्रक

लोहरदगा। जिले में बाक्साइट परिवहन के नाम पर बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। जिले में एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर (जेएच 08 जी 1951) वाले दो ट्रकों के संचालन की बात उजागर होने के बाद खनन माफिया और प्रशासनिक मिलीभगत पर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के अनुसार, उक्त नंबर वाला एक ट्रक सेन्हा थाना में पिछले कई वर्षों से जप्त है, जबकि इसी नंबर का दूसरा बाक्साइट लदा ट्रक अब तक सड़कों पर दौड़ रहा था। हाल ही में सेन्हा थाना पुलिस ने दूसरे ट्रक को भी जब्त कर लिया, जिससे पूरे मामले में हड़कंप मच गया है। पुलिस ने इस पूरे प्रकरण की जानकारी डीटीओ लोहरदगा को दे दी है और मामले की गहन जांच की अनुशंसा की गई है। प्राथमिक जांच में यह साफ संकेत मिल रहे हैं कि प्रशासनिक तंत्र की आंखों में धूल झोंककर फर्जी दस्तावेजों के सहारे बाक्साइट ट्रांसपोर्ट का धंधा चल रहा था। जानकारों का कहना है कि एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर का उपयोग कर ट्रक चलाना न सिर्फ कानून का उल्लंघन है, बल्कि राज्य सरकार को राजस्व की भारी क्षति पहुंचाने और प्रशासन को खुली चुनौती देने जैसा कृत्य है। उक्त बॉक्साइट ट्रक चिरोडीह बक्साईट खदान से बॉक्साइट लेकर निकली थी।

सरकारी आवासों पर दैनिक भोगी कर्मियों का अवैध कब्जा

लोहरदगा। समाहरणालय परिसर और उससे जुड़े सरकारी आवासों में अवैध कब्जे का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, कई सरकारी और गैर-सरकारी कर्मी, यहां तक कि दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी भी सरकारी क्वार्टरों में वर्षों से अवैध रूप से रह रहे हैं। इन कब्जों के चलते राज्य सरकार को हर महीने राजस्व का भारी नुकसान हो रहा है। दूसरी ओर, जिन नियमित सरकारी कर्मियों को इन आवासों की सख्त जरूरत है, उन्हें आवास नहीं मिलने के कारण रोजाना रेल यात्रा कर लोहरदगा पहुंचना पड़ता है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि जिला प्रशासन की लगातार हिदायतों के बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है। उपायुक्त द्वारा बार-बार निर्देश जारी किए जाने के बाद भी अवैध कब्जेदार बेखौफ सरकारी आवासों पर डटे हुए हैं, जिससे प्रशासनिक सख्ती पर भी सवाल उठने लगे हैं। सूत्रों के मुताबिक, कुछ मामलों में प्रभावशाली कर्मियों की सांठगांठ से यह कब्जा बरकरार है। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इस अवैध कब्जे पर कब तक आंखें मूंदे रहता है, या फिर जल्द कार्रवाई कर सरकारी संपत्ति को मुक्त कराता है।

पंचायत स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता व फुटबॉल मैच संपन्न

सेन्हा-लोहरदगा। प्रखंड क्षेत्र के उगरा पंचायत अन्तर्गत मिनी स्टेडियम उगरा में पंचायत स्तरीय खेल कूद प्रतियोगिता और फुटबॉल मैच का भव्य समापन समारोह सम्पन्न हुआ। पंचयत जनप्रतिनिधि व नव युवक संघ उगरा द्वारा आयोजित प्रखंड स्तरीय खेल कूद व फुटबॉल टूर्नामेंट के मुख्य अतिथि लोहरदगा के जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष सुखैर भगत और विशिष्ट अतिथि सांसद प्रतिनिधि नन्दकिशोर शुक्ला तथा जिला कांग्रेस सोशल मीडिया प्रभारी प्रकाश उरांव थे। जिसे आयोजन समिति के द्वारा सभी अतिथियों का ढोल-नगाड़ों और बच्चियों के पारंपरिक स्वागत गीतों के साथ भव्य स्वागत किया गया। वही मुख्य अतिथि सुखैर भगत ने कहा की ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार के खेल कूद व फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर देता है। बल्कि समाज में एकता,भाईचारा और सकारात्मक ऊर्जा का संचार भी करता है। खेल हमें समाजिक कार्यो से भी जोड़ता है। यह आयोजन इस बात का प्रतीक है कि मानवता,एकता और प्रेम किसी भी जाति या धर्म से ऊपर है। जिसे आयोजन समिति और ग्रामवासियों को इस अद्भुत आयोजन के लिए हृदय से बधाई देते हुए कहा कि भविष्य में भी ऐसे आयोजनों में निसंदेह सहयोग देने के लिए तत्पर रहूंगा। इस आयोजन ने उगरा ग्राम पंचायत की धरती पर एक नई उम्मीद और उत्साह और एकता का सन्देश दिया है। वही कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, खेलप्रेमी,जनप्रतिनिधि और युवा उपस्थित रहे। फुटबॉल मैच में फाइनल मुकाबला जितने वाले विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी और सम्मान देकर पुरस्कृत किया गया। मौके पर मुख्य संरक्षक मुखिया बसंती उरांव सह संरक्षक पंचायत समिति सदस्य अफसाना खातून आयोजन समिति के अध्यक्ष सगीर अंसारी,सचिव महेश उरांव,कोषाध्यक्ष नेसार अंसारी, सह-कोषाध्यक्ष मुंतज़िर अंसारी, सदस्य प्रदीप उरांव, सहित अन्य खेल प्रेमी ग्रामीण महिला पुरुष व बच्चे बच्चियां मौजूद थे।

लोहरदगा जिला एथलेटिक एसोसिएशन की हुई बैठक, संरक्षक उमेश्वर तिवारी ने कहा-

68वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक मीट जनवरी में कराने का निर्णय

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। लोहरदगा जिला एथलेटिक एसोसिएशन की बैठक संजय कुमार साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की इस वर्ष भी जनवरी 2026 में 68वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक मीट का आयोजन ललित नारायण स्टेडियम लोहरदगा में कराया जायेगा। इस निमित्त अगली बैठक 20 नवंबर 2025 दिन गुरुवार को अपराह्न 3बजे से साहू धर्मशाला में आयोजित होगा। इस अवसर पर कार्यकारी सचिव किशोर कुमार वर्मा ने 67वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक मीट की विस्तृत जानकारी प्रदान किया और 68वीं राज्य स्तरीय एथलेटिक मीट कराने निमित्त सुझाव के साथ क्या क्या कमियाँ और बेहतर कैसे एथलेटिक मीट कराया जाना है। इसके बाते में चर्चा की सुरुवात किया, उन्होंने बताया की लोहरदगा जिला एथलेटिक एसोसिएशन को ब्लैक लिस्टेड किया गया था। जिसे दो दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता करा कर राज्य एथलेटिक एसोसिएशन के सहयोग से पुनः लोहरदगा को मान्यता दिलाया गया है। लोहरदगा के एथलेटिक अच्छा प्रदर्शन कर रहे है जामताड़ा राज्य स्तरीय खेलकूद में गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्स मेडल विजेता बने है आगे खिलाड़ियों को और सुविधा प्रदान किया जायेगा। इस अवसर पर उपस्थित संरक्षक मदन मोहन पांडेय ने कहा की पुरानी यादें जीवंत रखना हम सबका दायित्व बनता है। रॉय साहब बलदेव साहू द्वारा वर्ष 1951 से शुरुआत किया गया को अभी और बेहतर ढंग से संपादित करना है। सभी युवा ऊर्जावान है उत्साह है इसलिए सहयोग अपेक्षित है सहयोग अपने स्तर से दूंगा। वहीं संरक्षक पूर्व में जो फुटबॉल और स्पोर्ट्स होता था तो जूनून होता था जो आज के युवाओं में नजर नहीं आता है इसलिए इसे और अच्छा ढंग से सबके सहयोग से कराया जायेगा। वहीं संरक्षक उमेश्वर तिवारी ने कहा की पुरानी स्तिथि पुनः वापस लाया जायेगा सभी जनता का रुझान खेलकूद प्रतियोगिता कराने की है वहीं कमल केसरी ने कहा की सभी एकजुट होकर लोहरदगा की इज्जत प्रतिष्ठा और सम्मान के लिए लोहरदगा एथलेटिक प्रतियोगिता में सहयोग करें। सोमा उरांव, कार्यकारी सचिब अजय प्रसाद ने भी सुझाव दिए और खेलकूद प्रतियोगिता कराने के लिए अपनी कार्यनीति बताई। संगठन सचिव संजय कुमार साहू ने कहा की सभी के सहयोग से एथलेटिक मीट का आयोजन किया जायेगा और खेलकूद को बेहतर बनाने निमित्त जिला प्रशासन से सहयोग हेतु उनसे संपर्क किया जायेगा। साथ ही बड़े उद्योगपति हिंडालको का विगत कई वर्षो से सहयोग प्राप्त नहीं हुआ है। जबकि जिला के सबसे बड़ा खेलकूद आयोजन होता है। जिसमे हजारों खिलाडी गण झारखण्ड के अन्य कई जिलों के अलावा कई अन्य राज्यों से भी आते है अगली बैठक में तिथि निर्धारित कर तैयारी प्रारम्भ किया जायेगा। सर्वसम्मति से गत वर्ष नगर परिषद के सहयोग प्रदान करने पर साधुवाद दिया गया। इस अवसर , मोहम्मद खलील, मदन मोहन पांडेय, लाल मोहन केसरी, कमल केसरी, किशोर कुमार वर्मा (कार्यकारी सचिव), अजय प्रसाद (कार्यकारी सचिव), कामेश्वर पप्रसाद, कैलाश केसरी, मुरारी गोस्वामी, फहद खान, असफाक खान, सोमा उरांव, सैयद अनस अहमद, हसीन अख्तर मुन्ना, मोहम्मद दानिश, गुड्डू कुमार साहू, अरुण राम, नसीम अख्तर, अजय प्रसाद अग्रवाल, आदि उपस्थित थे।

गुमला में दीपों के पर्व दीपावली की भव्य छटा

माता लक्ष्मी व गणेश की आराधना से आलोकित, रोशनी में डूबा रहा पूरा जिला

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। अंधकार पर प्रकाश और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक पर्व दीपावली सोमवार को पूरे गुमला जिले में हर्षोल्लास, भक्ति और आपसी सौहार्द के माहौल में धूमधाम से मनाया गया। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक दीपों की झिलमिल रोशनी और सजावट की रंगीन छटा ने वातावरण को दिव्यता से भर दिया। सुबह से ही लोगों ने अपने घरों और प्रतिष्ठानों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई और सजावट में दिनभर व्यस्तता दिखाई। दोपहर बाद से ही बाजारों में रौनक बढ़ गई — मिठाई की दुकानों पर भीड़ उमड़ पड़ी, वहीं बच्चों में पटाखे और सजावटी सामान खरीदने का उत्साह चरम पर रहा। संध्या होते ही पूरा गुमला नगर दीपों की रोशनी में नहा उठा। घरों, मंदिरों, दुकानों, सड़कों और मोहल्लों में दीये, मोमबत्तियां और बिजली के रंगीन बल्ब टिमटिमाने लगे। मां लक्ष्मी एवं भगवान गणेश की विशेष पूजा-अर्चना पूरे विधि-विधान से की गई। श्रद्धालुओं ने अपने-अपने घरों में पूजा कर परिवार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और उन्नति की कामना की। पूजा-अर्चना के पश्चात घरों के द्वारों पर दीप सजाए गए, वहीं आंगनों में रंगोली की सुंदर आकृतियाँ मन मोह रही थीं। प्रसाद वितरण और दीपदान का कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। रात ढलते ही आसमान रंग-बिरंगी आतिशबाजियों से जगमगा उठा। बच्चों, युवाओं और परिवारों ने पटाखों और फुलझड़ियों का खूब आनंद लिया। चारों ओर उत्सव, उल्लास और आपसी सद्भाव का अद्भुत दृश्य देखने को मिला।

नगर के प्रमुख स्थान — मेन रोड, पटेल चौक, बड़ा दुर्गा मंदिर रोड, हनुमान मंदिर चौक, हरिओम कॉलोनी,शास्त्री नगर,मुरली बगीचा, डीएसपी रोड,लोहरदगा रोड, बैंक कॉलोनी, गोकुल नगर, विकास कॉलोनी,, बाईपास रोड, लोहरदगा रोड, टोटो चौक समेत पूरे बाजार क्षेत्र में दीपों की पंक्तियों और लाइटों की जगमगाहट देखने लायक थी। कई स्थानों पर सामाजिक संगठनों और युवाओं ने भी सामूहिक दीपोत्सव मनाकर समाज में एकता और सेवा का संदेश दिया। दीपावली की यह रात गुमला के लिए केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि आशा, श्रद्धा और सौहार्द का प्रतीक बन गई — जहां हर चेहरे पर मुस्कान थी, हर दिल में उमंग, और हर आंगन में दीपों की ज्योति से नई रोशनी बिखर रही थी।

गुमला पुलिस की बड़ी कार्रवाई

16 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ दो आरोपी गिरफ्तार, 1.39 लाख रुपए बरामद

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला पुलिस ने ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर दो लोगों को गिरफ्तार कर भारी मात्रा में ब्राउन शुगर, नकद और अन्य सामग्री बरामद की है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गुमला थाना क्षेत्र के लक्ष्मण नगर के नदी पुल के पास कुछ लड़कों द्वारा ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही थी। सूचना के बाद पुलिस वाहन मौके पर पहुंची। जब पुलिस वहां पहुंची, तो एक लड़का भागने लगा, लेकिन पुलिस ने उसे पकड़ लिया। पकड़े गए व्यक्ति की पहचान रोहित सिंह (22) पुत्र कन्हैया सिंह, ग्राम दुर्गा नगर, थाना गुमला के रूप में हुई। तलाशी लेने पर उसके पास से 13 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद हुई, जिनका कुल वजन 2 ग्राम था। पूछताछ में रोहित ने बताया कि ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री अर्पित कुमार और उसकी बहन राखी कुमारी कर रहे हैं। इसके बाद पुलिस ने रोहित के साथ अर्पित कुमार और राखी कुमारी के घर छापेमारी की। तलाशी के दौरान एक कमरे से 19 पुड़िया ब्राउन शुगर (वजन 15 ग्राम), एक सिल्वर रंग की वेट मशीन, और 1,93,290 रुपये नकद बरामद हुए। राखी कुमारी ने पूछताछ में बताया कि वे दोनों भाई-बहन स्कूल और कॉलेज के छात्रों को ब्राउन शुगर बेचते हैं। जो लोग भुगतान नहीं करते, उनका मोबाइल बंधक रखा जाता है। अर्पित कुमार इस समय बाहर होने के कारण फरार है। पुलिस ने बरामद सामग्री को जब्त कर रोहित सिंह और राखी कुमारी को गिरफ्तार कर लिया है। सभी आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है। ज्ञात हो कि गुमला जिले में ब्राउन शुगर का अवैध व्यापार बड़े पैमाने पर चलता है। पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है, लेकिन इसके बावजूद यह धंधा फल-फूल रहा है।

दीपावली के अवसर पर दो छात्राओं ने आकर्षक रंगोली बना कर सबको किया आकर्षित

नवीन मेल संवाददाता

भरनो। भरनो प्रखंड मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में बीते सोमवार को दीपावली श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया, जहां बच्चों से लेकर बड़ों ने भी दीपावली में पटाखा जलाया, इसके अलावा सभी ने अपने घरों को खूब आकर्षित ढंग से सजाया एवं लाइटिंग लगाया। वहीं भरनो ब्लॉक चौक के समीप श्रीकांत जेनरल स्टोर के प्रांगण में बच्चों ने दीपावली के शुभ अवसर पर काफी आकर्षक तरीके से रंगोली बनाकर सबको आकर्षित कर लिया। रांची के संत जेवियर कॉलेज की छात्रा रिया कुमारी और रुचि कुमारी ने काफी मेहनत और लगन से बहुत ही आकर्षक रंगोली बनाई है, जिसे देख कर लोगो ने काफी तारीफ करते हुए दोनों छात्राओं के इस हुनर को सलाम किया है। दोनों बच्ची काफी मेहनत और लगन से लगभग 2 घंटे में आकषर्क रंगोली बनाया है जो देखने लायक है। जिसके कलश और दीपक जलते हुए रंगोली का डिजाइन में यह रंगोली बनाया है।

पीवीटीजी क्षेत्रों के लिए 11 नई सड़कों के निर्माण प्रक्रिया टेंडर शुरू

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के अत्यंत दुर्गम और पीवीटीजी (विशेष रूप से पिछड़े आदिवासी) क्षेत्रों में आवागमन और जनसुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए 11 नई सड़कों के निर्माण हेतु टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। यह निर्देश जिला उपायुक्त गुमला, प्रेरणा दीक्षित, के द्वारा जारी किया गया है। मई माह में स्वीकृत इन परियोजनाओं की कुल लंबाई 47.699 किलोमीटर और अनुमानित लागत 45.8295 करोड़ है। अधिकारियों का कहना है कि इन सड़कों के निर्माण के बाद पीवीटीजी बहुल क्षेत्रों में संपर्क व्यवस्था और जीवन-यापन की स्थिति में महत्वपूर्ण सुधार होगा।

उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने कहा की प्रशासन का लक्ष्य है कि गुमला के हर दुर्गम गांव तक विकास की सड़क पहुँचे। इन परियोजनाओं से न केवल संपर्क व्यवस्था बेहतर होगी, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य, बाज़ार और आपात सेवाओं तक पहुंच और अधिक सुगम होगी।" इस पहल से जिले के दूरस्थ और पिछड़े इलाकों में विकास की गति बढ़ने की उम्मीद है और स्थानीय जनता को रोजमर्रा की जरूरतों और सुविधाओं तक सहज पहुंच मिलेगी।

स्वीकृत सड़कों का विवरण इस प्रकार है

- प्रखंड - बिशुनपुर
- हेल्ता से बलातूपाठ - 5.450 कि.मी.,
- टूटवा कुजाम रोड से रामझरिया - 6.020 कि.मी.
- सेरका से जलिम (हारुप के रास्ते) - 9.110 कि.मी.
- कुजाम से छोटोंगपाठ - 3.710 कि.मी.
- ब्लॉक - चैनपुर
- गुंगरुपत से चकडीपा - 2.068 कि.मी.
- लुपुंगपाठ से बिजापाठ - 5.534 कि.मी.
- चमनरावा गुरदारी रोड से बगलता - 3.200 कि.मी.
- ब्लॉक - डुमरी
- दीना महुवाटोली से बेलटोली - 3.400 कि.मी.
- कांदापाठ से डुलूसरना - 1.680 कि.मी.
- कांदापाठ से टोपेटोली - 2.550 कि.मी.
- ब्लॉक - घाघरा
- दीरगांव से सनातनगढ़ - 4.970 कि.मी.

सड़क किनारे पेड़ की डाली से टकराया ट्रक, आवागमन बाधित

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। शहर के जशपुर रोड स्थित गुमला सदर अस्पताल मुख्य गेट के पास बरगद का पेड़ है जिसका डाल और तना रोड की तरफ निकला हुआ है। जिसके कारण रात 10 बजे एक ट्रक पेड़ की चपेट में आ गया है और ट्रक बुरी तरह से डालियों में फस गया। ट्रक छत्तीसगढ़ से आ रही थी। हालांकि घटना में किसी प्रकार की जान माल की क्षति नहीं हुई। लेकिन आवागमन बाधित हो गया। घटना के बाद अफरा तफरी का माहौल बन गया। लोगों ने इसकी सुचना वन विभाग को दी। लोगों ने बताया इसके टहनी और तना को काटना होगा जिससे दोबारा इस तरह की घटना ना हो सके। जश पुर रोड में अक्सर पुराने पेड़ की डालियां सड़क पर गिरती है कई बार लोग चोटिल भी हुए हैं कुछ वर्ष पूर्व परमवीर अल्बर्ट एक्का स्टेडियम के पास एक विशाल पीपल का पेड़ सड़क पर ही गिर गया था घटना में एक ठेला वाला बाल -बाल बचा। उसका ठेला पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था इसके बाद स्थानीय लोगों ने सड़क किनारे सूखे और झूलते डालियों को प्रशासन से काटने की मांग की थी प्रशासन को समय-समय पर मुआयना कर सुखे और झूलते डालियों को काटना चाहिए जिससे किसी प्रकार की घटना होने से बचा जा सके।

लक्ष्मी पूजा, दीपों की रोशनी और आतिशबाजी से जगमगाया चैनपुर

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड क्षेत्र में धन-धान्य और समृद्धि का पर्व लक्ष्मी पूजा बड़े ही हर्षोल्लास और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर पूरा इलाका दीपों की रोशनी से जगमगा उठा और शानदार आतिशबाजी की गूंज से सराबोर हो गया। लक्ष्मी पूजा को लेकर लोगों में, खासकर बच्चों और युवाओं में, विशेष उत्साह देखा गया। शाम होते ही लोगों ने अपने-अपने घरों के सामने आकर्षक रंगोली सजाई और उन्हें पारंपरिक दीयों से रोशन किया। शुभ मुहूर्त में, घरों में विधि-विधान से मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की गई और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की गई। पूजा संपन्न होने के बाद आतिशबाजी का दौर शुरू हुआ।

छोटे-छोटे बच्चों के साथ-साथ युवाओं ने भी जमकर आतिशबाजी की। इस दौरान फुलझड़ी, रॉकेट, बाड़ बम, अनार सहित विभिन्न प्रकार के पटाखों की रोशनी और आवाज से आसमान गूंज उठा। घरों के साथ-साथ प्रखंड के विभिन्न मंदिरों में भी पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ी। मंदिरों को भी खूबसूरती से सजाया गया था, जहां श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर मां लक्ष्मी की पूजा-अर्चना की। कुल मिलाकर, यह पर्व पूरे क्षेत्र में शांति और उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

कोहिपाट डिपा टोली निवासी महिला ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

- **जिंदा होने की आस में तेल मालिश करते रहे परिजन**

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र के कोही पाट डिपा टोली निवासी 48 वर्षीय फुल मनी देवी पति हेरन मिंज ने सोमवार दिन के 2:00 बजे घर में फांसी लगाकर अपने जीवन लीला समाप्त कर ली। परिजन तत्काल फांसी के फंदे से उतार कर सदर अस्पताल लेकर आए जहां डॉक्टर ने जांच के उपरांत उसे मृत घोषित कर दिया। प्राप्त जानकारी के मुताबिक महिला घर में अकेली थी उसका पति गांव में गया था जबकि बेटी और दोनों बेटे घर के बाहर थे जब बड़ा बेटा घर के अंदर अंदर घुसा तो अपनी मां को साड़ी में झूलते पाया इसके बाद चिल्लाते हुए घर के अन्य सदस्यों को बुलाया और तत्काल महिला को फंदे से नीचे उतारा गया। सदर अस्पताल लाने तक उसकी मौत हो चुकी थी। हालांकि परिवार वालों ने घटना के कारणों का खुलासा नहीं किया है। वही मृत घोषित होने के बाद परिजन उसके जिंदा होने की आस को लेकर उसके शरीर में तेल मालिश करते रहे। घटना की सूचना गुमला थाना की पुलिस को दी गई है पुलिस सदर अस्पताल पहुंचकर मामले को लेकर पूछताछ कर रही है।

दीपावली की रात लगी आग ने बुझाई खुशियां, किराना दुकान जलकर राख

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। दीपों के पर्व दीपावली की रात जहां एक ओर लोग उल्लास और खुशियों में डूबे थे, वहीं दूसरी ओर गुमला के मुरकुंडा गांव में आग की लपटों ने एक परिवार की खुशियां राख कर दीं। सदर प्रखंड अंतर्गत शुभम किराना स्टोर में दीप से लगी आग ने कुछ ही मिनटों में पूरे दुकान को अपनी चपेट में ले लिया। आग इतनी भीषण थी कि ग्रामीणों द्वारा पानी डालकर बुझाने के प्रयास के बावजूद दुकान में रखे लगभग तीन लाख रुपये मूल्य के सामान जलकर खाक हो गए। सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था। घटना में दुकान संचालक मामूली रूप से झुलस गए, जिन्हें स्थानीय स्तर पर उपचार कराया गया। आग लगने की सूचना फैलते ही मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। दीपावली की रात अचानक हुई इस घटना से पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और खुशियों का माहौल मातम में बदल गया। ग्रामीण प्रशासन से मुआवजा सहायता की मांग कर रहे हैं ताकि पीड़ित परिवार को राहत मिल सके।

अज्ञात वाहन के टक्कर से बाइक सवार दो युवक घायल, एक रिम्स रेफर

गुमला। घाघरा थाना क्षेत्र के खरका बांकी नदी के पास अज्ञात वाहन की टक्कर से डेवीडीह पतरा टोली निवासी दशेंद्र उरांव और जितेंद्र उरांव गंभीर रूप से घायल हो गए स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायलों को सदर अस्पताल लाया गया जहां इलाज को बाद गंभीर रूप से घायल जितेंद्र उरांव को डॉक्टर ने रिम्स रेफर कर दिया उसका एक पैर टूटकर चूर हो गया जब कि शरीर के कई हिस्से में गंभीर चोट भी लगी है प्राप्त जानकारी के मुताबिक दोनों युवक टोटाम्बी बाजार गए थे जहां से अपने घर लौट रहे थे तभी खरका बांकी नदी के समीप पीछे से एक अज्ञात वाहन टक्कर मारते हुए घटना स्थल से फरार हो गया।

दीपावली पर आरएसएस स्वयंसेवकों ने किया स्वच्छता व श्रद्धा का संगम

महापुरुषों के प्रति अर्पित किए दीप व श्रद्धासुमन

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। महापुरुष किसी जाति या समुदाय के नहीं होते, वे राष्ट्र की धरोहर हैं— इस विचार को साकार रूप देते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) गुमला के स्वयंसेवकों ने दीपावली की सुबह सेवा और राष्ट्रभक्ति का अनोखा उदाहरण प्रस्तुत किया। स्वयंसेवकों ने गुमला के प्रमुख स्थलों-संघ कार्यालय, शाखा स्थल, अमर जवान ज्योति, शहीद स्मारक, महापुरुषों के स्मृति स्थल, स्वतंत्रता सेनानियों और वीर सैनिकों के स्मारकों — पर स्वच्छता अभियान चलाया। सफाई के बाद उन्होंने "भारत माता की जय" के नारों से वातावरण को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने देशभक्ति गीत- "उठो साथियों, समय नहीं है यह शोभा सिंगर का, आज चुकाना है ऋण तुमको भारत मां के प्यार का" -मधुर स्वर में गाकर लोगों को राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यबोध का संदेश दिया। आसपास के लोगों ने आरएसएस के इस कार्य की सराहना करते हुए उनके साथ सफाई अभियान में सहयोग किया और "भारत माता की जय" के उद्घोष से माहौल गूंज उठा। संध्या के समय स्वयंसेवकों ने पुनः सभी प्रमुख स्मृति स्थलों पर दीप प्रज्वलित किए और महापुरुषों एवं वीर शहीदों के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित किए।

कुआं में डूबने से जीतबहान उरांव की हुई मौत

भरनो। भरनो थाना क्षेत्र अंतर्गत मारासिली गांव निवासी जितबहान उरांव (35)वर्ष की मौत कुआं में डूबने से हो गई। मृतक बीते गुरुवार की शाम से ही अपने घर से लापता हो गया था। वह कुआं में पानी भरने गया था और उसका पैर फिसलने से वह गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई, इसके बारे में किसी को पता नहीं चल पाया था,परिजनों के द्वारा उसका काफी खोज बिन किया गया पर उसका कुछ पता नहीं चल सका था, इधर रविवार की देर शाम को घर के कुछ दूरी पर स्थित एक कुआं में उसका शव तैरता हुआ देखा गया,लोगो ने इसकी जानकारी परिजनों को दी, फिर इसकी सूचना मिलने पर पंचायत के मुखिया सुकेश उरांव वहां पहुंचे और घटना की सूचना भरनो थाना की पुलिस को दिया गया। सूचना मिलने पर भरनो थाना के एएसआई प्रदीप कुमार पुलिस बल के साथ बीते रात में ही घटना स्थल पहुंचे।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना (नोटिस)

नाम– (1) सद्दाम हुसैन उर्फ लडडू खान, उम्र–35 वर्ष, पिता–अयुब अंसारी, सा0–शाहपुर एवं (2) अंकुश कुमार दुबे, उम्र–करीब 22 वर्ष, पिता–अर्जुन दुबे, सा0–किनी खुटार, दोनों थाना–चैनपुर, जिला–पलामू, राज्य–झारखण्ड आप दोनों लोगों को सूचित किया जाता है कि आप दोनों लोग धुरकी थाना कांड सं0–11/2024 दिनांक–18.01.2024, धारा–379, 384, 420, 506, 34, भा0द0वि0 के अप्रा0 अभियुक्त हैं। आप दोनों लोग उक्त काण्ड में अबतक फिरार चल रहे है। आप दोनों लोगों के विरुद्ध माननीय न्यायालय श्री कमलेश बेहरा, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, नगर उँटारी, जिला–गढ़वा, झारखण्ड के द्वारा दिनांक–14.10.2025 को इश्तिहार निर्गत किया गया है। दिनांक–16.10.2025 को आप दोनों लोगों के घर पर उपस्थित गवाहों एवं ग्रामिणों के समक्ष ढ़ोल–बाजे के साथ उक्त इश्तिहार का विधिवत तामिला किया गया है। परन्तु आप दोनों लोग अपने–अपने घर से फिरार है। उक्त इश्तिहार में आप दोनों लोगों को दिनांक–25.11.2025 तक माननीय न्यायालय श्री कमलेश बेहरा, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, नगर उँटारी, जिला–गढ़वा, झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया गया है। अतः आप दोनों लोगों को सूचित किया जाता है कि आप दोनों लोग दिनांक–25.11.2025 तक माननीय न्यायालय श्री कमलेश बेहरा, न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, नगर उँटारी, जिला–गढ़वा, झारखण्ड के न्यायालय में आत्मसमर्पण करना सुनिश्चित करें।

पुलिस अधीक्षक,
गढ़वा

PR 364600 (Police)25-26*D

OFFICE OF THE DEPUTY COMMISSIONER, LATEHAR
District Planning Office, Latehar, 829206

R.F.P
Fact Sheet (2rd Call)

	Information	Details
1	Name of the work	Second call for Request for Proposal: District Planning Office, Latehar invites proposals for Rate Contract from eligible agencies to provide Bikes for the District Police Latehar
2	Date of Publication of Bid	21/10/2025
3	Tender fee	Rs. 2000.00 (Rupees two thousand only (Non-refundable) online at https://jharkhandtenders.gov.in
4	Earnest Money to be Deposited (EMD)	25000(twenty five Thousand) online at https://jharkhandtenders.gov.in
5	Rate valid for	One year from the date of work order
6	Last date and time of Submission of Bid	29/10/2025 - 5 PM
7	Technical Bid Opening	30/10/2025 – 11 AM
8	Financial Bid Opening	After Technical Bid
9	Bid submission Place	Online - https://jharkhandtenders.gov.in/
10	Bid Opening Place	DPO Office, Latehar
11	Contact Number	Email Id: dpolatehar@gmail.com
12	Method of Selection	Cost-Based Selection (CBS) Method. Stage 1: The eligibility criteria documents, Bid Fee EMD submitted by the bidders will be evaluated in the first stage. The bidders meeting the technical evaluation criteria only will be shortlisted for further financial bid valuation. Stage 2: Out of the technically eligible bidders, the agency submitting the lowest financial bid will be awarded the project. The rates quoted by the agencies should be valid for 1 year from the issue of the RFP.

"Note -All bidders are directed to paginate every page of the documents submitted in the Technical Bid and provide an index clearly mentioning the details of each page."

District Planning Officer,
Latehar

PR 364567 Planning and Development(25-26).D

उपायुक्त–सह–जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, गढ़वा
(जिला समाज कल्याण शाखा)
ई–मेल आईडी :– awc12.monitoring@gmail.com

–: निविदा :–

वित्तीय वर्ष 2025–26 में समाज कल्याण विभाग द्वारा गढ़वा जिला में संचालित 1330 ऑगनबाड़ी केन्द्रों में निबंधित 3–6 वर्ष के बच्चों के लिए गर्म पोशाक (Winter Uniform: Sweater with Hoodie) का क्रय/आपूर्ति निर्धारित दर पर प्राप्त करने हेतु आपूर्तिकर्ता के चयन के निमित मुहरबंद निविदा दिनांक–**10.11.2025** को अपराह्न 01:00 बजे तक जिला समाज कल्याण कार्यालय, गढ़वा में आमंत्रित किया जाता है। निर्धारित समय तक प्राप्त निविदा दिनांक **10.11.2025** को ही अपराह्न 03:00 बजे जिला जिला स्तरीय क्रय/निविदा समिति के समक्ष नये समाहरणालय के सभागार (ब्लॉक–ए) में खोला जाएगा, जिसमें निविदादाता या उनके द्वारा प्राधिकृत प्रतिनिधि अपने गर्म पोशाक (Winter Uniform: Sweater with Hoodie) के नमूने के साथ भाग लेंगे। सामग्री का विवरण निम्नवत है :–

Sl.	Particulars	Specification	Rate
01	Sweater Quality	Unisex	प्रति स्वेटर 200.00 से अधिक नही होना चाहिए। (सभी कर/GST सहित)
02	Colour	Maroon	
03	Material (Blend Composition)	Acrylic – 100% (±2%)	
04	Yarn	High Bulk Yarn	
05	Neck Type	Hoodie	
06	Sleeve	Full regular sleeve	
07	Weight	225 gm & above	
08	Shrinkage or elongation on Washing (max)	4% or Better	
09	Colour fastness to Light	4% or Better	
10	Colour fastness to Washing	Change in colour 3 or Better, Stain on Adajacent Fabric 3 or Better	

अतः इच्छुक आपूर्तिकर्ता अधोहस्ताक्षरी को संबोधित निविदा तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड अलग–अलग सीलबंद लिफाफे में जिला समाज कल्याण कार्यालय, गढ़वा में दिनांक–**10.11.2025** को अपराह्न 01:00 बजे तक हाथो–हाथ/निबंधित डाक या स्पीड पोस्ट के माध्यम से जमा कर सकते है।

नोट :–उक्त निविदा से संबंधित शर्ते एवं विस्तृत जानकारी इस कार्यालय के सूचना पट्ट एवं गढ़वा जिला के अधिकारिक वेबसाईट :- www.garhwa,nic.in पर देखा जा सकता है।

ह0/–उपायुक्त,
गढ़वा

PR 364613 (Welfare)25-26*D

सुप्रभात

विचार प्रवाह

"स्त्री पृथ्वी की भाँति धैर्यवान है, शांति-संपन्न है, सहिष्णु है। पुरुष में नारी के गुण आ जाते हैं, तो वह महात्मा बन जाता है। नारी में पुरुष के गुण आ जाते हैं तो वह कुलटा हो जाती है।" - **मुंशी प्रेमचंद**

संपादकीय

गाजा युद्ध विराम से राहत

अंततोगत्वा गाजा में युद्ध विराम हो गया। बचे हुए इस्त्राइली बंधकों को हमास ने रिहा कर दिया है। इस्त्राइली सेना ने फिलहाल युद्ध रोक दिया है, जिससे संकटग्रस्त और बर्बरता से पीड़ित फलस्तीनियों तक भोजन, दवाइयां और अन्य प्रकार की राहत पहुंच सकती है। लेकिन हर समझदार व्यक्ति जानता है कि यह युद्ध विराम एक बहुत ही छोटा कदम है। शांति और न्याय का मार्ग अभी भी कठिन है, जिसके लिए और कई बाधाओं को पार करना है। यह महज संयोग ही था कि युद्ध विराम से पहले वाले सप्ताह में मैं दो किताबें पढ़ रहा था, दोनों में इस बात को लेकर प्रमुख अंश थे कि गाजा में युद्ध विराम के बाद क्या हो सकता है। ये दोनों किताबें 1980 के पहले लिखी गई थीं, जिसमें इस्त्राइल और फलस्तीन के बीच का विवाद के बारे में महज एक पन्ने में लिखा गया है। इस विवाद के 40 से अधिक साल बीत जाने के बाद भी इस संघर्ष के बारे में किताब में जो कुछ भी कहा गया है, वह आज भी प्रासंगिक है। पहली पुस्तक दक्षिण अफ्रीकी स्वतंत्रता सेनानी जो स्लोवो की आत्मकथा है। स्लोवो लिथुआनिया में जन्मे यहूदी थे, जो 1930 के दशक में यूरोप में यहूदियों पर हो रहे उत्पीड़न की वजह से परिवार सहित दक्षिण अफ्रीका आ गए। उन्होंने वहीं रहते हुए श्वेत-शासन के खिलाफ संघर्ष में भाग लिया। 1960 के दशक में उन्हें निर्वासन में जाना पड़ा और रंगभेद की समाप्ति के बाद वे दक्षिण अफ्रीका लौटे तथा नेल्सन मंडेला की कैबिनेट में आवास मंत्री बने। कुछ समय बाद कैंसर से उनका निधन हो गया। स्लोवो की आत्मकथा दो विषयों पर केंद्रित है- कम्युनिस्ट पार्टी में उनकी सक्रियता और रंगभेद विरोधी आंदोलन और गोरों के शासन की दमनकारी नीतियां। लेकिन इन सबके पहले वे बताते हैं कि उन्होंने द्वितीय विश्वयुद्ध के अंतिम चरण में इटली में सेवा की थी। युद्ध समाप्त होने के बाद वे कुछ महीनों तक यूरोप में रहे और फिर दक्षिण अफ्रीका लौटते हुए बीच में फलस्तीन में ठहरे। एक यहूदी होने के नाते वे किब्बुत्ज यानी सामुदायिक जीवन के बारे में जानने चाहते थे। 1946 में तेल अवीव की यात्रा के दौरान एक किब्बुत्ज में अपने प्रवास का वर्णन करते हुए स्लोवो लिखते हैं- "यदि इसे अलग से देखा जाए तो यह समाजवादी जीवनशैली का सुंदर उदाहरण लगता था। वहां अधिकतर वे युवक-युवतियां थे, जिनके माता-पिता पश्चिमी देशों में संपन्न यहूदी व्यापारी थे। वे आदर्शवाद और मानवता की भावना से प्रेरित थे-उन्हें विश्वास था कि केवल इच्छा-शक्ति और मानवता के बल पर आप एक फैक्ट्री या एक किब्बुत्ज में समाजवाद स्थापित कर सकते हैं।"स्लोवो आगे लिखते हैं- "ध्यान से देखने पर स्पष्ट हुआ कि इन सभी किब्बुत्जों में प्रमुख विचार यह था कि बाइबिल के अनुसार, फलस्तीन की भूमि हासिल करने के लिए हर यहूदी को 'लड़ना' चाहिए और यदि ऐसा करने के लिए पांच हजार वर्षों से वहां रह रहे लाखों लोगों को उजाड़ना भी पड़े तो कोई बात नहीं।" स्लोवो ने 1980 के दशक में लिखी अपनी स्मृतियों में इस विचारधारा के परिणामों पर टिप्पणी करते हुए लिखा-"कुछ ही वर्षों में इस्त्राइली विस्तार और एकीकरण के युद्ध शुरू हो गए। विडंबना यह रही कि 'होलोकॉस्ट' के भयावह अनुभवों को ही यहूदी राष्ट्रवादियों ने फलस्तीन के मूल निवासियों पर अपने उत्पीड़न और नरसंहार को जायज ठहराने का औजार बना लिया।" दूसरी किताब जो मैं पढ़ रहा था, वह मेक्सिको के मशहूर लेखक ओक्तावियो पाज का निबंध संग्रह 'वन अर्थ, फोर ऑर फाइन वर्ल्ड' था। पाज नोबेल पुरस्कार विजेता होने के साथ भारत में मेक्सिको के राजदूत भी रहे थे। 1983 में प्रकाशित इस पुस्तक में उन्होंने अमेरिका, लैटिन अमेरिका, भारत और मध्य-पूर्व के राजनीतिक-सांस्कृतिक विषयों पर गहन विचार किए हैं।

इस्त्राइली सेना ने फिलहाल युद्ध रोक दिया है, जिससे संकटग्रस्त और बर्बरता से पीड़ित फलस्तीनियों तक भोजन, दवाइयां और अन्य प्रकार की राहत पहुंच सकती है।

22 अक्टूबर, कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा, गोवर्धन पूजा पर विशेष

गोवर्धन पूजा : भारतीय लोक जीवन में गाय महत्ता का त्योहार

कार्तिक शुक्ल पक्ष प्रतिपदा अर्थात दीपावली के दूसरे दिन मनाया जाने वाला यह पर्व गोवर्धन पूजा के नाम से जाना जाता है। आदिकाल से गाय भारतीय लोक जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग रहा है। चूंकि भारत एक कृषि प्रधान देश के रूप में संपूर्ण विश्व में विख्यात है। कृषि कार्य में गौ वंश की उपयोगिता जग जाहिर है। गौ वंश लोक जीवन के लिए स्वास्थ्य का आधार भी माना जाता है। इतने वैज्ञानिक आविष्कारों के बावजूद भारत वर्ष में गौ वंश की उपयोगिता उसी तरह बनी हुई है। इसका सबसे प्रमुख कारण यह है कि हमारे ऋषि मुनियों ने हिंदू धर्मग्रंथों में ऐसी ऐसी लोक कथाओं का सृजन किया था जो हमारी संस्कृति का हिस्सा बन चुका है। मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम और भगवान कृष्ण दो ऐसे देव हुए जिन्होंने अपने मुखारविंद से भारतीय समाज को एक नया सूत्र दिया। ये सूत्र भी हमारी संस्कृति के प्रमुख आधार बन चुके हैं। भगवान राम के पूर्वज गौ वंश के रक्षक रहे थे। यह परंपरा भगवान राम के कालखंड में भी देखने को मिलता है। भगवान कृष्ण ने भी गौ वंश की महत्ता और रक्षा का विधान भी हम सबों को दिया। द्वापर में भगवान कृष्ण के प्रमुख बाल सखाओं में गोप जाति के ही बालक शामिल थे। हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार भगवान श्री कृष्ण ने अपने गोप बाल सखाओं को देवराज इंद्र के वर्षा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत अपनी एक उंगली में उठाकर रक्षा की थी। वहीं दूसरी ओर उन्होंने देवराज इंद्र के अहंकार को भी ध्वस्त किया था। इसलिए दीपावली के अगले दिन गोवर्धन पूजा की जाती है। लोग इसे अन्नकूट के नाम से भी जानते हैं। इस दिन देश भर के कृष्ण मंदिरों में भगवान के लिए विशेष रूप से प्रसाद का भोग लगाया जाता है। इस प्रसाद को कृष्ण भक्तों में बांटा जाता है। इस त्यौहार का भारतीय लोक जीवन में बहुत महत्व है। इस पर्व में प्रकृति के साथ मानव का सीधा सम्बन्ध दिखाई देता है। इस पर्व की अपनी मान्यता और लोककथा है। गोवर्धन पूजा में गोधन अर्थात गायों की पूजा की जाती है। हमारे शास्त्रों में वर्णित है कि गाय उसी प्रकार पवित्र होती है, जैसे नदियों में गंगा पवित्र है। गाय को माता देवी लक्ष्मी का स्वरूप भी कहा गया है। देवी लक्ष्मी जिस प्रकार सुख, समृद्धि प्रदान करती हैं, उसी प्रकार गौ माता भी अपने दूध से स्वास्थ्य रूपी धन प्रदान करती हैं। इनका बछड़ा खेतों में अनाज उगाता है। ऐसे गौ सम्पूर्ण मानव जाति के लिए पूजनीय और आदरणीय है। गोवर्धन पूजा गौ के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण त्यौहार है। आगे कथा को विस्तार देते हुए पाठकों को यह बताना चाहता हूं कि जब भगवान कृष्ण ने ब्रजवासियों को मूसलधार वर्षा से बचाने के लिए सात दिन तक गोवर्धन पर्वत को अपनी सबसे छोटी उंगली पर उठाकर रखा और गोप-गोपिकाएं उसकी छाया में सुखपूर्वक रहे थे। सातवें दिन भगवान ने गोवर्धन को नीचे रखा और प्रतिवर्ष गोवर्धन पूजा करके अन्नकूट उत्सव मनाने की आज्ञा दी। तभी से यह उत्सव अन्नकूट के नाम से मनाया जाने लगा। गोवर्धन पूजा के सम्बन्ध में एक लोकगाथा प्रचलित है कि देवराज इन्द्र को अभिमान हो गया था। इन्द्र का अभिमान चूर करने हेतु भगवान श्री कृष्ण जो स्वयं लीलाधारी श्री हरि विष्णु के अवतार हैं। उन्होंने एक लीला रची थी। प्रभु की इस लीला में यूं हुआ कि एक दिन उन्होंने देखा के सभी बृजवासी उत्तम पकवान बना रहे थे, और किसी पूजा की तैयारी में जुटे। श्री कृष्ण ने बड़े भोलेपन से मईया यशोदा से प्रश्न किया मईया ये आप लोग किनकी पूजा की तैयारी कर रहे है ? कृष्ण की बातें सुनकर मैया बोली, लल्ला! हम देवराज इन्द्र की पूजा के लिए अन्नकूट की तैयारी कर रहे हैं। मैया के ऐसा कहने पर श्री कृष्ण बोले मैया हम इन्द्र की पूजा क्यों करते हैं? मैईया ने कहा वह वर्षा करते हैं, जिससे अन्न की उपज होती है। उनसे हमारी गायों को चारा मिलता है। भगवान श्री कृष्ण बोले हमें तो गोर्वधन पर्वत की पूजा करनी चाहिए क्योंकि हमारी गाये वहीं चरती हैं, इस दृष्टि से गोर्वधन पर्वत ही पूजनीय है। इन्द्र तो कभी दर्शन भी नहीं देते व पूजा न करने पर क्रोधित भी होते हैं। अतः ऐसे अहंकारी की पूजा नहीं करनी चाहिए। आगे कथा में वर्णन है कि लीलाधारी की लीला और माया से सभी ने इन्द्र के स्थान पर गोवर्धन पर्वत की पूजा की। देवराज इन्द्र ने इसे अपना अपमान समझा और मूसलाधार वर्षा आरम्भ कर दी। प्रलय के समान वर्षा देखकर सभी बृजवासी भगवान कृष्ण को कोसने लगे कि, सब इनका कहा मानने से हुआ। तब मुरलीधर ने मुरली कमर में डाली और अपनी कनिष्ठा उंगली पर पूरा गोवर्घन पर्वत उठा लिया और सभी बृजवासियों को उसमें अपने गाय और बछड़े समेत शरण लेने के लिए बुलाया। इन्द्र कृष्ण की यह लीला देखकर और क्रोधित हुए फलतः वर्षा और तेज हो गयी। इन्द्र का मान मर्दन के लिए तब श्री कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से कहा कि आप पर्वत के ऊपर रहकर वर्षा की गति को नियंत्रित करें और शेषनाग से कहा आप मेड़ बनाकर पानी को पर्वत की ओर आने से रोकें। किन्तु इन्द्र निरन्तर सात दिनों तक मूसलाधार वर्षा करते रहे थे, तब उन्हे लगा कि उनका सामना करने वाला कोई आम मनुष्य नहीं हो सकता अतः वे ब्रह्मा जी के पास पहुंचे और सब वृतांत कह सुनाया। तब ब्रह्मा जी ने इन्द्र से कहा कि आप जिस कृष्ण की बात कर रहे हैं, वह भगवान विष्णु के साक्षात अंश हैं। वे पूर्ण पुरूषोत्तम नारायण हैं। ब्रह्मा जी के मुख से यह सुनकर इन्द्र अत्यन्त लज्जित हुए। देवराज इंद्र ने श्री कृष्ण से कहा कि प्रभु मैं आपको पहचान न सका इसलिए अहंकार वश भूल कर बैठा। आप दयालु हैं और कृपालु भी इसलिए मेरी भूल क्षमा करें। इसके पश्चात देवराज इन्द्र ने मुरलीधर की पूजा कर उन्हें भोग लगाया। उक्त पौराणिक घटना के बाद से ही गोवर्धन पूजा की जाने लगी। बृजवासी इस दिन गोवर्धन पर्वत की पूजा करते हैं। गाय बैल को इस दिन स्नान कराकर उन्हें रंग लगाया जाता है। उनके गले में नई रस्सी डाली जाती है। गाय और बैलों को गुड़ और चावल मिलाकर खिलाया जाता है। इस दिन प्रातः काल शरीर पर तेल मलकर स्नान करने का प्राचीन परम्परा है।

लोग सवेरे समय पर उठकर पूजन सामग्री के साथ में आप पूजा स्थल पर बैठ जाते हैं। वे अपने अपने कुल देव का, कुल देवी का ध्यान कर पूजा करते हैं। लोग पूरी श्रद्धा से गाय के गोबर से गोवर्धन पर्वत बनाकर उसकी पूजा करते हैं। गोवर्धन की आकृति बनाकर उनके मध्य में भगवान श्री कृष्ण की मूर्ति रखी जाती है। नाभि के स्थान पर एक कटोरी जितना गड्ढा बना लिया जाता है। और वहां एक कटोरी व मिट्टी का दीपक रखा जाता है। फिर इसमें दूध, दही, गंगाजल, मधु और बतासे इत्यादि डालकर पूजा की जाती है और फिर इसे प्रसाद के रूप में बांटा जाता है। गाय की पूजा के बाद में एक मंत्र का उच्चारण किया जाता है, जिससे लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं। जातक के घर में कभी धन की कमी नहीं रहती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आज की बात

विजय केसरी

आउटडेटेड

कभी-कभी परिवार की गर्माहट एक ठंडी हवा की तरह लगती है, जो आपको घर से बाहर धकेल देती है, ठीक वैसे ही जैसे उस छोटे से शहर के नर्सिंग होम में अभी-अभी पहुंचे बुजुर्ग कृष्णदास के चेहरे पर खिली मुस्कान ने सबको हैरान कर दिया, जहां बाकी वृद्ध उदास कोनों में बैठे अपनी यादों से जूझ रहे थे, वहां एक साथी ने हारकर पूछ ही लिया कि ऐसी जगह पर आकर वह इतने खुश कैसे दिख रहे हैं, मानो कोई त्योहार मनाने आए हों, कृष्णदास की हंसी और फैल गई, जैसे कोई पुराना राज खोल रहे हों, उन्होंने बताया कि वह सरकारी दफ्तर से क्लर्क की नौकरी से सेवानिवृत्त हुए हैं, पत्नी को दुनिया छोड़े चार साल बीत चुके, बेटी अब बड़ी कंपनी में मैनेजर है, उसके पति और बच्चों के साथ उनके बनाए उस आलीशान फ्लैट में रहती है, जहां हर कमरा चमकता है, लेकिन वह खुद तो बस एक साधारण क्लर्क थे, उनकी सादगी उस चमचमाती जिंदगी से मेल नहीं खाती, बेटी की पार्टियों में वह पुराने कुर्ते में फिट नहीं बैठते, उनके पुराने किस्से नए दोस्तों को बोरिंग लगते, और ऊपर से उनकी आदतें जैसे सुबह की चाय खुद बनाना या शाम को पुरानी किताबें पढ़ना, वह सब बेटी के आधुनिक घर में 'आउटडेटेड' लगतीं, सच तो यह है कि अकेले रहने की सारी काबिलियत उनमें है, अपना खाना बनाना, दवाइयां याद रखना, यहां तक कि छोटी-मोटी मरम्मत भी, लेकिन परिवार ने सोचा कि नर्सिंग होम में वह 'बेहतर' रहेंगे, जहां कोई उनकी देखभाल करेगा, व्यंग्य की ठंडक देखिए कि जो घर उन्होंने अपनी हड्डियां गलाकर बनाया, वह अब उनके लिए अनफिट हो गया, जैसे कोई पुराना फर्नीचर जो स्टाइल से बाहर हो गया हो, कृष्णदास हंसते हुए कहते हैं कि यहां कम से कम वह किसी की राह में रोड़ा नहीं बनते, कोई उनका इंतजार नहीं करता, कोई उनकी आदतों पर नाक-भौं सिकोड़ता नहीं, लेकिन जैसे-जैसे बात आगे बढ़ती है, उनकी हंसी में एक हल्की सी कंपकंपी आ जाती है, वह बताते हैं कि बेटी कभी-कभी फोन करती है, पूछती है 'पापा ठीक हो न', लेकिन विजिट करने का वादा हमेशा 'बिजी शेड्यूल' में टल जाता है, नाती-नातिन की तस्वीरें व्हाट्सएप पर आती हैं, लेकिन उनके हाथों में वह गर्माहट नहीं, कृष्णदास की आंखें अब चमकने लगती हैं, लेकिन हंसी से नहीं, बल्कि उन अनकहे आंसुओं से जो परिवार की इस 'देखभाल' की सच्चाई छिपाते हैं, वह याद करते हैं पत्नी के साथ बिताए वे दिन जब घर में हंसी गूंजती थी, बेटी की शादी का वह पल जब उन्होंने सब कुछ दांव पर लगाया था, लेकिन अब वह घर एक ठंडा महल है जहां उनकी जगह नहीं, सिस्टम की यह क्रूर विडंबना ऐसी है कि बुजुर्गों को 'आराम' के नाम पर अलग कर दिया जाता है, जैसे कोई पुरानी किताब को शेल्फ से हटा देना, और जैसे-जैसे शाम ढलती है, कृष्णदास की मुस्कान फीकी पड़ जाती है, वह अकेले में फुसफुसाते हैं 'मैं योग्य हूं अकेले रहने का, लेकिन क्या परिवार योग्य है मुझे रखने का', और वह आखिरी हंसी एक करुण सिसकी में बदल जाती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

व्यंग्य की बात

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

भाई दूज : प्यार, सुरक्षा व विश्वास की धारा

दीपावली की चकाचौंध अभी मन में ताज़ा है, मिठाइयों की मिठास होठों पर बसी है, और घरों में खुशियों की गूँज अब भी गुनगुना रही है। इसी रंग-बिरंगे माहौल में आता है भाई-बहन के अटूट प्रेम का पर्व – भाई दूज। यह महज़ एक त्योहार नहीं, बल्कि वह पवित्र बंधन है, जो बचपन की शरारतों, छोटी-मोटी नोकझोंक और प्यार भरी तकरार को एक गहरे विश्वास और स्नेह के रिश्ते में पिरो देता है। यह वह पल है जब बहन अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती है, उसकी लंबी उम्र और समृद्धि की कामना करती है, और भाई अपनी बहन की रक्षा का वचन देता है। यह क्षण केवल रस्म नहीं, बल्कि दिलों को जोड़ने वाली एक अनमोल यात्रा है, जो रिश्तों की नींव को और भी अटल बनाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाने वाला यह पर्व दीपावली के दो दिन बाद आता है। यह वह समय है जब परिवार फिर से एक छत के नीचे इकट्ठा होता है, और भाई-बहन का रिश्ता प्रेम, विश्वास और समर्पण के धागों से और मज़बूत होता है। पौराणिक कथाएँ इस दिन को और भी रंगीन बनाती हैं। एक कथा के अनुसार, यमराज अपनी बहन यमुनाजी के बुलावे पर उनके घर गए। यमुनाजी ने उनका तिलक कर, स्वादिष्ट भोजन से स्वागत किया। प्रसन्न होकर यमराज ने वरदान दिया कि जो भाई इस दिन अपनी बहन से तिलक करवाएगा, उसे दीर्घायु और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी। एक अन्य कथा में भगवान श्रीकृष्ण और उनकी बहन सुभद्रा का ज़िक्र है, जहाँ नरकासुर वध के बाद श्रीकृष्ण ने सुभद्रा से तिलक करवाया। ये कथाएँ बताती हैं कि भाई-बहन का रिश्ता केवल रक्त का नहीं, बल्कि स्नेह, सम्मान और ज़िम्मेदारी का एक अनमोल गठबंधन है। भाई दूज की खूबसूरती उसकी सादगी और भावनात्मक गहराई में छिपी है। सुबह-सुबह बहनें स्नान कर, पूजा की थाली सजाती हैं, जिसमें रोली, चंदन, अक्षत, फूल और मिठाइयाँ होती हैं। इस थाली के साथ वे भगवान गणेश और अन्य देवताओं की पूजा करती हैं, फिर भाई के माथे पर तिलक लगाकर उसकी लंबी उम्र और खुशहाली की प्रार्थना करती हैं। बदले में, भाई अपनी बहन को उपहार देता है – कभी मिठाई, कभी कपड़े, तो कभी उसकी पसंद की कोई खास चीज़। यह आदान-प्रदान केवल भौतिक वस्तुओं का नहीं, बल्कि भावनाओं का एक हृदयस्पर्शी लेन-देन है। कई घरों में बहनें अपने भाई के लिए विशेष व्यंजन बनाती हैं, जैसे पूरन पोली, खीर या हलवा, जो प्यार का स्वाद लिए होते हैं। कुछ समुदायों में बहनें उपवास भी रखती हैं, जो उनके समर्पण को और गहरा करता है। यह सब केवल रस्में नहीं, बल्कि उस अनमोल प्रेम का प्रतीक हैं, जो भाई-बहन के बीच जीवन भर साथ चलता है। भाई दूज का पर्व, नाम और रीति-रिवाजों में भले ही क्षेत्रों के साथ बदल जाए, मगर इसका हृदयस्पर्शी भाव हर जगह एक-सा है। उत्तर भारत में इसे 'भैया दूज', महाराष्ट्र और गोवा में 'भाऊ बीज', तो बंगाल में 'भाई फोटा' कहते हैं। हर नाम के पीछे वही अनमोल प्रेम छिपा है, जो भाई-बहन के रिश्ते को अनूठा बनाता है। यह रिश्ता बचपन की शरारतों, एक-दूसरे की टांग खींचने की मस्ती और ज़रूरत पड़ने पर ढाल बनकर खड़े होने का अनमोल मिश्रण है। यह बंधन समय और दूरी की हर दीवार को पार कर, प्रेम और विश्वास के रंगों से चमकता है। भाई दूज का महत्व केवल धार्मिक या परंपरागत नहीं, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक भी है। यह पर्व हमें परिवार की नींव और रिश्तों की गर्माहट का एहसास कराता है। आज की भागदौड़ भरी ज़िंदगी में, जहाँ रिश्तों के लिए समय निकालना चुनौती बन गया है, भाई दूज हमें ठहरकर अपनों के साथ बिताए पलों की कीमत समझाता है। यह बच्चों को परिवार के मूल्यों और ज़िम्मेदारियों का पाठ पढ़ाता है, और बड़ों को रिश्तों की मज़बूती को संजोने की प्रेरणा देता है। यह पर्व बताता है कि भाई-बहन का रिश्ता महज़ तिलक या उपहारों का आदान-प्रदान नहीं, बल्कि एक-दूसरे के प्रति अटूट समर्थन और विश्वास का प्रतीक है। आधुनिक युग में भाई दूज ने समय के साथ कदम मिलाए हैं, मगर इसकी आत्मा वही है। अब बहनें भाइयों को डिजिटल गिफ्ट कार्ड्स, गैजेट्स या ट्रेंडी उपहार देती हैं, और भाई भी अपनी बहन की पसंद को ध्यान में रखकर कुछ खास चुनते हैं। सोशल मीडिया और वीडियो कॉल ने उन भाई-बहनों को भी जोड़ा है, जो दूरी के कारण इस दिन साथ नहीं हो पाते। यह बदलाव दर्शाता है कि भाई दूज आधुनिकता के रंग में ढलकर भी अपने मूल भाव को थामे हुए है। चाहे उपहार पारंपरिक हों या आधुनिक, इस पर्व का संदेश वही है – भाई-बहन का प्रेम अटूट और अनमोल है। भाई दूज केवल घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं, बल्कि यह समाज में प्रेम और एकता का पैगाम भी फैलाता है। कई जगहों पर इस दिन सामुदायिक आयोजन और मेले लगते हैं, जो मनोरंजन के साथ-साथ समाज में सौहार्द और भाईचारे की भावना को बल देते हैं। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

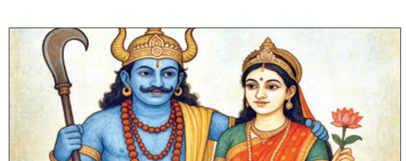

देश की बात

प्रो. आरके जैन

23 अक्टूबर : भाई दूज पर विशेष

फेसबुक वॉल से

एक्स से

आज का दोहा

धनतेरस पर धन कहाँ, भाइदौज पर भाइ?
'गोधन' बिन गोबर रखे, ऐसी नौबत आइ!!

सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृप्या भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

हिंदी सिनेमा ने खोया अपना 'अंग्रेजों का जेलर'

जब असरानी ने 20 अक्टूबर 2025 को इस दुनिया को अलविदा कहा, तो ऐसा लगा मानो सिनेमा ने अपनी सबसे आत्मीय मुस्कान खो दी हो। लेकिन उनका जाना एक अंत नहीं, एक विरासत का विस्तार है। उनकी फिल्मों के दृश्य, उनके संवाद और उनकी सरल मुस्कुराहट आने वाले कलाकारों के लिए प्रेरणा बने रहेंगे। वे हमें यह याद दिलाते हैं कि सिनेमा में हँसी का भी एक नैतिक और भावनात्मक मूल्य होता है। असरानी ने इस मूल्य को जीवनभर जिया-बिना शोर, बिना दिखावे, केवल सच्चाई और प्रेम से। असरानी भारतीय सिनेमा के उन विरले कलाकारों में से हैं जिन्होंने सिनेमा को गंभीरता और मनोरंजन के दो अलग-अलग खाँचों में नहीं बाँटा, बल्कि जीवन की जटिलताओं को सरलता से चित्रित करने की कोशिश की। असरानी की हास्य शैली की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वह परिस्थिति से उपजती थी, न कि संवाद या शारीरिक हरकतों की कृत्रिमता से। उनके संवादों में सहजता और टाइमिंग का ऐसा अद्भुत संगम होता था कि मामूली शब्द भी यादगार बन जाते थे। "हम अंग्रेजों के ज़माने के जेलर हैं"जैसा संवाद'शोले' में उनके हिटलर-प्रेरित किरदार को अमरकर गया। उस दृश्य में उन्होंने जो चेहरों के भाव और टोनका मिश्रण किया, वह इस बात का प्रमाण था कि असरानी केवल कॉमेडी नहीं कर रहे थे, बल्कि अभिनय की एक जटिल विधा को सरल बना रहे थे। उन्होंने यह दिखाया कि हास्य में अतिरंजना नहीं, बल्कि सटीकता और नियंत्रण की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। 1970 का दशक असरानी के स्वर्णकाल के रूप में देखा जा सकता है। यह वह दौर था जब ऋषिकेश मुखर्जी, हृषीकेश मुखर्जी और बासुचटर्जी जैसे निर्देशकों ने मध्यमवर्गीय जीवन को केंद्र में रखकर फिल्में बनाईं। 'गुड्डी', 'छोटी सी बात', 'चुपके चुपके' और 'अभिमान' जैसी फिल्मों में असरानी ने जो किरदार निभाए, वे इस बात के प्रतीक हैं कि हास्य जीवन की सच्चाइयों के बीच भी सहज रूप से जन्म ले सकता है। वे ऑफिस का साथी हो सकते थे, किसी चाय की दुकान पर बैठा आम आदमी, या फिर दोस्त मंडली का हल्का-फुल्का पात्र-लेकिन हर बार उनमें सच्चाई और आत्मीयता रहती थी। उनके हास्य का असर इसीलिए गहरा था क्योंकि वे कभी "मज़ाक उड़ाने"के बजाय"मुस्कान बाँटने"की कोशिश करते थे। राजेश खन्ना के साथ उनकी जोड़ी भी सिनेमा इतिहास में अनोखी थी। 'बावर्ची', 'नमक हराम', 'मेहबूबा' और 'अवतार' जैसी फिल्मों में वे नायक के साथ नहीं, उसके आस-पास की दुनिया के हिस्से के रूप में मौजूद रहते थे। पर उनका योगदान कहानी की लय को बनाए रखने में निर्णायक होता था। उनके किरदार अक्सर दर्शकों के लिए कहानी में एक "मानवीय विराम"बन जाते थे-जहाँ गंभीर भावनाओं के बीच जीवन की हँसी अपनी जगह बना लेती थी। यही संतुलन असरानी को उनके समकालीन कॉमेडियनों से अलग करता है। असरानी की कॉमेडी कभी एकरस नहीं रही। जहाँ एक ओर उन्होंने 'रफू चक्कर' और 'अमर अकबर एंथनी' में विशुद्ध मनोरंजन दिया, वहीं 'बालिका बधू' और 'कटी पतंग' जैसी फिल्मों में उनका हास्य सूक्ष्म और संवेदनशील था। वे जानते थे कि हर फिल्म, हर किरदार का अपना भावनात्मक तापमान होता है। उनकी यह समझ उन्हें हर परिस्थिति में विश्वसनीय बनाती थी। 'आज की ताज़ा खबर' और 'बालिका बधू' के लिए मिला फिल्मफेयर पुरस्कार केवल उपलब्धि नहीं, बल्कि यह प्रमाण था कि हास्य को भी कला के गंभीर रूप में स्वीकार किया जा सकता है। यदि हास्य की परंपरा में असरानी की स्थिति देखी जाए तो वे महमूद और जॉनीवॉकर के बीच की कड़ी जैसे हैं। महमूद जहाँ अपने विशाल व्यक्तित्व और शारीरिक हावभाव से हँसी पैदा करते थे, वहीं असरानी ने उसे सूक्ष्मता में ढाला। वे संवादों में, लय में और अपने चेहरे के भावों में ऐसी गहराई लाते थे कि दर्शक बिना किसी जोरदार हंसी के भी मुस्कुरा उठते थे। बाद की पीढ़ी के कॉमेडियनों-जॉनी लीवर, राजपाल यादव, संजय मिश्रा-ने भी इस शैली को आगे बढ़ाया, जिसमें अभिनय और हास्य एक-दूसरे में विलीन हो जाते हैं। उनकी कॉमिकटाइमिंग का रहस्य शायद उनकी अनुशासनप्रियता और अवलोकन शक्ति में छिपा था। उन्होंने एक बार कहा था, "कॉमेडी में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि तुम दूसरों को हँसाओ, लेकिन खुद को चरित्र से बाहर न आने दो।"यही कारण है कि उनके किरदार कभी कार्टून नहीं बनते थे।वे हँसी के भीतर करुणा की परतें छोड़ जाते थे।'छोटीसी बात' के उनके ऑफिस साथी का किरदार हो या 'अभिमान' का मज़ाकिया बैंडमास्टर, हर जगह वे जीवन की मामूली खुशियों और छोटी निराशाओं का चेहरा बन जाते थे। **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

अलग बात

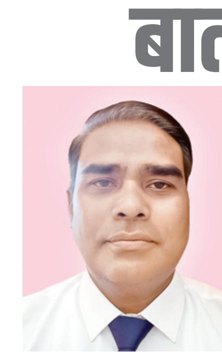

महेन्द्र तिवारी

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में धर्म निभाते हुए अन्याय का बदला लिया

एजेंसी । नई दिल्ली

अपने दिवाली संदेश में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत ने 7 से 10 मई तक चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के दौरान न केवल धर्म का पालन किया, बल्कि अन्याय का बदला भी लिया। यह ऑपरेशन पहलगाम आतंकी हमले का कड़ा जवाब था। प्रधानमंत्री मोदी ने इसे भगवान श्री राम की शिक्षाओं से जोड़ा, जिनके आदर्श नैतिक मूल्यों को बनाए रखते हुए अन्याय से लड़ने का साहस प्रदान करते हैं। अयोध्या में राम मंदिर के भव्य निर्माण के बाद यह दूसरी दिवाली है। इस साल की दिवाली इसलिए खास है क्योंकि भारत के कई दूरदराज के जिलों में पहली बार दीप जलाए जाएँगे जहाँ नक्सलवाद और माओवादी आतंकवाद का पूरी तरह से सफाया हो चुका है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे कई पूर्व उग्रवादी अब भारत के संविधान में विश्वास दिखाते हुए मुख्यधारा के विकास में शामिल हो गए हैं।

'अगली पीढ़ी के सुधार' : प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में हुए "अगली पीढ़ी के सुधारों" का भी उल्लेख किया, जिसमें नवरात्रि से पहले जीएसटी दरों में कमी का कार्यान्वयन भी शामिल है। ये सुधार नागरिकों के हजारों करोड़ रुपये बचाने, जीवन को आसान बनाने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में मदद कर रहे हैं। वहीं, प्रधानमंत्री ने नागरिकों से स्वदेशी उत्पादों को गर्व से अपनाने और "एक भारत, श्रेष्ठ भारत" की भावना को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने सभी भाषाओं के सम्मान, स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को प्रोत्साहित किया। उन्होंने बेहतर स्वास्थ्य के लिए तेल की खपत में 10% की कमी लाने और योग को अपनाने का सुझाव दिया, जो भारत की विकास यात्रा को गति प्रदान करेंगे।

पीएम मोदी का दिवाली का अर्थ

प्रधानमंत्री मोदी ने दिवाली के गहरे अर्थ को भी साझा किया कि जब एक दीया दूसरे दीये को जलाता है, तो प्रकाश और भी प्रखर होता है। उन्होंने सभी से इस प्रकाश पर्व के दौरान समाज में सद्भाव, सहयोग और सकारात्मकता फैलाने का आग्रह किया।

तमिलनाडु में भारी बारिश से दिवाली की रौनक फीकी

कई जिले प्रभावित, अगले 4 दिन 'ऑरेंज अलर्ट'

नई दिल्ली । सोमवार को तमिलनाडु में मूसलाधार बारिश हुई, जिससे दिवाली का उत्साह थोड़ा फीका पड़ गया। सबसे ज्यादा असर तूतीकोरिन शहर पर पड़ा, जहां रात भर में 8 सेंटीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। इससे कई निचले इलाके पानी में डूब गए और शहर के कुछ हिस्सों में घरों के अंदर पानी घुस गया। तूतीकोरिन के अलावा, नीलगिरी, इरोड, थेनी, विरुधुनगर और तिरुनेलवेली में भी तेज बारिश हुई, क्योंकि दक्षिणी राज्य में उत्तर-पूर्वी मानसून अब जोर पकड़ चुका है। मौसम विभाग के अनुसार, कुन्नूर, बुर्लियार और पेरियाकुलम में लगभग 9 से 10 सेंटीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं, इरोड में कोडिवेरी, तिरुनेलवेली में सर्वलार और तूतीकोरिन रेलवे स्टेशन पर 8-8 सेंटीमीटर बारिश दर्ज हुई। अधिकारियों ने बताया कि लगातार बारिश के चलते राज्य के कई बड़े जलाशयों (बांधों) में पानी का भंडारण लगभग अपनी पूरी क्षमता तक पहुंच गया है।

चक्रवात का अनुमान : भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने बताया है कि दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र (निम्न दाब) अगले 24 घंटों में पश्चिम की ओर बढ़ते हुए एक अवदाब (डिप्रेशन) में बदल सकता है। इसके अलावा, अगले 24 घंटों के भीतर दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक और निम्न दाब प्रणाली बनने की संभावना है, जो अगले 48 घंटों में डिप्रेशन में बदल सकती है। अगले चार दिनों तक तटीय तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में बारिश बढ़ने की संभावना है। सोमवार और मंगलवार के लिए, पुडुचेरी, कराईकल और रामनाथपुरम, तंजावुर, नागपट्टिनम, मयिलादुथुराई, कुड्डालोर जिलों के लिए 'भारी से बहुत भारी वर्षा' (ऑरेंज अलर्ट) जारी किया गया है। चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर, कांचीपुरम, थूथुकुडी, विल्लुपुरम, अरियालुर और पेरम्बलुर जिलों में भी भारी बारिश का अनुमान है। बुधवार और गुरुवार के बीच, तिरुवल्लूर, चेन्नई, चेंगलपट्टू, रानीपेट और वेल्लोर जैसे उत्तरी जिलों में बहुत भारी बारिश होने की आशंका है।

दिवाली बोनस न मिलने पर कर्मचारियों का 'फ्री टोल' आंदोलन

आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर लाखों वाहन मुफ्त में गुजरे

दिवाली बोनस न मिलने से नाराज कर्मचारियों के हड़ताल पर चले जाने के बाद रविवार को आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक अनोखी घटना हुई। फतेहाबाद टोल प्लाजा पर कर्मचारियों ने टोल बैरियर हटा दिए, जिसके बाद हजारों वाहन बिना कोई टोल दिए एक्सप्रेसवे से गुजर गए। घटनास्थल से मिली तस्वीरों में साफ दिख रहा है कि वाहन बिना कोई टैक्स चुकाए आराम से टोल बूथ पार कर रहे थे। यह एक बड़ी घटना है, जिससे केंद्र सरकार को लाखों रुपये का बड़ा नुकसान होने का अनुमान है। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश का एक अहम मार्ग है, जो आगरा और लखनऊ को सीधे जोड़ता है। यह यमुना एक्सप्रेसवे के जरिए दिल्ली और एनसीआर से भी जुड़ा हुआ है।

कर्मचारियों ने सुनाई अपनी परेशानी : हड़ताल कर रहे कर्मचारियों में से एक ने अपनी परेशानी बताते हुए कहा, 'मैं पिछले एक साल से कंपनी के साथ काम कर रहा हूं, लेकिन इन्होंने हमें कोई बोनस नहीं दिया है। हम बहुत मेहनत करते हैं, लेकिन हमें समय पर सैलरी भी नहीं मिलती है। अब कंपनी कह रही है कि वे कर्मचारियों को बदल देंगे, पर हमें बोनस नहीं देंगे। ये कर्मचारी श्रीसाई और दातार कंपनी के लिए काम करते हैं। कुछ कर्मचारियों ने दावा किया कि उन्हें पिछले हफ्ते दिवाली पर बोनस मिलने का पक्का भरोसा दिया गया था। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। वहीं, इसके बाद गुस्साए कर्मचारियों ने रविवार रात को टोल बूथ का बैरियर खोल दिया और वहीं धरने पर बैठ गए। यह धरना लगभग 10 घंटे तक चला। अधिकारियों के दखल देने और कर्मचारियों को बोनस देने का आश्वासन मिलने के बाद यह प्रदर्शन आखिरकार खत्म हुआ और टोल वसूली शुरू हो पाई।

राष्ट्रपति भवन के करीब मामूली आग से हड़कंप, त्वरित कार्रवाई से बड़ा टला खतरा

नई दिल्ली । दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि मंगलवार दोपहर राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 31 के पास एक इमारत में आग लग गई, जिसके बाद अधिकारियों ने तुरंत कार्रवाई की। अधिकारियों के अनुसार, दो मंजिला इमारत के भूतल पर घरेलू सामान में लगी आग की सूचना दोपहर 1:51 बजे मिली। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति भवन परिसर से मामूली आग लगने की सूचना मिली। नर्मदा अपार्टमेंट के फ्लैट नंबर 19 और राष्ट्रपति भवन के गेट नंबर 31 में आग लगने की सूचना मिली। दोपहर 2:15 बजे आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि पाँच दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया और 20 मिनट के भीतर आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। डीएफएस अधिकारी ने कहा कि हमने पांच दमकल गाड़ियों को मौके पर भेजा।

आज का राशिफल

मेष : गणेशजी कहते हैं कि आज आप और आपका पार्टनर एक साथ मूव इन के बारे में सोच सकते हैं। हालांकि मूड बदलने और खुशमिजाज बनाने के लिए, रुटीन में बदलाव के लिए आप किसी खूबसूरत जगह पर छुट्टियां मनाने या किसी साहसिक रोमांचक यात्रा की योजना बना सकते हैं।

वृष : गणेशजी कहते हैं कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप अपने सबंध पर जिद्दीपन को हावी न होने दें। आपका पार्टनर समझौते के मूड में नही है। इसलिए आपको ही समझदारी और लचीले रवैये से काम लेना होगा। आपके इस कदम से आपकी रोमांटिक लाइफ में भी सुधार आएगा।

मिथुन : गणेशजी कहते हैं कि इस समय आपको अपने संबंधों से एक कदम पीछे हटकर अपने जीवन की बड़ी तस्वीर को ध्यान से देखना चाहिए। आप पायेंगे कि आप एक तरह की भूलभुलैया में फंसे हुए है और इससे आप यह तक भी नही समझ पा रहे कि आप वास्तव में अपने सबंध से क्या अपेक्षा रखते हैं।

कर्क : गणेशजी कहते हैं कि आज का दिन अपने परिवार के साथ बिताएं। आप परिवार से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण काम भी पूरा कर सकते हैं। अपने बच्चों को खिलाने या उनकी मनपसंद जगह पर पिकनिक के लिए ले जाएं। अपने माता-पिता या बहन-भाइयों के साथ भी समय बिता सकते हैं।

सिंह : गणेशजी कहते हैं कि आप किसी भी सबंध के भावनात्मक पक्ष से अधिक जुड़े रहते हैं और इसीलिए यह नहीं समझ पा रहे कि सबंध जरुरी होता है। आपको किसी ऐसे के करीब आने का मौका मिलेगा जिसके आप लम्बे समय से प्रशंसक हैं। आप उसके साथ बहुत ख़ुशी महसूस करेंगे।

कन्या : गणेशजी कहते हैं कि आप अपने पार्टनर के साथ बेहतर समझ बनाने के बारे में खुद से सवाल कर सकते हैं। आप इसी समय किसी और से भी प्रभावित हैं लेकिन यह केवल एक क्षणिक आकर्षण है। आपका पार्टनर बहुत अच्छा है और आपको इन्हीं के साथ रहना है।

तुला : 0 गणेशजी कहते हैं कि दिन की शुरुआत अच्छी होगी। आपके निजी सबंध में आपके पार्टनर की ख़ुशी और हंसी की रौनक बिखरी रहेगी। आपने अपनी निजी जिंदगी में मुश्किल दौर देखा है इसीलिए अब आपको अपने पार्टनर के साथ घूमना फिरना और उनके साथ होने का आनंद लेना चाहिए।

वृश्चिक : गणेशजी कहते हैं कि आपको और आपके पार्टनर को एक साथ अच्छा समय बिताये हुए काफी समय बीत गया है। अपने व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद अपने पार्टनर के लिए कुछ समय निकालें। अपने पार्टनर के लिए कुछ उपहार या कोई काम आने वाली चीज भी खरीद सकते हैं।

धनु : गणेशजी कहते हैं कि आज आपका साथी आपको आश्चर्य चकित कर सकता है। लालसा और अकेलेपन का आज अंत होगा। आप अपने रिश्ते में एक कदम आगे की और बढ़ना चाहते है, लेकिन अपने साथी के साथ इस बारे में विचार विमर्श कर लें क्यों की ये अच्छा है।

मकर : गणेशजी कहते हैं कि आप थोड़े समय चलने वाले अस्थाई किस्म के संबंधों से ही संतुष्ट हो जाते हैं लेकिन अब आपमें भी सच्चा प्यार पाने की इच्छा जाग उठी है। आपको थोडा जल्दी गुस्सा आ जाता है। यह आपके सच्चा रिश्ता बनाने के रास्ते में बाधा का काम करता है।

कुंभ : गणेशजी कहते हैं कि दिन की शुरुआत अच्छी होगी। आपके निजी सबंध में आपके पार्टनर की ख़ुशी और हंसी की रौनक बिखरी रहेगी। आपने अपनी निजी जिंदगी में मुश्किल दौर देखा है इसीलिए अब आपको अपने पार्टनर के साथ घूमना फिरना और उनके साथ होने का आनंद लेना चाहिए।

मीन : गणेशजी कहते हैं कि आपके दिमाग में अब प्यार रोमांस का जादू छाया हुआ है और अगर आप अकेले हैं तो अब आप गंभीरता से कोई रोमांटिक पार्टनर ढूँढना शुरु करेंगे। किसी भी स्थिति में, सबंध के मामले में आज बड़े बदलावों की संभावना है।

डैमेज कंट्रोल की कोशिशों के बीच महागठबंधन अंदरूनी कलह और अविश्वास से हो रहा कमजोर

सीट बंटवारे की खींचतान के बाद राजद-कांग्रेस में मतभेद गहराए, अब नुकसान की भरपाई में जुटे दोनों दल

एजेंसी । नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में सीटों के बंटवारे को लेकर हुई खींचतान और हेमंत सोरेन की झारखंड मुक्ति मोर्चा) के बाहर होने के बाद अंदरूनी कलह से जूझ रहे महागठबंधन के सहयोगी दल राजद और कांग्रेस, राज्य में कई सीटों पर अपने उम्मीदवारों के एक-दूसरे के खिलाफ खड़े होने के बाद, नुकसान की भरपाई में जुट गए हैं। यह बात सोमवार को दूसरे चरण के नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सामने आई। इसके बाद 243 सदस्यीय बिहार विधानसभा की 121 सीटों पर कुल 1,314 उम्मीदवार मैदान में बचे हैं। इन सीटों के लिए 6 नवंबर को मतदान होगा। चुनाव आयोग ने कुल 61 नामांकन वापस ले लिए और 300 से ज्यादा नामांकन खारिज कर दिए।

राजद ने 143 उम्मीदवार उतारे, कांग्रेस से टकराव से बचा : विपक्षी गठबंधन का नेतृत्व करने वाली और पिछले दो विधानसभा चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी रही राजद ने 143 उम्मीदवारों की सूची तब जारी की जब ज़्यादातर उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित हो चुके थे और उन्होंने नामांकन पत्र दाखिल कर दिए थे। पार्टी ने बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश कुमार राम के खिलाफ आरक्षित कुटुम्बा विधानसभा क्षेत्र में उम्मीदवार न उतारकर कांग्रेस के साथ सीधे टकराव से बचा लिया। हालाँकि, लालगंज, वैशाली और कहलगाँव में राजद के उम्मीदवार कांग्रेस उम्मीदवारों से भिड़ेंगे। वहीं, इससे पहले, तारापुर में, जहाँ एनडीए ने भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को मैदान में उतारा है, राजद का मुकाबला पूर्व राज्य मंत्री मुकेश सहनी की विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) से होने की संभावना थी, और गौरा बोराम में भी। तारापुर में, वीआईपी ने घोषणा की कि वह उनके उम्मीदवार सकलदेव बिंद का समर्थन नहीं करेगी।

वे सीटें जहां महागठबंधन में आमने-सामने की टक्कर होगी

बछवाड़ा, राजापाकर और रोसड़ा में भी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के भीतर अंदरूनी कलह की आशंका है, जहाँ कांग्रेस और भाकपा दोनों ने अपने उम्मीदवार उतारे हैं। राजापाकर, जो वर्तमान में कांग्रेस के पास है, वहाँ से मौजूदा विधायक प्रतिमा कुमारी दास अपनी सीट बचाएँगी। कांग्रेस कुल 61 सीटों पर चुनाव लड़ रही है, जो 2020 की तुलना में पाँच कम है, जब उसने केवल 19 सीटें जीती थीं। उस समय पार्टी के खराब प्रदर्शन को महागठबंधन के बहुमत हासिल करने में विफलता का एक प्रमुख कारण बताया गया था। राजद को परिहार में विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है, जहाँ पार्टी की महिला शाखा की प्रमुख रितु जायसवाल ने निर्दलीय के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया है।

महागठबंधन के अन्य दलों द्वारा चुनाव लड़ी जा रही सीटों की संख्या

विकासशील इंसान पार्टी, जिसका निवर्तमान विधानसभा में कोई विधायक नहीं है, लेकिन जिसने पहले 40-50 सीटों की माँग की थी और वादा किया था कि अगर तेजस्वी यादव अगली सरकार बनाते हैं तो मुकेश साहनी उपमुख्यमंत्री बनेंगे, ने एक बड़ी रियायत दी और 16 निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव लड़ने पर सहमति व्यक्त की। भाकपा (माले) लिबरेशन, जिसकी 2020 में महागठबंधन में सबसे ज़्यादा सफलता दर रही थी—जिसने 19 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से 12 पर जीत हासिल की थी—इस बार अति-महत्वाकांक्षी न होते हुए 20 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। भाकपा, जिसके दो विधायक हैं, पार्टी कार्यालय सचिव इंदु भूषण वर्मा के अनुसार, नौ सीटों पर चुनाव लड़ रही है। माकपा के बिहार राज्य सचिवालय सदस्य मनोज चंद्रवंशी ने कहा कि उनकी पार्टी, जिसके भी दो विधायक हैं, चार सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

बिहार चुनाव : 20 साल के विकास का रिपोर्ट कार्ड और 1 करोड़ नौकरियों का वादा, यह है नीतीश की रणनीति?

बिहार विधानसभा चुनाव 6 और 11 नवंबर को दो चरणों में होने हैं और नतीजे 14 नवंबर को घोषित किए जाने हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने 20 साल के शासन के रिकॉर्ड को उजागर करते हुए एक ज़ोरदार अभियान शुरू किया है और साथ ही प्रमुख मतदाता वर्गों का समर्थन हासिल करने के उद्देश्य से कई कल्याणकारी योजनाओं का अनावरण भी किया है। मुज़फ़्फ़रपुर में एक रैली को संबोधित करते हुए, नीतीश कुमार ने 2005 से पहले के बिहार की अराजकता और अपने नेतृत्व में हुई प्रगति के बीच एक स्पष्ट अंतर पेश किया।नीतीश कुमार ने कहा कि लोग शाम के बाद बाहर नहीं निकलते थे। संघर्ष था, शिक्षा की स्थिति खराब थी, और सड़कें या बिजली बमुश्किल ही मिलती थीं। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन जब हमें मौका मिला, हमने सबके लिए काम किया। आज बिहार में शांति, भाईचारा और विकास है। मुख्यमंत्री ने रोज़गार का एक बड़ा वादा भी किया, जिसमें दावा किया गया कि 50 लाख युवाओं को सरकारी नौकरी दी जा चुकी है।

जीतन राम मांझी का महागठबंधन पर हमला निजी स्वार्थों से भरा गठबंधन, एकता महज दिखावा

चुनावी राज्य बिहार में कुछ सीटों पर महागठबंधन के 'दोस्ताना मुकाबले' की संभावना के बीच, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतन राम मांझी ने मंगलवार को कहा कि विपक्षी गठबंधन में मतभेद उनके निजी स्वार्थों का नतीजा हैं। मांझी ने कहा कि कांग्रेस, राजद या हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (भारत) गठबंधन में शामिल लोग अपने निजी स्वार्थों के लिए हैं... जहाँ निजी स्वार्थों की बात आती है, वहाँ मतभेद होना स्वाभाविक है... अब वे (महागठबंधन) कह रहे हैं कि वे कई सीटों पर दोस्ताना मुकाबला कर रहे हैं। क्या ऐसा हो भी सकता है? जनता चुनावों में इसका जवाब देगी।

बिहार में 'महागठबंधन' का महायुद्ध : 12 सीटों पर अपनों से ही लड़ेंगे आरजेडी-कांग्रेस-लेफ्ट

पटना । बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के लिए सोमवार को नामांकन प्रक्रिया समाप्त होने के साथ ही, सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) और विपक्षी महागठबंधन दोनों ने अपनी तैयारियाँ तेज़ कर दी हैं। हालाँकि, महागठबंधन सीटों के बंटवारे पर आम सहमति बनाने में विफल रहा है और महागठबंधन के सहयोगी कई सीटों पर सीधे मुकाबले में होंगे। राष्ट्रीय जनता दल (राजद), कांग्रेस, विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) वैशाली, सुल्तानगंज और बछवाड़ा सहित 12 सीटों पर आमने-सामने होंगे। हालाँकि, यह अनिश्चितता 23 अक्टूबर को समाप्त हो सकती है, जो दूसरे चरण के लिए उम्मीदवारों के नाम वापस लेने की अंतिम तिथि है।

राजनाथ सिंह का सुरक्षा एजेंसियों को मंत्र

संसाधनों का इष्टतम उपयोग और बेहतर समन्वय ही राष्ट्र की ढाल

एजेंसी । नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को राष्ट्रीय संसाधनों के इष्टतम उपयोग की आवश्यकता पर ज़ोर देते हुए कहा कि यह सुरक्षा एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और एकीकरण से ही प्राप्त किया जा सकता है। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर एक सभा को संबोधित करते हुए, सिंह ने इस बात पर ज़ोर दिया कि समाज और पुलिस एक-दूसरे पर निर्भर हैं और सुरक्षा तंत्र को और अधिक मज़बूत व सतर्क बनाने के लिए दोनों के बीच संतुलित संबंध बनाए रखने के महत्व पर बल दिया। रक्षा मंत्री ने कहा कि पुलिस व्यवस्था तभी प्रभावी ढंग से काम कर सकती है जब नागरिक भागीदार बनकर काम करें और कानून का सम्मान करें। जब समाज और पुलिस के बीच संबंध आपसी समझ और ज़िम्मेदारी पर आधारित होते हैं, तो दोनों ही समृद्ध होते हैं। उन्होंने नागरिकों से आंतरिक सुरक्षा को मज़बूत करने और एक सुरक्षित एवं सामंजस्यपूर्ण समाज सुनिश्चित करने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों के साथ सहयोग करने का आग्रह किया।

इस कार्यक्रम में बोलते हुए, रक्षा मंत्री ने शहीद वीरों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और राष्ट्र के प्रति उनकी सेवा के लिए पुलिस और अर्धसैनिक बलों के प्रति आभार व्यक्त किया। 1959 में आज ही के दिन लद्दाख के हॉट स्प्रिंग्स में भारी हथियारों से लैस चीनी सैनिकों द्वारा किए गए घात लगाकर किए गए हमले में 10 बहादुर पुलिसकर्मियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी।

उन्होंने सशस्त्र बलों और पुलिस बलों को राष्ट्रीय सुरक्षा के स्तंभ बताते हुए कहा कि जहाँ सशस्त्र बल देश और उसकी भौगोलिक अखंडता की रक्षा करते हैं, वहीं पुलिस बल समाज और सामाजिक अखंडता की रक्षा करते हैं। सिंह ने कहा, "सेना और पुलिस अलग-अलग मंचों पर काम करते हैं, लेकिन उनका मिशन एक ही है - राष्ट्र की रक्षा करना। 2047 तक विकसित भारत की ओर बढ़ते हुए, राष्ट्र की बाहरी और आंतरिक सुरक्षा में संतुलन बनाना पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है।

रेवंत रेड्डी का माओवादियों से आग्रह नक्सलवाद छोड़ राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें

नई दिल्ली । तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने मंगलवार को सक्रिय माओवादी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आत्मसमर्पण कर मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की और उनसे राष्ट्र के विकास में भागीदार बनने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने कहा कि तेलंगाना अतीत में माओवादी और आतंकवादी गतिविधियों से पीड़ित रहा है। राज्य पुलिस द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस हाल के दिनों में राज्य में तेजी से घट रही आतंकवादी और नक्सली गतिविधियों का परिणाम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कई प्रमुख माओवादी पहले ही आत्मसमर्पण कर चुके हैं।

मैं सभी सक्रिय माओवादी नेताओं और कार्यकर्ताओं से पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील करता हूं। मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि माओवादियों को नक्सली विचारधारा को त्यागकर राष्ट्र निर्माण और देश के विकास में भागीदार बनना चाहिए।

एयरफोर्स रैंकिंग में भारत आगे निकला तो चीनी मीडिया बौखलाया

कहा- रैंकिंग कागजों पर नहीं, क्षमताओं के आधार पर होनी चाहिए

एजेंसी । बीजिंग

दुनिया की एयरफोर्स पावर की एक नई रैंकिंग में भारत को तीसरा स्थान मिला है। भारत से आगे सिर्फ अमेरिका और रूस हैं, जबकि चीन चौथे स्थान पर है। इसे लेकर चीन का सरकारी मीडिया बौखला गया है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के मुखपत्र ग्लोबल टाइम्स ने चीनी मिलिट्री एक्सपर्ट झांग जुन्शे के हवाले से लिखा कि इस रैंकिंग को गंभीरता से नहीं लिया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि केवल वास्तविक युद्ध क्षमता ही किसी सेना की असली ताकत दिखाती है, कागज पर दिखाया गया आंकड़ा नहीं। ग्लोबल टाइम्स लिखता है कि भारतीय वायुसेना अपने विमान और उपकरण अमेरिका, रूस और बाकी देशों से खरीदती है। इससे पता चलता है कि भारत की विदेश और सुरक्षा नीतियां कितनी जटिल हैं। झांग ने कहा कि अमेरिकी और भारतीय मीडिया की हाइप का मकसद चीन-भारत प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना हो सकता है और यह गलतफहमी की खतरनाक चेन शुरू कर सकता है।

भारत के पास विमान कम, ऑपरेशन क्षमता ज्यादा : भारत के पास कुल विमानों की संख्या चीन से कम है, लेकिन

ऑपरेशन क्षमता कहीं अधिक है। इसका कारण है भारतीय वायुसेना का संतुलित बेड़ा, बेहतर प्रशिक्षण और आधुनिक हथियार प्रणाली। भारत के पास 1,716 एयरक्राफ्ट हैं, जिनमें 31.6% फाइटर जेट्स, 29% हेलिकॉप्टर और 21.8% ट्रेनर एयरक्राफ्ट शामिल हैं।

भारत ने पायलट ट्रेनिंग, फ्लेक्सिबल डिप्लॉयमेंट और क्विक मिशन एक्जीक्यूशन पर फोकस किया है। इसे बैलेंस्ड माना गया है। वहीं, चीन के पास 3,733 एयरक्राफ्ट हैं, इनमें 68.7% फाइटर्स, 24.4% हेलिकॉप्टर और 10.7% टेनर्स है। चीन के पास बहुत सारे लड़ाकू विमान हैं, लेकिन ट्रेनर और हेलिकॉप्टर की संख्या कम है। ऐसे में उसकी गुणवत्ता और संचालन क्षमता अपेक्षाकृत कमजोर मानी गई है।

रैंकिंग में चीन से 5 पाइंट आगे भारत

यह रैंकिंग वर्ल्ड डायरेक्टरी ऑफ मॉडर्न मिलिटरी एयरक्राफ्ट ने बनाई है। यह संस्था दुनिया के 48 हजार से ज्यादा विमानों पर नजर रखती है। डब्ल्यूडीएमएमए की रैंकिंग में आकलन के लिए ट्रूवैल रेटिंग का इस्तेमाल होता है। डब्ल्यूडीएमएमए रैंकिंग में 103 देशों और 129 एयर सर्विसेज (आर्मी, नेवी और मरीन एविएशन ब्रांच) को शामिल किया गया है। न्यूज़वीक के मुताबिक, रैंकिंग में भारत का ऊपर आना एशिया के रणनीतिक संतुलन में बदलाव का संकेत है।

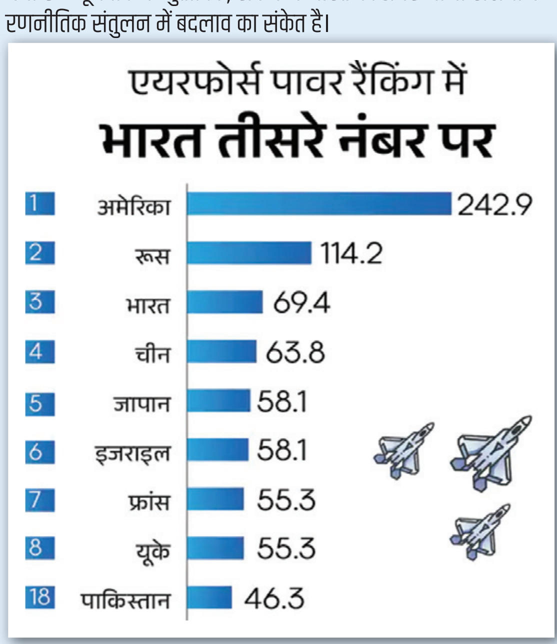

इसमें सिर्फ विमानों की संख्या नहीं देखी जाती, बल्कि कई कारक शामिल होते हैं। इनमें प्रमुख हैं,

- विमान की उन्नत तकनीक और आधुनिकीकरण
- ऑपरेशनल ट्रेनिंग और तैयारी
- लॉजिस्टिक सपोर्ट और रखरखाव
- घरेलू उत्पादन क्षमता
- मिशन विविधता

खार्तूम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ड्रोन हमला

एजेंसी। खार्तूम

खार्तूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे और सूडानी राजधानी के कई क्षेत्रों पर मंगलवार सुबह ड्रोन से हमला किया गया। यह हमला हवाई अड्डे से घरेलू उड़ानें फिर से शुरू होने से ठीक एक दिन पहले किया गया। एक सैन्य सूत्र ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया, "आज भोर में खार्तूम हवाई अड्डे पर पांच आत्मघाती ड्रोन के जरिए हमला किया गया।" सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया, "जमीन पर स्थित विमान-रोधी प्रणालियों ने सभी ड्रोन मार गिराए जिससे सीमित नुकसान हुआ। हवाई अड्डे के एक अन्य सूत्र ने बताया कि हमले में कई कर्मचारियों और एक नागरिक सुरक्षा अधिकारी को मामूली चोटें आईं। स्थानीय निवासियों के मुताबिक राजधानी के विभिन्न इलाकों में कई जगह विस्फोट हुए जिनकी उन्होंने आवाजें सुनीं। पूर्वी नील क्षेत्र के एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा, "हमने लगभग 11 ड्रोनों की आवाजें सुनीं, जिसके बाद लगातार विस्फोट हुए।" हालांकि इसे लेकर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। सोमवार को, सूडानी नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने घोषणा की कि खार्तूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा बुधवार से घरेलू उड़ानें फिर से शुरू करेगा। चल रहे संघर्ष के दौरान हवाई अड्डे को भारी नुकसान हुआ है, और 15 अप्रैल, 2023 को युद्ध शुरू होने पर अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के सबसे पहले हमला किए गए ठिकानों में से एक यह था।

सुशासन में भेदभाव नहीं, 'लाड़ली बहनों' का पैसा डकार गए 12,431 पुरुष

ब्यूरो

नई दिल्ली। महाराष्ट्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण योजना' महिलाओं को आर्थिक मदद देने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। परंतु हाल ही में सामने आए आरटीआई और पत्रकारिता जांच से खुलासा हुआ है कि इस योजना का लाभ 12,431 पुरुषों ने भी उठाया है, जो कि योजना की मूल भावना के खिलाफ है। योजना के तहत पात्र महिलाओं को हर माह 1500 की सहायता दी जाती है। इन अनियमितताओं का पर्दाफाश 'द इंडियन एक्सप्रेस' के पत्रकार वल्लभ ओजारकर ने किया, जिन्होंने आरटीआई और फील्ड रिपोर्टिंग के जरिए इस पूरे मामले को सामने लाया। आरटीआई के जरिए प्राप्त जानकारी के अनुसार, ये पुरुष 13 महीनों तक यह राशि पाते रहे। इसी के साथ 77,980 महिलाओं को भी अपात्र घोषित किया गया है, जिन्हें 12 महीनों तक गलत तरीके से पैसे दिए गए। इन अनियमित लाभों का कुल मूल्य लगभग 164.52 करोड़ बैठता है – जिनमें पुरुष लाभार्थियों को 24.24 करोड़ और अपात्र महिलाओं को 140.28 करोड़ की राशि दी गई। यह योजना अगस्त 2024 में शुरू की गई थी, विधानसभा चुनाव से मात्र 4 महीने पहले। प्रचार अभियान के लिए सरकार ने 199.81 करोड़ खर्च किए थे। फिलहाल राज्य में लगभग 2.41 करोड़ महिलाएं इस योजना से लाभान्वित हो रही हैं, जिससे सरकार पर हर माह लगभग 3700 करोड़ का बोझ आता है। एक अलग आरटीआई में खुलासा हुआ कि योजना का अनुचित लाभ उठाने वालों में कम से कम 2,400 सरकारी कर्मचारी भी शामिल हैं। इनमें कई विभागों के कर्मचारी हैं:

सामाजिक कल्याण विभाग	219
आदिवासी विकास	47
कृषि विभाग	128
आयुर्वेद निदेशालय	817
जिला परिषद	1,183

अन्य विभागों में कृषि, पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन शामिल हैं। इन कर्मचारियों के विरुद्ध

एआई जेनरेटेड

अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है, लेकिन अब तक धनवसूली या कानूनी कार्यवाही की प्रक्रिया शुरू नहीं की गई है।

राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने 25 अगस्त को एक पोस्ट में कहा था कि करीब 26 लाख लाभार्थी पात्रता मानदंडों को पूरा नहीं करते। इनकी पुष्टि के लिए फिजिकल वेरिफिकेशन शुरू कर दिया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, "यह तो सिर्फ 'आइसबर्ग की नोक' है। जैसे-जैसे वेरिफिकेशन आगे बढ़ेगा, यह संख्या और भी बढ़ सकती है।" इसी के चलते जून-जुलाई 2025 में 26.34 लाख संदिग्ध खातों में भुगतान को रोक दिया गया है। अधिकारियों ने यह भी माना कि योजना के क्रियान्वयन के दौरान जांच और संतुलन की प्रक्रिया कमजोर रही, जिससे पुरुष लाभार्थी भी योजना में शामिल हो गए। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, जुलाई 2024 से जुलाई 2025 तक इन पुरुषों को 1500/माह की दर से भुगतान किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग ने यह भी स्पष्ट किया कि अब तक गलत लाभ उठाने वाले पुरुषों या महिलाओं से कोई राशि वसूलने का निर्णय नहीं लिया गया है।कई लाभार्थी ऐसे भी पाए गए जो एक साथ कई योजनाओं का लाभ उठा रहे थे, या फिर जिनकी वार्षिक आय 2.5 लाख से अधिक थी। कुछ घरों में दो से अधिक सदस्य इस योजना से लाभ ले रहे थे।

खैबर पख्तूनख्वा में पोलियो का कहर जारी, 12 माह के बच्चे में मिला वायरस

एजेंसी । इस्लामाबाद

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के तोरघर जिले में पोलियो का एक

नया मामला सामने आया है, जिससे 2025 में अब तक पोलियो के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। यह जानकारी इस्लामाबाद स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ (एनआईएच) की पोलियो लैब द्वारा दी गई है।_र एनआईएच की रिपोर्ट के मुताबिक, पोलियो वायरस एक 12 महीने के बच्चे में पाया गया है, जो तोरघर के गरी यूनियन काउंसिल का रहने वाला है। पोलियो के इन मामलों में सबसे ज्यादा 19 केस खैबर पख्तूनख्वा से हैं। इसके अलावा, 9 मामले सिंध से और एक-एक मामला पंजाब और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित-बाल्टिस्तान से सामने आया है। यह स्थिति एक बार फिर से पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम पर चिंता खड़ी कर रही है, खासकर ऐसे समय में जब दुनिया के लगभग सभी देश पोलियो को पूरी तरह खत्म कर चुके हैं। पाकिस्तान पोलियो प्रोग्राम ने सितंबर महीने में पूरे देश के 87 जिलों से 127 सीवेज के नमूने इकट्ठा किए थे ताकि यह जांचा जा सके कि पोलियो वायरस कहां-कहां फैल रहा है। इनमें से 81 नमूनों में वायरस नहीं मिला।

ममदानी ने इमाम के साथ तस्वीर खिंचाई तो ट्रंप बौखलाए

कहा- अनर्थ हो रहा, वर्ल्ड ट्रेड सेंटर उड़ाने वाले के साथ दोस्ती निभा रहा

एजेंसी । न्यूयॉर्क

अमेरिका में न्यूयॉर्क शहर के मेयर पद के उम्मीदवार जोहरान ममदानी पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक इस्लामिक कट्टरपंथी का करीबी होने का आरोप लगाया है। दरअसल, ममदानी 18 अक्टूबर को ब्रुकलिन के इमाम सिराज वहाज के साथ हंसते और फोटो खिंचाते दिखाई दिए थे। वहाज पर 1993 के वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर बमबारी करने का साजिश रचने और मुसलमानों को जिहाद के लिए उकसाने का आरोप है। अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ममदानी की आलोचना की है। उन्होंने एक्स पर लिखा- मुझे पता

चला है कि डेमोक्रेटिक पार्टी के लोग किसी भी तरह की राजनीतिक हिंसा के खिलाफ हैं। इसलिए मैं अब यह देखने का इंतजार कर रहा हूं कि सब मिलकर ममदानी की निंदा कब करते हैं। वह उस शख्स के साथ प्रचार कर रहा है जो एक आतंकी साजिश से जुड़ा माना जाता है, भले ही उस पर कोई मुकदमा न चला हो। रिपब्लिकन मेयर पद के उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा ने कहा, "ममदानी का इस इमाम के साथ खड़ा होना गलत है। न्यूयॉर्क को एक ऐसे मेयर की जरूरत है जो लोगों को आतंकवाद से बचाए, न कि आतंकवादियों को गले लगाए। आलोचनाओं के बावजूद ममदानी ने आरोप लगाया कि उन्हें उनके धर्म के कारण निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि वह चुनाव जीतने की कगार पर हैं।

वहाज ने धर्म बदलकर इस्लाम अपनाया

वहाज का असली नाम जेम्स लारेंस है। उन्होंने काले लोगों के साथ हो रहे भेदभाव के विरोध में 70 के दशक में धर्म बदल लिया था। इस्लाम अपनाने के बाद लॉरेंस ने नाम बदलकर सिराज वहाज रख लिया था। वहाज ने धर्म परिवर्तन के बाद न्यूयॉर्क में मस्जिदों और मुस्लिम समुदाय के लिए सामाजिक कार्य शुरू किया। वहाज ने 2000 के दशक की शुरुआत में न्यूयॉर्क शहर में एक उपदेश दिया था, जिसमें उन्होंने "गन-फ्री जिहाद" के लिए 10,000 मुस्लिम पुरुषों की सेना बनाने का आह्वान किया था।

इटली में घटते जन्मदर का महासंकट लगातार 16वें वर्ष गिरावट दर्ज हुई

एजेंसी । रोम

इटली में जन्म दर लगातार गिर रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो

आईएसटीएटी ने मंगलवार को आंकड़ों की जुबानी गिरावट की कहानी बताई। राष्ट्रीय सांख्यिकी ब्यूरो ने कहा कि इटली में इस साल जन्म दर में और गिरावट आने की आशंका है, जो ऐतिहासिक रूप से सबसे कम है, जिससे देश का जनसांख्यिकीय संकट और गहरा जाएगा। पिछले साल केवल 370,000 नवजात का जन्म हुआ था, जो 1861 में इटली के एकीकरण के बाद से सबसे कम था। लगातार 16वें वर्ष इन आंकड़ों में गिरावट दर्ज की गई थी। आईएसटीएटी ने एक बयान में कहा कि 2025 के पहले सात महीनों में यह नकारात्मक रुझान जारी रहा, जहां लगभग 198,000 नवजात जन्मे, जो 2024 की इसी अवधि की तुलना में 6.3 प्रतिशत कम है।

एजेंसी ने आगे बताया कि प्रजनन दर, जो प्रजनन आयु की प्रत्येक महिला से जन्मे बच्चों की औसत संख्या को मापती है, जनवरी-जुलाई में गिरकर 1.13 हो गई, जो पिछले साल के रिकॉर्ड निम्नतम 1.18 से कम थी। इटली की लंबे समय से गिरती जन्म दर को राष्ट्रीय आपातकाल माना जा रहा है।

जलवायु परिवर्तन का असर, आइसलैंड में पहली बार पाए गए मच्छर

नई दिल्ली । तेजी से बदलता मौसम और जलवायु परिवर्तन का असर आइसलैंड पर भी दिखने लगा है। पहली बार ऐसा हुआ है कि यहां मच्छर पाए गए हैं। दो नहीं बल्कि तीन मच्छर! वैश्विक तापमान वृद्धि के कारण आइसलैंड में पहली बार मच्छर पाए गए हैं। स्पष्ट है कि उनके लिए अब यहां का वातावरण उनके अनुकूल बन गया है। इस महीने तक यह देश दुनिया के उन कुछ स्थानों में से एक था जहां मच्छरों की आबादी नहीं थी। दूसरा स्थान अंटार्कटिका का है। आइसलैंड के प्राकृतिक विज्ञान संस्थान के कीटविज्ञानी मैथियास अल्फ्रेडसन ने इसकी पुष्टि की। स्थानीय वैज्ञानिक के भेजे गए सैंपल की पहचान उन्होंने स्वयं की। उन्होंने कहा, "किडाफेल, कजोस में कुलिसेटा एनुलाटा के तीन नमूने पाए गए।

जापान में पहली बार महिला प्रधानमंत्री बनी

मजबूत सेना और संविधान में संशोधन की समर्थक हैं, मोदी-ट्रंप ने दी बधाई

एजेंसी । टोक्यो

जापान की साने ताकाइची मंगलवार को देश की प्रधानमंत्री चुनी गईं। वह जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री हैं। ताकाइची को संसद के निचले सदन में हुए चुनाव में 149 के मुकाबले 237 वोटों से जीत मिली। निचले सदन के बाद, उन्हें ऊपरी सदन में भी चुना गया, जहां पहले दौर में बहुमत से एक वोट कम रहने के बाद, दूसरे वोट में उन्हें 125-46 वोटों से जीत मिली। पीएम बनने के बाद मोदी और ट्रम्प जैसे वर्ल्ड लीडर्स ने ताकाइची को बधाई दी है। ताकाइची एक कमजोर गठबंधन के साथ प्रधानमंत्री बनी हैं। वह दिवंगत पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की एक समर्थक हैं और एक मजबूत सेना, सख्त आव्रजन नीतियों और जापान

संसद के निचले सदन में मंगलवार को जापान की सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी की नेता सनेई तकाइची को प्रधानमंत्री चुनी गईं।

के शांतिवादी संविधान में संशोधन की वकालत करती हैं। इस महीने की शुरुआत में, तकाइची को एलडीपी का नेता चुना गया था। ताकाइची ने 2021 और 2024 में भी पीएम बनने की कोशिश की थी लेकिन तब उन्हें उतने सांसदों का समर्थन नहीं मिल पाया था।

ताकाइची शिंजो आबे की करीबी, चीन विरोधी लीडर : ताकाइची पीएम शिगेरु इशिबा की जगह लेंगी। जुलाई में हुए ऊपरी सदन के चुनाव में पार्टी को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बाद पार्टी में इशिबा का विरोध बढ़ गया था। एलडीपी ने ताकाइची को ऐसे समय में चुना है जब देश में लोग महंगाई से नाराज हैं और विपक्षी पार्टियों का समर्थन करने लगे हैं। ताकाइची पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की करीबी मानी जाती हैं। शिंजो जापान में सबसे लंबे समय तक पीएम रहे थे। उन्हें चीन विरोधी नेता माना जाता है।

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' में अनीत पड्डा की एंट्री

दिसंबर 2026 को होगी रिलीज

मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली और बहुप्रतीक्षित फिल्म 'शक्ति शालिनी' को लेकर चल रहा सस्पेंस आखिरकार खत्म हो गया है। अफवाहों के बीच, आज दिवाली के मौके पर रिलीज हुई आयुष्मान खुराना, रश्मिका मंदाना और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अभिनीत फिल्म 'थम्मा' के साथ, 'शक्ति शालिनी' का आधिकारिक टीजर सिनेमाघरों में जारी कर दिया गया है। टीजर ने पुष्टि की है कि अभिनेत्री अनीत पड्डा फिल्म में मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिन्होंने पहले कियारा आडवाणी की जगह ली थी। 'थम्मा' के पोस्ट-क्रेडिट सीन में दिखाए गए इस टीजर क्लिप में, स्क्रीन पर लिखा आता है, 'रक्षक। विध्वंसक। सबकी मां। शक्ति शालिनी में अनीत पड्डा। शक्ति 24 दिसंबर, 2026 को रिलीज होगी।' यह फिल्म श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की 'स्त्री 2' के बाद मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की अगली किस्त है।

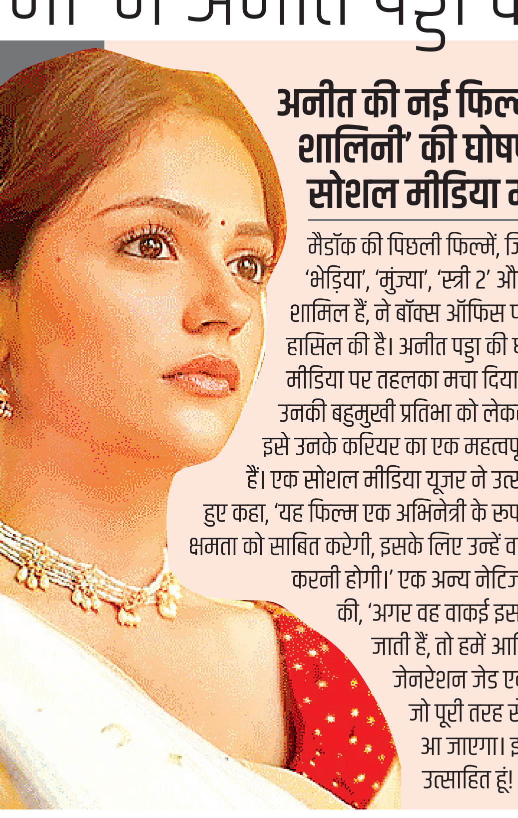

अनीत की नई फिल्म 'शक्ति शालिनी' की घोषणा से सोशल मीडिया में उत्साह

मैडॉक की पिछली फिल्में, जिनमें 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या', 'स्त्री 2' और हालिया 'थम्मा' शामिल हैं, ने बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल की है। अनीत पड्डा की घोषणा ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। प्रशंसक उनकी बहुमुखी प्रतिभा को लेकर उत्साहित हैं और इसे उनके करियर का एक महत्वपूर्ण मोड़ मान रहे हैं। एक सोशल मीडिया यूजर ने उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, 'यह फिल्म एक अभिनेत्री के रूप में अनीत की क्षमता को साबित करेगी, इसके लिए उन्हें वाकई कड़ी मेहनत करनी होगी।' एक अन्य नेटिजन ने टिप्पणी की, 'अगर वह वाकई इसमें कामयाब हो जाती हैं, तो हमें आखिरकार एक जेनरेशन जेड एक्टर मिल जाएगा जो पूरी तरह से मुख्यधारा में आ जाएगा। इसके लिए मैं बहुत उत्साहित हूं!

जेएमएम 'यू' टर्न लेकर बन गई जेएमएम (यू) : प्रतुल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने कहा कि झामुमो ने बिहार चुनाव में इतनी बार 'यू' टर्न मारा है कि अब उसे जेएमएम (यू) कहना चाहिए। शुरुआत में यह 16 सीट पर चुनाव लड़ना चाहते थे। फिर यू टर्न मारा और सीटों की संख्या 12 कर दी। उसके बाद महा गठबंधन के नेताओं से मिले। कहा सीटों पर फैसला हो गया। फिर यू टर्न मारा और सीटों की संख्या तीन तक घटा दी। प्रतुल ने कहा कि महागठबंधन ने जब ठेंगा दिखाया तो रांची में प्रेस कांफ्रेंस करके 6 सीटों पर लड़ने की घोषणा की। 24 घंटे में फिर से यू टर्न मारा और एक भी सीट पर नामांकन नहीं किया। प्रतुल ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में झारखंडी अस्मिता बिहार के चौराहे पर तारतार हो गई। लंबे समय तक झामुमो याचना करती रही। लेकिन गठबंधन में उनकी दाल नहीं गली। झामुमो के वरिष्ठ नेताओं ने कहा है कि राजद और कांग्रेस ने उनके पीठ में खंजर भोंका है। इस पूरे प्रकरण को राजनीतिक धूर्तता करार दिया। प्रतुल ने कहा की झामुमो के मंत्री और महासचिव ने घोषणा की कि वह कांग्रेस और राजद के साथ गठबंधन की समीक्षा करेंगे। झारखंड की जनता को बेसब्री से इंतजार रहेगा। वोट गठबंधन को झारखंड की जनता ने दिया था। फिर समीक्षा से क्या निर्णय निकलेगा? क्या मुख्यमंत्री राजद को मंत्रिमंडल से बाहर निकलेंगे या कांग्रेस के मंत्रियों को भी या फिर समीक्षा की घोषणा सिर्फ एक ढकोसला निकलेगा? प्रतुल ने कहा कि अब आने वाला समय बताएगा कि सीएम हेमंत अपने पिता शिबू सोरेन के पद चिन्हों पर चलते हुए झारखंडी अस्मिता की रक्षा कर पाएंगे? या एक बार फिर से सत्ता में बने रहने के लिए झामुमो घुटने टेक कर इन दोनों दलों के सामने नतमस्तक रहेगा।

● झारखंड की जनता जेएमएम के समीक्षा के प्रतीक्षा कर रही

पुलिस स्मृति दिवस पर डीजीपी सहित अन्य अधिकारियों ने बलिदानियों को दी श्रद्धांजलि

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के डोरंडा स्थित झारखंड सशस्त्र पुलिस (जैप)-01 परिसर स्थित परेड मैदान में मंगलवार को देश के विभिन्न राज्यों के पुलिस बल और अर्धसैनिक बलों के बलिदानियों के सम्मान में पुलिस संस्मरण दिवस परेड का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) अनुराग गुप्ता, महानिदेशक (डीजी) प्रशांत सिंह, नहानिरीक्षक (आईजी) मनोज कौशिक, आईजी प्रभात कुमार, एवी होमकर, उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) सुरेंद्र कुमार झा, रांची के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन समेत कई अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने बलिदान जवानों की याद में वाहिनी परिसर स्थित शहीद स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित की। 1 सितंबर 2024 से 31 अगस्त 2025 के बीच देश के अर्धसैनिक बलों और विभिन्न राज्यों की पुलिस बल के कुल 191 पदाधिकारी एवं जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए वीरगति को प्राप्त किया। इन शहीदों में झारखंड के आरक्षी 361 सुनिल धान भी शामिल हैं, जिन्होंने 12 अप्रैल को कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति दी। आरक्षी सुनिल धान चाईबासा के छोटानागरा थाना क्षेत्र स्थित रातामाटी गांव के घने जंगल (पश्चिम) में जिला बल, कोबरा 203, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और झारखंड जगुआर के एसाल्ट-11 के साथ संयुक्त रूप से विशेष छापेमारी अभियान ड्यूटी पर थे। इसी दौरान भाकपा माओवादियों द्वारा लगाए गए आईईडी ब्लास्ट में वे वीरगति को प्राप्त हुए। पुलिस संस्मरण दिवस परेड के आयोजन के माध्यम से सभी वीर बलिदानियों को नमन किया गया। साथ ही झारखंड पुलिस के सभी पदाधिकारियों और कर्मियों ने दृढ़ निश्चय किया कि वे शहीदों के परिवारों के साथ हर परिस्थिति में हमेशा खड़े रहेंगे और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेंगे।

डीआरएम से जेडआरयूसीसी सदस्य ने की मुलाकात

नवीन मेल संवाददाता

रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे के जेडआरयूसीसी सदस्य अरुण जोशी ने रांची रेल मंडल के डीआरएम करूणा निधि सिंह से भेंट कर उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने रांची रेल मंडल में यात्री रेल सुविधाओं के निरंतर विस्तार और सुधार के लिए मंडल प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। श्री जोशी ने त्योहारी सीजन में यात्रियों की सुविधा के लिए अधिक स्पेशल ट्रेनें चलाने के लिए डीआरएम और मंडल अधिकारियों को धन्यवाद दिया। मुलाकात के दौरान उन्होंने रांची आनंद विहार टर्मिनल एक्सप्रेस का विस्तार जयपुर तक तथा हटिया सांकी पैसेंजर का विस्तार बरकाकाना तक करने का अनुरोध किया। उन्होंने आग्रह किया कि ये प्रस्ताव 1 जनवरी से लागू होनेवाली नई समय सारणी में सम्मिलित किए जाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने रांची और हटिया स्टेशन पर रैंप निर्माण, ट्रेनों में नियमित टिकट चेकिंग अभियान चलाने तथा यात्रियों की सुविधा से संबंधित अन्य सुझाव भी प्रस्तुत किए। श्री जोशी ने इस बात पर हर्ष व्यक्त करते हुए अवगत कराया कि पूर्व में हुई डीआरयूसीसी व जेडआरयूसीसी की बैठकों में पत्र के माध्यम से एवं वर्ष 2023 में रेल मंत्री से मुलाकात के दौरान उन्होंने बेडरोल की रंगीन चादरें शुरू करने का सुझाव दिया था, जिसका शुभारंभ अब रेल मंत्री द्वारा जयपुर में किया जा चुका है। डीआरएम करूणा निधि सिंह ने श्री जोशी के सभी सुझावों पर सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन दिया।

पटाखों से जलकर छह मरीज भर्ती, एक की हालत गंभीर

रांची। दिवाली की रात राजधानी रांची में आतिशबाजी का उत्सव कई परिवारों के लिए दर्दनाक साबित हुआ। पटाखों की चपेट में आकर पचास से अधिक लोग घायल हो गए। रिम्स और सदर अस्पताल में देर रात तक मरीजों की भीड़ उमड़ पड़ी। रिम्स के बर्न वार्ड में छह मरीजों को भर्ती किया गया है, जिनमें एक की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है। रिम्स सर्जरी विभाग के एचओडी डॉ डीके सिन्हा ने बताया कि गंभीर मरीज करीब नब्बे फीसदी से अधिक जल चुका है, स्थिति गंभीर बनी हुई है। उन्होंने बताया कि इस बार पटाखों से झुलसने के मामलों में चेहरे, हाथ और आंखों में चोट के मामले अधिक आए हैं। रिम्स में दो दर्जन से अधिक मरीज पहुंचे रिम्स इमरजेंसी में दो दर्जन से अधिक घायल पहुंचे, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। वहीं सदर अस्पताल में भी पच्चीस से अधिक लोग पटाखों से झुलसने, आंखों में जलन और कान के पर्दे फटने की समस्या लेकर पहुंचे। चिकित्सकों ने बताया कि अधिकतर मामलों में बच्चे और किशोर शामिल थे। अस्पताल प्रशासन ने बताया कि किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए मंगलवार को भी अतिरिक्त चिकित्सक तैनात रहे, ताकि जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराई जा सके। चिकित्सकों ने लोगों से अपील की है कि त्योहारों में लापरवाही न बरतें, बच्चों को पटाखों से दूर रखें और खुली जगह पर सुरक्षित दूरी बनाकर ही आतिशबाजी करें।

चौपाटी रेस्टोरेंट के मालिक की हत्या का मामला

तीन आरोपी हुए गिरफ्तार

● गिरफ्तार तीनों आरोपियों के पास से हथियार सहित अन्य सामान बरामद

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के कांके थाना क्षेत्र के चौपाटी रेस्टोरेंट के मालिक विजय नाग की हत्या मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में प्रशांत कुमार सिंह, मुठभेड़ में घायल अभिषेक सिंह और हरेन्द्र सिंह शामिल है।

गिरफ्तार आरोपित अभिषेक सिंह के पास से एक पिस्टल, एक जिन्दा गोली, छह खोखा, चार मिसफायर गोली, एक मारूती सुजूकी कार, दो मोबाईल फोन बरामद किया गया है। जबकि गिरफ्तार आरोपित हरेन्द्र सिंह के पास से एक देशी कट्टा, दो पिस्टल, 26 गोली, एक रायफल, दो मोबाईल फोन, दो लाख चार हजार पांच सौ रुपये नकद, एक इनोवा कार बरामद किया गया है। ग्रामीण एसपी प्रवीण पुष्कर ने प्रेस वार्ता में बताया कि 18 अक्टूबर की रात सूचना प्राप्त हुई कि कांके रोड स्थित सेफ चौपाटी रेस्टोरेंट के मालिक विजय कुमार नाग को तीन अपराधियों ने उनके रेस्टोरेंट में गोली मारकर हत्या कर दिया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम का गठन किया गया।

मामले के अनुसंधान के कम में यह बात प्रकाश में आई है कि उक्त अपराधियों ने वेज बिरयानी का आर्डर दिया था, लेकिन वेज बिरयानी में चिकेन का छोटा हड्डी मिलने के कारण उक्त अपराधियों ने सेफ चौपाटी के मालिक विजय कुमार नाग को गोली मारकर हत्या कर दी। मामले में प्रशांत कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अन्य आरोपितों के नाम पुलिस को बताया। जांच के क्रम में 19 अक्टूबर की रात गुप्त सूचना मिली कि घटना में शामिल अभिषेक सिंह अपनी गर्भवती पत्नी से मिलने के लिए अपने वाहन से रांची आ रहा है। सूचना के बाद अभिषेक सिंह की गिरफ्तारी के लिए डीएसपी अमर कुमार पांडेय के नेतृत्व में आईटीबीपी कैम्प के पास एंटी काइम चेकिंग लगाया गया। इस क्रम में सफेद रंग की कार काफी तेजी से आती हुई दिखाई दी जिसे रोकने का ईशारा किया गया। लेकिन कार चालक कार को मोड़ने का प्रयास किया। पुलिस टीम से स्वयं को घिरा देख वाहन से निकलकर पुलिस बल को लक्षित कर लगातार फायरिंग किया करने लगा। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ एवं जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें अपराधी अभिषेक सिंह घायल हो गया। अभिषेक के दोनो पैर में गोली लगी थी। इसके पास से हथियार सहित अन्य सामान बरामद किया गया। अभिषेक सिंह को ईलाज के लिए रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया।

गिरफ्तार आरोपित अभिषेक सिंह के पास से एक पिस्टल, एक जिन्दा गोली, छह खोखा, चार मिसफायर गोली, एक मारूती सुजूकी कार, दो मोबाईल फोन बरामद किया गया है। जबकि गिरफ्तार आरोपित हरेन्द्र सिंह के पास से एक देशी कट्टा, दो पिस्टल, 26 गोली, एक रायफल, दो मोबाईल फोन, दो लाख चार हजार पांच सौ रुपये नकद, एक इनोवा कार बरामद किया गया है।

मामले में प्रशांत कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में उसने अन्य आरोपितों के नाम पुलिस को बताया। जांच के क्रम में 19अक्टूबर की रात गुप्त सूचना मिली कि घटना में शामिल अभिषेक सिंह अपनी गर्भवती पत्नी से मिलने के लिए अपने वाहन से रांची आ रहा है। सूचना के बाद अभिषेक सिंह की गिरफ्तारी के लिए डीएसपी अमर कुमार पांडेय के नेतृत्व में आईटीबीपी कैम्प के पास एंटी काइम चेकिंग लगाया गया। एंटी काइम चेकिंग के दौरान रातू थाना प्रभारी के के जरिए अभिषेक सिंह के वाहन का चेरी मनातु रोड में पीछा किए जाने की सूचना कांके थाना प्रभारी को दी गई।

सूचना पर थाना प्रभारी कांके के जरिये अपने दल के साथ प्रस्थान कर चेरी मनातु रोड वाहन जांच शुरु की गयी। इस कम में सफेद रंग की कार काफी तेजी से आती हुई दिखाई दी जिसे रोकने का ईशारा किया गया। लेकिन कार चालक कार को मोड़ने का प्रयास किया। पुलिस टीम से स्वयं को घिरा देख वाहन से निकलकर पुलिस बल को लक्षित कर लगातार फायरिंग किया करने लगा। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ एवं जवाबी कार्रवाई की गई, जिसमें अपराधी अभिषेक सिंह घायल हो गया। अभिषेक के दोनो पैर में गोली लगी थी। इसके पास से हथियार सहित अन्य सामान बरामद किया गया। अभिषेक सिंह को ईलाज के लिए रिम्स अस्पताल में भर्ती कराया गया।

एसपी ने बताया कि पूछताछ में अभिषेक ने हथियार के बारे में बताया कि हरेन्द्र सिंह के जरिए हथियार उपलब्ध कराया गया है। उसके कारोबार में शामिल सभी आरोपित घटना में शामिल है। इसके बाद हरेन्द्र को पिठौरिया थाना प्रभारी ने पतरातु घाटी में एंटी एंटी काइम चेकिंग के दौरान पकड़ा।

भीड़ नियंत्रण के लिए स्टेशन पर बना पैसेंजर होल्डिंग एरिया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। छठ पर यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रांची स्टेशन पर अस्थाई पैसेंजर होल्डिंग एरिया बनाया गया है। हालांकि यह व्यवस्था दीवाली पर ही कर दी गई थी। इसके तहत समय पूर्व स्टेशन पहुंचने वाले यात्रियों को इस एरिया में सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। ताकि स्टेशन के अंदर प्लेटफॉर्म में अनावश्यक भीड़ न हो और अफरा-तफरी का माहौल न बने। मंगलवार को रांची रेलमंडल के डीआरएम करुणानिधि सिंह ने रांची स्टेशन का निरीक्षण किया। उनके साथ वरिष्ठ मंडल वााणिज्य प्रबंधक शुचि सिंह, वरिष्ठ मंडल अभियंता समन्व्य साकेत कुमार व मंडल सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार शामिल थे। इस दौरान छठ पूजा को लेकर की जा रही तैयारियों का जायजा लिया गया। साथ ही भीड़ नियंत्रण को लेकर किए जा रहे आवश्यक कार्यों की भी समीक्षा करते हुए दिशा-निर्देश जारी किए गए। डीआरएम खुद की जा रही तैयारी की मॉनिटरिंग कर रहे है। दक्षिण पूर्व रेलवे से मिले आंकड़ों के अनुसार दीपावली पूजा के दौरान रांची स्टेशन से 58 हजार यात्रियों ने सफर किया। जबकि पिछले वर्ष 53 हजार यात्रियों ने दीपावली छुट्टी में सफर किए थे। क्या-क्या की गई है तैयारी - 24 घंटे सीसीटीवी से निगरानी की जारी है। - आरपीएफ-जीआरपी और रेलवे कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि कर तैनाती की गई है। - 26 सितंबर से छह नवंबर तक निगरानी रखने के लिए एतिहात बरता जा रहा है। क्या है पैसेंजर होल्डिंग एरिया यात्रियों की बेहतर सुविधा और प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ को नियंत्रित करने के लिए रांची स्टेशन में दो पैसेंजर होल्डिंग एरिया बनाया गया है। जिसका उद्देश्य है कि ट्रेनों के प्रस्थान से पूर्व जो यात्री स्टेशन पहुंच गए है। उन्हें प्लेटफॉर्म के स्थान पर दूसरी जगह विशेष प्रतीक्षा स्थल की सुविधा दी गई है। वहां बैठने की भी व्यवस्था दी गई है। ताकि प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ के दबाव को कम किया जाए। दीपावली-छठ को लेकर चलाई जा रही है 922 ट्रेनें रांची। दक्षिण पूर्व रेलवे अंतर्गत सभी मंडलों में दीपावली पूजा और छठ पूजा को लेकर 20 अक्तूबर तक 922 ट्रेनें चलाई गई। जबकि पिछले वर्ष 832 ट्रेनें चलाई गई थी। यह जानकारी दक्षिण पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक एके मिश्रा ने दी। बताया, भीड़ नियंत्रण के लिए प्रमुख स्टेशनों पर अस्थाई होल्डिंग एरिया बनाए गए है। आने वाले वर्षो से स्थायी होल्डिंग एरिया विकसित की जाएगी। जोन में अतिरिक्त कोचों को एकत्र कर 20 अतिरिक्त रेक्स तैयार किए गए। जिसमें से 11 रेक्स दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा उपयोग किया गया। साथ ही छह नियमित विशेष ट्रेनें, 11 अतिरिक्त त्योहार विशेष ट्रेनें चलाई गई। वहीं, 16 विशेष ट्रेनें दक्षिण पूर्व रेलवे क्षेत्राधिकार होकर गुजर रही है।

मगध-संघमित्रा क्षेत्र में सीसीएल ने बांटा जूट का बैग

रांची। सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड के मगध-संघमित्रा क्षेत्र द्वारा स्पेशल कैम्पेन 5.0 के तहत पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान के अंतर्गत फुलबसिया गाँव में ग्रामीणों को प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने एवं पर्यावरण अनुकूल विकल्प अपनाने हेतु स्थानीय हाट में जूट बैग का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सीसीएल प्रतिनिधियों ने बताया कि यह पहल न केवल प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण की दिशा में एक प्रभावी कदम है, बल्कि सतत विकास और स्वच्छ पर्यावरण के प्रति संस्थान की प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियानों से न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ती है, बल्कि स्वच्छता और हरियाली की दिशा में सामूहिक प्रयास को भी बल मिलता है।

बिहार में सीट नहीं मिलने पर झामुमो पर आजसू का तंज, कहा

राजद-कांग्रेस को सरकार से बाहर करे झामुमो

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी के केंद्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण प्रभाकर ने कहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस–राजद ने झामुमो को औकात बता दी है। तेजस्वी यादव ने झारखंड के मंत्री संजय यादव के पुत्र को बिहार में टिकट दे दिया, लेकिन झामुमो को एक भी सीट के लायक नहीं समझा। झामुमो में जरा भी स्वाभिमान है तो उसे अविलंब झारखंड विरोधी ताकतों राजद–कांग्रेस से नाता तोड़ लेना चाहिए। श्री प्रभाकर ने कहा कि बिहार चुनाव के कूचे से बेआबरू होकर निकलने के बाद झामुमो में नैतिक साहस और दम है तो वह राजद–कांग्रेस के मंत्रियों को सरकार से निकाल बाहर करे, तभी झारखंड की जनता और स्व शिबू सोरेन की गरिमा की रक्षा हो पाएगी। श्री प्रभाकर ने कहा कि राजद–कांग्रेस के साथ झामुमो का गठजोड़ स्वाभाविक नहीं बल्कि अवसरवादी गंठबंधन है। दोनों दल झारखंड विरोधी भूमिका में रहे हैं और जब भी मौका मिला झारखंड आंदोलन की सौदेबाजी की। लालू प्रसाद ने तो यहां तक बयान दे दिया था कि झारखंड मेरी लाश पर बनेगा। इसके बाद भी उनके एकमात्र विधायक को हेमंत सोरेन ने मंत्री बनाकर रखा था। श्री प्रभाकर ने कहा कि कई दिनों से झामुमो इस आस में था कि उसे भी बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की सीटों के बंटवारे में हिस्सा मिलेगा। झामुमो नेता लगातार दावा कर रहे थे और झामुमो के मंत्री और महासचिव तेजस्वी के दरबार में हाजिरी भी लगा आए थे। लेकिन तेजस्वी यादव ने झामुमो को जरा भी तवज्जो नहीं दी। अब मंत्री सुदिव्य प्रसाद आरोप लगा रहे हैं कि राजद–कांग्रेस ने राजनीतिक धूर्तता की है।

नो इंट्री के समय 3 पहिया मालवाहक वाहनों को मिले प्रवेश : जेसीपीडीए

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शहर में नो एंट्री के समय आवश्यक वस्तुओ की आपूर्ति कार्य में संलग्न तीन पहिया मालवाहक वाहनों को प्रवेश और परिचालन की अनुमति देने में विलंब से हो रहीं कठिनाइ पर झारखंड कंज्यूमर प्रोडक्ट डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन ने चिंता व्यक्त की है। वहीं कहा कि इससे उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। वितरण व्यवस्था बाधित होने से खुदरा दुकानों तक दैनिक उपयोग की वस्तुएं समय पर नहीं पहुंच पा रही हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय अखौरी ने कहा कि तीन पहिया मालवाहक वाहन शहर की आपूर्ति व्यवस्था की रीढ़ हैं। इन वाहनों के परिचालन में रुकावट से व्यापारियों को सामान की आपूर्ति में कठिनाई हो रही है और आम उपभोक्ताओं को भी असुविधा झेलनी पड़ रही है। अभी सुबह 9 बजे से 11 बजे और शाम में 5 से 7 बजे नो एंट्री प्रभावी रहता है। समस्या की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने पूर्व में ऐसे वाहनों को शहर में प्रवेश की अनुमति दी थी, जिससे आपूर्ति व्यवस्था सामान्य बनी रही थी। इस अनुमति की समय सीमा खत्म होने के बाद लगातार प्रशासन से आग्रह किया गया है किंतु पता नहीं किन कारणों से इसकी अनुमति देने में विलम्ब किया जा रहा है। अब त्यौहार भी लगभग खत्म हो गए हैं और शहर में तीन नये फ्लाईओवर भी चालू हो चुके हैं जिससे जाम की समस्या भी नहीं होगी। ठंड का सीजन भी शुरू हो रहा है जिससे रात्रि के समय माल की डिलीवरी और भुगतान लेकर लौटनेवाले वाहन सुरक्षित रूप से माल की आपूर्ति कर अपने गंतव्य तक पहुँच सकेंगे। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए उन्होंने जिला प्रशासन से आग्रह किया कि इसपर शीघ्र विचार कर अनुमति दी जाए ताकि आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित हो सके। अभी मालवाहक वाहनों के लिए जो समय निर्धारित है उसे पूर्ण रूप से समाप्त किया जाना चाहिए।

जेपी सेनानियों व ओबीसी वर्ग के साथ न्याय करें प्रधानमंत्री : डॉ सूरज मंडल

रांची। पूर्व सांसद डॉ सूरज मंडल ने कहा है कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सफलतापूर्वक कार्य कर रही एनडीए सरकार को 1974 मे लोकनायक जयप्रकाश नारायण की संपूर्ण क्रांति आंदोलन के सभी सेनानियों को पेंशन प्रदान करें। डॉ.मंडल ने कहा कि 1912 में तत्कालीन बंगाल प्रेसीडेंसी में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग की जैसी स्थिति बहाल थी एवं आज भी बंगाल की जैसी जातिगत स्थिति है, उसके अनुरूप ही झारखंड, बिहार एवं उड़ीसा में उन सभी जातियों के लोगों को दर्जा दिया जाना चाहिए। वहीं डॉ. मंडल ने कहा कि 1912 तक आज के झारखंड, बिहार एवं उड़ीसा राज्य, बंगाल प्रेसीडेंसी का हिस्सा थे और उस समय जिन जातियों को अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग का दर्जा प्राप्त था उस स्थिति को तत्काल बहाल किया जाना चाहिए। इसके साथ ही बहुत सारी वैसी जातियों को अनुसूचित जाति का दर्जा दे दिया गया जो पहले अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में आते थे। डॉ. मंडल ने कहा कि वास्तविकता यह है कि प्रदेश के विभाजन के बाद जाति समीकरण एवं श्रेणीबद्धता को किसी भी हाल में नहीं बदला जा सकता क्योंकि सामाजिक, राजनीतिक एवं उन स्थितियों में कोई विशेष अंतर नहीं होता और इन स्थितियों के अनुरूप अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को आरक्षण सहित अन्य लाभ से वंचित नहीं किया जा सकता।

पेज एक के शेष

महागठबंधन में दरार...

इन सीटों पर नामांकन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि सोमवार थी। झारखंड के पर्यटन मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा, ''राजद और कांग्रेस एक राजनीतिक साजिश के तहत झामुमो को चुनाव लड़ने से वंचित करने के लिए जिम्मेदार हैं। झामुमो इसका करारा जवाब देगा और राजद व कांग्रेस के साथ अपने गठबंधन की समीक्षा करेगा।

कांग्रेस पार्टी कभी...

यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र को बचाने की है। पार्टी ने बिहार में कभी धोखा नहीं दिया है। हम कभी किसी को धोखा नहीं दे सकते। हम तो लगातार प्रयास कर रहे हैं कि गठबंधन को मजबूत किया जाए। उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि इसकी समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस और अन्य दल स्वाभाविक तौर पर एकजुट हैं। मैं बार-बार कह रहा हूं कि यह लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। ऐसे में एकजुटता ही लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा करने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में गठबंधन में सब ठीक है। हम राज्य में एनडीए को उभरने नहीं देंगे। बिहार में एनडीए का कुनबा बिखर रहा है। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में आयोजित कराए जाएंगे। परिणाम 14 नवंबर को आएंगे।

राजद ने मंत्री...

हम चाहते हैं कि गठबंधन पूरी मजबूती के साथ तैयार हो।
यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र को बचाने की है। पार्टी ने बिहार में कभी धोखा नहीं दिया है। हम कभी किसी को धोखा नहीं दे सकते। हम तो लगातार प्रयास कर रहे हैं कि गठबंधन को मजबूत किया जाए।उन्होंने कहा कि हमें लगता है कि इसकी समीक्षा होनी चाहिए। कांग्रेस और अन्य दल स्वाभाविक तौर पर एकजुट हैं। मैं बार-बार कह रहा हूं कि यह लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई है। ऐसे में एकजुटता ही लोकतंत्र को बचाने और संविधान की रक्षा करने में सहायक होगी। उन्होंने कहा कि झारखंड में गठबंधन में सब ठीक है। हम राज्य में एनडीए को उभरने नहीं देंगे। बिहार में एनडीए का कुनबा बिखर रहा है। बता दें कि बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में आयोजित कराए जाएंगे। परिणाम 14 नवंबर को आएंगे।

सात देशों के...

निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि रांची के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि राज्य की राजधानी को चौथी सैफ सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2025 जैसे प्रतिष्ठित आयोजन की मेजबानी का अवसर प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि यह आयोजन न केवल झारखण्ड बल्कि पूरे भारत के लिए गौरव की बात है। हमें यह सुनिश्चित करना है कि हर खिलाड़ी, अधिकारी और अतिथि रांची की अतिथि देवो भवः की भावना को महसूस करे। प्रशासन का लक्ष्य है कि यह आयोजन अनुशासन, सौहार्द और उत्कृष्ट प्रबंधन का उदाहरण बने।

दीपावली की रात ...

पूर्व में हत्या के मामले में दो बार जेल जा चुका है। एक वर्ष पूर्व जेल से छूटने के बाद वह अपने गांव में रह रहा था। घटना को लेकर पुलिस परिजन व ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है.वहीं घटना को लेकर पुलिस ने कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में ले ली है। वहीं पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। साथ ही हत्या के कारणों की जांच के लिए गहन छानबीन कर रही है। मृतक के पिता ने हत्याकांड में संलिप्त लोगों का नाम पुलिस प्रशासन को बताया है। पूर्व में सोमा उरांव जेएलटी से जुड़ा हुआ था। बाद में उससे अलग होने के बाद धनुर्धर सिंह, बुधराम उरांव, दिलीप महतो सहित कई लोगों के साथ मिलकर आपराधिक संगठन बनाया। सोमा उरांव के ऊपर 2014 में मासू गांव के तीन किशोर युवकों क्रमशः आदित्य गोप पिता महावीर गोप, करमा महतो पिता सुरेश महतो, उपेन्द्र महतो पिता सोमरा की जघन्य ट्रिपल मर्डर में नाम आया था। बाद में उसके ऊपर अपने ही गैंग के दिलीप महतो की कांके थाना क्षेत्र में हत्या करने का आरोप लगा था। पुलिस सूत्रों के अनुसार गांव के युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। वहीं दूसरी ओर बेड़ो थाना क्षेत्र के घाघरा टिकराटोली के युवक 20 वर्षीय सोमरा कुजूर का अपहरण कर घाघरा टिकराटोली जंगल में धारदार हथियार से हत्या कर उसके शव की पहचान छिपाने की नियत से उसके शव पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी गई। यह घटना भी दीपावली की रात की बतायी जा रही है। पुलिस ने सोमरा कुजूर नामक युवक के शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम हेतु रिम्स भेज दिया। मामले की पुलिस फोरेंसिक टीम बुलाकर जांच कराई है। फिलहाल हत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। दीपावली की रात दो अलग-अलग हत्याकांड से बेड़ो में सनसनी फैल गई है।

गढ़वा बैंक डकैती ...

न्यायालय से गैरहाजिर पाया गया था। गिरफ्तार करने के बाद उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया।गढ़वा पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 6 दिसंबर 2004 को गढ़वा जिला के चिरौंजिया मोड़ के पास कमांडर वाहन से बैंक की राशि लेकर भवनाथपुर जा रहे थे, तभी सत्येंद्र साह समेत छह लोगों ने हथियारों के बल पर दुर्घटना को अंजाम दिया था। इस दौरान गार्ड को घायल कर करीब 10 लाख रुपए की लूट की गई। सभी आरोपी बेल पर थे, केवल सत्येंद्र साह हाजिर नहीं हो रहा था, जिसकी वजह से उसके खिलाफ स्थायी वारंट जारी हुआ था।सत्येंद्र साह के समर्थक इस गिरफ्तारी को राजनीतिक उत्पीड़न और चुनावी साजिश बता रहे हैं। इस मामले ने क्षेत्र में राजनीतिक हलचल बढ़ा दी है। पुलिस इसे कानून की कार्यवाही कह रही है और बताती है कि सत्येंद्र साह के खिलाफ लंबित मामलों में हुई कार्रवाई न्यायालय के आदेश के अनुसार है।

हास्य कलाकार असरानी...

परेशान क्लर्क या मजाकिया सहायक की भूमिकाएं निभाईं। उनकी कॉमिक टाइमिंग और चेहरे के भाव उन्हें फिल्मों में निर्देशकों का पसंदीदा कलाकार बनाते थे। उन्होंने 'शोले' और 'चुपके चुपके' जैसी फिल्मों में यादगार भूमिकाएं निभाईं। फिल्म 'शोले' में उन्होंने शानदार अभिनय किया था, जिसमें वे एक हिटलर की नकल करने वाले जेलर की भूमिका में थे। असरानी ने गुजराती और राजस्थानी समेत कई अलग-अलग भाषाओं में काम किया। उन्होंने कुछ हिंदी और गुजराती फिल्मों का निर्देशन भी किया। उन्होंने महमूद, राजेश खन्ना और बाद में गोविंदा जैसे अभिनेताओं के साथ बेहतरीन कॉमेडी रोल निभाए। कॉमेडी के अलावा असरानी ने 'आज की ताजा खबर' और 'चला मुरारी हीरो बनने' जैसी फिल्मों में अपनी नाटकीय प्रतिभा भी दिखाई।

पंत भारत-ए टीम के कप्तान बने

साउथ अफ्रीका-ए के खिलाफ बेंगलुरु में दो मैचों की सीरीज, पहला मुकाबला 30 अक्टूबर से

एजेंसी । नई दिल्ली

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ दो चार दिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारत ए टीम का ऐलान कर दिया गया है। दोनों मुकाबले बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेले जाएंगे। सीरीज का पहला मैच 30 अक्टूबर से, जबकि दूसरा मुकाबला 6 नवंबर से शुरू होगा। इस सीरीज के साथ ऋषभ पंत की मैदान पर वापसी हो रही है। वह इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हो गए थे और तब से टीम इंडिया से बाहर चल रहे थे। पंत को भारत ए टीम का कप्तान बनाया गया है, जबकि बी. साई सुदर्शन उपकप्तान होंगे।

वहीं, ऋषभ पंत इंग्लैंड दौरे पर चोटिल हुए थे। मैनचेस्टर टेस्ट के पहले दिन क्रिस वोक्स की यॉर्कर पंत के पंजे पर लगी थी। इस चोट के कारण वे सीरीज का आखिरी मैच नहीं खेल सके थे। भारत-इंग्लैंड सीरीज 2-2 की बराबरी पर समाप्त हुई थी।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में नहीं खेल सके : चोट के कारण ऋषभ पंत को वेस्टइंडीज के खिलाफ 2 मैचों की टेस्ट सीरीज छोड़नी पड़ी थी। उनकी जगह ध्रुव जुरेल और नारायण जगदीशन को टीम में शामिल किया गया था। टीम इंडिया ने 2 मैचों की सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया था।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ सीरीज से टेस्ट में वापसी मुमकिन

ऋषभ पंत अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज से भारतीय टीम में वापसी की कोशिश कर रहे हैं। साउथ अफ्रीका की टीम नवंबर महीने में भारतीय दौरे पर आ रही है। पहला टेस्ट मैच 14 नवंबर से कोलकाता में खेला जाएगा। अफ्रीकी टीम यहां 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी-20 मैच खेलेगी।

रणजी में खेलना मुश्किल

पहले यह माना जा रहा था कि पंत दिल्ली की रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड के मैच में 25 अक्टूबर से हिमाचल प्रदेश के खिलाफ खेलेंगे। हालांकि, अब यह मुश्किल लग रहा है।

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए टीम

ऋषभ पंत (कप्तान, विकेटकीपर), आयुष म्हात्रे, एन जगदीशन (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उप-कप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सूथार, अंशुल कांबोज, यश ठाकुर, आयुष बडोनी, सारांश जैन।

ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम को हराया, सीजन का पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीता

एजेंसी । लंदन

ब्रेंटफोर्ड ने वेस्ट हैम पर 2-0 की शानदार जीत के साथ सीजन का अपना पहला प्रीमियर लीग अवे मैच जीत लिया है। इस जीत के साथ ब्रेंटफोर्ड ने नूनो एस्पिरिटो सैंटो के कोच बनने के बाद वेस्ट हैम के पहले घरेलू मैच का मजा किरकिरा कर दिया। अपने पिछले तीनों अवे लीग मैच हारने वाली मेहमान टीम शुरू से ही बेहतर प्रदर्शन कर रही थी। इगोर थियागो और सब्स्टीट्यूट मैथियास जेनसन के गोलों की बदौलत ब्रेंटफोर्ड ने जीत दर्ज की, जबकि यह हार वेस्ट हैम को अंकतालिका में 19वें स्थान पर और नीचे धकेल गई। 43वें मिनट में ब्रेंटफोर्ड ने बढ़त हासिल कर ली। वेस्ट हैम एक लॉन्ग बॉल को क्लीयर करने में नाकाम रहा। केविन शैड ने गेंद को हल्के से इगोर थियागो की दिशा में बढ़ाया, जिन्होंने लो शॉट लगाकर गोल किया। उनके शॉट में अल्फोंस एरीओला के टच के बावजूद गेंद को लाइन क्रॉस कराने की पर्याप्त शक्ति थी। हाफटाइम से ठीक पहले थियागो ने एक और गोल दागा, जिससे बढ़त दोगुनी होती नजर आई, लेकिन उसे ऑफसाइड करार देते हुए रद्द कर दिया गया। यह फैसला इसलिए दिलचस्प रहा, क्योंकि वैश्विक तकनीकी गड़बड़ी के चलते प्रीमियर लीग को अपने सेमी-ऑटोमेटेड ऑफसाइड सिस्टम को बंद कर पिछले सीजन के मैनुअल सिस्टम का इस्तेमाल करना पड़ा।

ग्रैंडमास्टर डैनियल नारोदित्स्की का निधन प्रज्ञानंद ने जताया शोक

नई दिल्ली । अमेरिकी ग्रैंडमास्टर डैनियल नारोदित्स्की ने महज 29 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने नारोदित्स्की के निधन पर दुख जताया है। आर. प्रज्ञानंद ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर डैनियल नारोदित्स्की के निधन पर दुख जताते हुए लिखा, "मुझे दान्या के निधन के बारे में सुनकर बहुत दुख हुआ। जब भी मैं चेसडॉटकॉम पर लॉग इन करता, मुझे उनका चैलेंज दिखाई देता था। यह विश्वास करना मुश्किल है कि मैं इसे अब और नहीं देख पाऊंगा। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। नारोदित्स्की इस सप्ताह की शुरुआत में कैलिफोर्निया स्थित अपने सैन जोस स्थित आवास पर मृत पाए गए थे। उनके परिवार ने इसकी जानकारी दी है। मार्का की एक रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने अभी तक मौत का आधिकारिक कारण नहीं बताया है, लेकिन शुरुआती रिपोर्ट्स में मौत की परिस्थितियों को लेकर सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

एशियन यूथ गेम्स

23 सदस्यीय बॉक्सिंग दल से भारत को उम्मीदें, बहरीन रवाना हुए खिलाड़ी

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) ने एशियन यूथ गेम्स 2025 के लिए 23 सदस्यीय मुक्केबाजी दल को बहरीन रवाना किया है। एशियन यूथ गेम्स का आयोजन 22-31 अक्टूबर के बीच होगा। हालांकि, कुछ प्रतियोगिताएं 19 अक्टूबर से शुरू हो गई हैं। यह दल मनामा में आयोजित एशियन यूथ गेम्स में 14 भार वर्गों में देश का प्रतिनिधित्व करेगा। इनमें अंडर-17 आयु वर्ग में लड़के और लड़कियों के लिए सात-सात भार वर्ग शामिल हैं। एग्जीबिशन वर्ल्ड बहरीन हॉल 9 में मुक्केबाजी प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी, जिसमें सिंगल-एलिमिनेशन फॉर्मेट में तीन राउंड के मुकाबले होंगे। पदक समारोह 30 अक्टूबर, जबकि समापन समारोह 31 अक्टूबर को होगा। एशियन यूथ गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करने जा रहे मुक्केबाजों ने 23 सितंबर से 20 अक्टूबर तक एनएस एनआईएस पटियाला में हाई-इंटेंसिटी ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया है। ये खिलाड़ी अब एशिया के सर्वश्रेष्ठ मुक्केबाजों से मुकाबले के लिए तैयार हैं। कैंप में हेड कोच विनोद कुमार (ब्वॉयज अंडर-17) और जितेंद्र राज सिंह (गर्ल्स अंडर-17) की देखरेख में तकनीक, तेजी और शारीरिक फिटनेस को बेहतर बनाने पर फोकस किया गया। इस दौरान छह ट्रेनर, दो फिजियोथेरेपिस्ट और एक डॉक्टर की समर्पित टीम ने सहयोग दिया।

टीम का चयन छठी अंडर-17 जूनियर बालक एवं बालिका राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में प्रदर्शन के आधार पर किया गया।

टीम का चयन छठी अंडर-17 जूनियर बालक एवं बालिका राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप 2025 में प्रदर्शन के आधार पर किया गया। गोल्ड मेडलिस्ट खिलाड़ियों को सीधे टीम में जगह मिली, जबकि सिल्वर मेडलिस्ट को रिजर्व के रूप में चुना गया।

22 अक्टूबर का ऐतिहासिक दिन

जब भारत ने लगातार तीसरी बार जीता कबड्डी वर्ल्ड कप का खिताब

एजेंसी । नई दिल्ली

भारतीय खेल जगत के लिए '22 अक्टूबर' का दिन बेहद खास है। इसी दिन भारत ने ईरान को शिकस्त देकर कबड्डी वर्ल्ड कप अपने नाम किया था। अहमदाबाद में खेले गए इस खिताबी मुकाबले में भारत ने ईरान को 38-29 से शिकस्त देकर लगातार तीसरी बार खिताब जीता। शनिवार के इस दिन फैंस को मेजबान भारत से काफी उम्मीदें थीं, लेकिन उसके सामने ईरान की कड़ी चुनौती थी, लेकिन जीत के हीरो अजय ठाकुर ने लगातार सफल रेड डालते हुए कुल 12 अंक हासिल किए। भारत की शुरुआत निराशाजनक रही थी। भारत की पहली रेड में अनूप कुमार खाली हाथ लौटे। इसके बाद अजय ठाकुर ने ही भारत का खाता खोलते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरी ओर, मिराज ने ईरान का खाता खोला और बोनस अंक के साथ ईरान ने मुकाबले में 2-2 से बराबरी कर ली। मिराज दो अंक लेकर ईरान को 9-7 से आगे कर चुके थे, लेकिन भारत ने सुपर टैकल करते हुए स्कोर 10-9 कर लिया। हालांकि, ईरान ने हाफ टाइम तक भारत पर 18-13 की बढ़त हासिल कर ली थी। यहां से ईरान भारत को विश्व कप फाइनल में पहली बार मात देने का सपना देखने लगा था। ऐसे में दूसरे हाफ में भारत को अपनी रणनीति में बदलाव करना पड़ा।

बीआईसीसी ने मोहसिन नकवी को मेल भेजा, जल्द ट्रॉफी देने की मांग, नकवी नहीं माने तो आईसीसी में शिकायत होगी

एजेंसी । नई दिल्ली

एशिया कप ट्रॉफी

बीआईसीसी ने एशिया कप ट्रॉफी जल्द से जल्द भारत को सौंपने के लिए एशियन क्रिकेट काउंसिल के चीफ मोहसिन नकवी को ईमेल किया है। अगर नकवी आनाकानी करते हैं तो फिर मामले को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल में उठाया जाएगा। बीआईसीसी सचिव देवजीत सैकिया ने इंडिया टुडे के एक कार्यक्रम में यह जानकारी दी। नकवी पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन भी हैं। सैकिया ने कहा, हम नकवी के जवाब का इंतजार कर रहे हैं। अगर वो जवाब नहीं देते या कोई निगेटिव जवाब देते हैं तो आईसीसी में शिकायत की जाएगी। भारत ने 28 सितंबर को एशिया कप जीता था भारतीय टीम ने 28 सितंबर को एशिया कप फाइनल में पाकिस्तान को हारकर ट्रॉफी अपने नाम की थी। जीत के बाद टीम ने नकवी के हाथों एशिया कप ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया था। भारत ने यह स्टैंड पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में लिया था। इसके बाद मोहसिन नकवी ट्रॉफी लेकर दुबई के होटल चले आए थे। फिर पाकिस्तान जाने से पहले उन्होंने ये ट्रॉफी एसीसी ऑफिस में छोड़ दी थी। बाद में नकवी ने कहा था कि उनके बिना मर्जी के कोई भी ट्रॉफी को हाथ नहीं लगा सकता। अगर भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव चाहें तो एसीसी दफ्तर आकर ट्रॉफी ले जा सकते हैं। नकवी खुद ट्रॉफी देने पर अड़ गए एशिया कप फाइनल के बाद नकवी एशियन क्रिकेट काउंसिल के चेयरमैन होने के नाते प्रेजेंटेशन सेरेमनी में आए थे। सेरेमनी के प्रेजेंटर साइमन डूल ने कहा कि भारतीय टीम उनसे अवॉर्ड्स नहीं लेगी। भारतीय टीम एसीसी के किसी अन्य अधिकारी के हाथों ट्रॉफी लेने को तैयार थी, पर नकवी खुद ट्रॉफी देने पर अड़ गए। इसके बाद कार्यक्रम खत्म कर दिया गया और नकवी मंच से उतर गए। वे ट्रॉफी और मेडल्स भी अपने साथ ले गए। भारतीय खिलाड़ियों ने इससे पहले पूरे टूर्नामेंट में पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ भी नहीं मिलाया था। दूसरी ओर, पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने बार-बार 6-0 के इशारे किए थे। वे पाकिस्तान के इस फर्जी दावे को दोहरा रहे थे कि पाकिस्तान ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के 6 फाइटर जेट गिराए थे।

नकवी ने कहा था- मैं कार्टून की तरह खड़ा था

एशिया कप फाइनल के बाद बीसीसीआई ने एसीसी की एनुअल जनरल मीटिंग में भारत को चैंपियन बनने के बावजूद ट्रॉफी नहीं दिए जाने का कड़ा विरोध किया था। इस पर नकवी ने सफाई देते हुए कहा था कि उन्हें लिखित में कहीं से यह सूचना नहीं दी गई थी कि भारतीय टीम उनसे ट्रॉफी नहीं लेगी। नकवी ने कहा, 'मैं तो वहां बिना वजह एक कार्टून की तरह खड़ा था।

व्यापार/लाइफ व साइंस

तेजी से बढ़ रही देश की अर्थव्यवस्था

हर दिन 6.7 करोड़ रुपए लोग खरीद रहे ईंधन : केंद्रीय मंत्री

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को कहा कि करीब 6.7 करोड़ नागरिक प्रतिदिन फ्यूल स्टेशन पर ईंधन खरीद रहे हैं, जो कि देश की तेजी से बढ़ती आर्थिक क्षमता को दिखाता है। भारत की मजबूत ग्रोथ को लेकर पुरी ने कहा कि देश 4.3 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के साथ दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में विकास दर 7.8 प्रतिशत थी। पुरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, "भारत वर्तमान में प्रतिदिन लगभग 5.5 मिलियन बैरल तेल की खपत करता है, जो इसकी बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के पैमाने को दर्शाता है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि भारत का गैस पाइपलाइन नेटवर्क फिलहाल जो 24,500 किलोमीटर लंबा है और व्यापक ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, इसका विस्तार 2030 तक 33,000 किलोमीटर तक किया जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उज्ज्वला योजना के तहत 10.60 करोड़ से ज्यादा घरों को एलपीजी कनेक्शन दिए गए हैं, जबकि 1.55 करोड़ घरों को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) से जोड़ा गया है।

अमेरिका ने 1 लाख डॉलर की एच-1बी वीजा फीस पर दी सफाई, मौजूदा वीजा धारक रहेंगे मुक्त

एजेंसी । नई दिल्ली

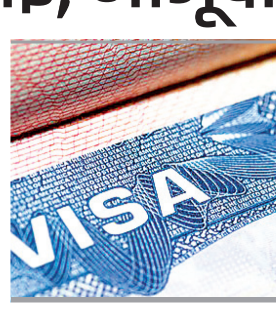

- मौजूदा एच-1बी वीजा धारक देश में आने-जाने पर किसी रोक से मुक्त रहेंगे
- शुल्क केवल नए विदेशी आवेदकों पर लागू होगा जिनके पास मान्य वीजा नहीं है

विदेशी पेशेवरों को बड़ी राहत देते हुए अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग (डीएचएस) ने एच-1बी वीजा की 1 लाख डॉलर आवेदन फीस पर नया दिशा-निर्देश जारी किया है। इसमें कई छूटें और अपवाद शामिल किए गए हैं। नए दिशा-निर्देशों के अनुसार, जो लोग एफ-1 (छात्र) वीजा से एच-1बी वीजा श्रेणी में स्विच कर रहे हैं, उन्हें यह भारी शुल्क नहीं देना होगा। इसी तरह, अमेरिका के भीतर रहकर वीजा में संशोधन, स्थिति परिवर्तन या अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करने वाले एच-1बी वीजा धारकों पर भी यह शुल्क लागू नहीं होगा। इसके अलावा, मौजूदा एच-1बी वीजा धारकों को देश में आने-जाने पर किसी तरह की रोक नहीं होगी। यह शुल्क केवल उन नए आवेदकों पर लागू होगा जो अमेरिका के बाहर हैं और जिनके पास मान्य एच-1बी वीजा नहीं है। नई आवेदन प्रक्रिया के लिए ऑनलाइन भुगतान लिंक भी जारी किया गया है। यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब अमेरिकी वाणिज्य मंडल ने इस फैसले के खिलाफ ट्रंप प्रशासन पर मुकदमा दायर किया है। संगठन ने इस फीस को "गैरकानूनी" बताते हुए कहा कि इससे अमेरिकी व्यवसायों पर "गंभीर आर्थिक असर" पड़ेगा और कंपनियों को या तो अपने श्रम खर्च में भारी बढ़ोतरी करनी पड़ेगी या फिर कुशल विदेशी कर्मचारियों की भर्ती कम करनी होगी।

ट्रंप प्रशासन के खिलाफ यह दूसरी बड़ी कानूनी चुनौती है। इससे पहले, श्रमिक संघों, शिक्षा विशेषज्ञों और धार्मिक संस्थाओं के समूह ने भी 3 अक्टूबर को मुकदमा दायर किया था। ट्रंप ने 19 सितंबर को हस्ताक्षरित इस घोषणा पर कहा था कि इसका उद्देश्य "अमेरिकी नागरिकों को रोजगार का प्रोत्साहन देना" है। हालांकि, इस फैसले से मौजूदा वीजा धारकों में भ्रम की स्थिति बन गई थी कि क्या वे अमेरिका लौट पाएंगे या नहीं। व्हाइट हाउस ने 20 सितंबर को आईएएनएस से कहा था कि यह "एक बार लिया जाने वाला शुल्क" है, जो केवल नए वीजा आवेदनों पर लागू होगा, न कि नवीनीकरण या मौजूदा वीजा धारकों पर। बता दें कि 2024 में भारतीय मूल के पेशेवरों को कुल स्वीकृत एच-1बी वीजाओं में 70 प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी मिली थी। इसका कारण था वीजा स्वीकृति में लंबित मामलों का भारी बैकलॉग और भारत से आने वाले उच्च कौशल वाले आवेदकों की बड़ी संख्या।

आरबीआई ने आर्थिक सुधार का श्रेय दिया

भारत की कॉर्पोरेट बिक्री में जबरदस्त बढ़ोतरी : आरबीआई

एजेंसी । नई दिल्ली

भारत की कॉर्पोरेट बिक्री में वित्त वर्ष 2024-25 में 7.2 प्रतिशत की तेज वृद्धि देखी गई है। आरबीआई बुलेटिन में यह जानकारी दी गई। कोरोना में हुई तेज गिरावट के बाद से देश की कॉर्पोरेट बिक्री में लगातार सुधार देखा जा रहा है। 2021-22 के दौरान, इसमें रिकॉर्ड 32.5 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया था। बीते पांच वर्षों में देश का कॉर्पोरेट का मुनाफा बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में 7.1 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गया है, जो कि वित्त वर्ष 2020-21 में 2.5 लाख करोड़ रुपए पर था। साथ ही, इस दौरान शुद्ध मुनाफा मार्जिन बढ़कर 2024-25 में 10.3 प्रतिशत हो गया है, जो कि 2020-21 में 7.2 प्रतिशत था। आरबीआई के अक्टूबर बुलेटिन के अनुसार, अच्छे मुनाफे के चलते सभी कंपनियों ने अपनी बैलेंसशीट को डीलीवरेज करना जारी रखा है और सभी आकार की कंपनियों के ऋण-से-इक्विटी अनुपात में सुधार हुआ। आरबीआई ने बताया कि भारत के निजी कॉर्पोरेट सेक्टर ने कोविड-19 महामारी के कारण उत्पन्न आर्थिक व्यवधानों के बीच काफी मजबूती और अनुकूलनशीलता प्रदर्शित की है। 2019-20 के दौरान सुस्त निजी खपत और महामारी के कारण कमजोर घरेलू आर्थिक गतिविधि ने स्थिति को और बिगाड़ दिया था।

आईफोन 17 की मजबूत बिक्री का असर

एप्पल का मार्केटकैप 4 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंचा

एजेंसी । नई दिल्ली

आईफोन 17 सीरीज की मजबूत बिक्री के कारण, दिग्गज टेक कंपनी एप्पल का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंच गया है और यह एनवीडिया के बाद दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। एप्पल का शेयर आखिरी कारोबारी सत्र में 3.94 प्रतिशत की तेजी के साथ 262.24 डॉलर पर बंद हुआ, जिससे कंपनी का मार्केट कैप 3.9 ट्रिलियन डॉलर पर पहुंच गया है। फिलहाल ग्राफिक्स चिप्स बनाने वाली कंपनी एनवीडिया 4.44 ट्रिलियन डॉलर की मार्केट कैप के साथ दुनिया की सबसे बड़ी कंपनी है। काउंटरपॉइंट रिसर्च के आंकड़ों से पता चला है कि आईफोन 17 सीरीज ने वैश्विक स्तर पर, खासकर चीन और अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में, शुरुआती बिक्री में अपने पहले के मॉडल से बेहतर प्रदर्शन किया है। एप्पल 30 अक्टूबर को अपनी तिमाही आय की रिपोर्ट करेगा और शेयर का अच्छा प्रदर्शन निवशकों के उत्साह को दिखाता है। विक्रेताओं और उद्योग विश्लेषकों के अनुसार, 'मेक इन इंडिया' पहल को बढ़ावा देते हुए, आईफोन 17 मॉडल भारत में पिछले साल की आईफोन 16 सीरीज की तुलना में अधिक लोकप्रिय हो रहे हैं। टेक दिग्गज ने भारत में त्योहारों पर अपनी सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है।

जीएसटी सुधार से उपभोक्ता मांग में दिखा सुधार

फेस्टिव सीजन में हुई रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ की बिक्री

एजेंसी । नई दिल्ली

नवरात्री से लेकर दीपावली तक चलने वाले फेस्टिव सीजन में गुड्स की बिक्री रिकॉर्ड 5.40 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। इस दौरान करीब 65,000 करोड़ रुपए की सर्विसेज भी ग्राहकों की ओर से खरीदी गई हैं। यह जानकारी इंडस्ट्री द्वारा जारी आंकड़ों में दी गई। देश के फेस्टिव सीजन के इतिहास में यह बिक्री का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है। अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) की रिसर्च विंग, कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसाइटी के अनुसार, यह पिछले साल नवरात्रि से दीपावली की अवधि में हुई 4.25 लाख करोड़ रुपए की फेस्टिव सेल्स की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक है। सर्वेक्षण में बताया गया कि इसमें रिटेल की हिस्सेदारी 85 प्रतिशत रही है। ऑफलाइन मार्केट में भी मांग अच्छी रही है।

कन्फेक्शनरी, होम डेकोर, जूते-चप्पल, रेडीमेड कपड़े, टिकाऊ उपभोक्ता सामान और दैनिक उपयोग की वस्तुओं जैसी प्रमुख उपभोक्ता और खुदरा श्रेणियों में जीएसटी दरों में कमी से मूल्य प्रतिस्पर्धा में काफी सुधार हुआ, जिससे खरीदारी में इजाफा हुआ है। सर्वेक्षण के अनुसार, लगभग 72 प्रतिशत व्यापारियों ने बताया कि उनकी बिक्री में वृद्धि सीधे तौर पर जीएसटी में कमी के कारण हुई।